फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 75 संख्याः 174 प्रभात जयपुर, शुक्रवार 24 जनवरी, 2025 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

From Chai Under Neem Trees To A Carnival...

One of the most unforgettable moments came in 2012, when Oprah Winfrey graced the stage. Her electrifying presence turned the festival grounds into a carnival

The Remarkable Emptiness of Existence

The space between the planets had to be filled with nothing, otherwise, friction would slow the planets down

20 फरवरी को ''डैडलाइन'' से पहले बच्चे को अमेरिका में जन्म देने के लिये दौड़ लगी

इस दौड़ में सबसे ज्यादा संख्या भारतीय गर्भवती महिलाओं की है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प के जन्म आधारित नागरिक अधिकार खत्म करने के कार्यकारी आदेश के बाद, अमेरिका के दम्पतियों, जो माता-पिता बनने वाले हैं, में 20 फरवरी से पहले सी सैक्शन से बच्चे को जन्म देने की होड़ लग गई है। ट्रम्प ने 20 फरवरी की डैडलाइन दी है जन्म आधारित नागरिकता के अधिकार को समाप्त करने के लिए।

इन मामलों में से अधिकांश भारत के हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि यह चलन दक्षिण एशियाई देशों के अलावा अन्य देशों में भी है, क्योंकि हरेक व्यक्ति मामूली सी संभावना होने पर इस अवसर का लाभ उठाना चाहता है।

ऐसी स्थिति में सबसे ज्यादा खतरा बच्चे को होगा, क्योंकि जो महिलाएं सी सैक्शन का विकल्प चुन रही हैं, वे गर्भावस्था में आठवें या नवें महीने में है। गर्भावस्था की अवधि पूरी होने में कुछ ही समय बचता है, पर इससे बच्चे को खतरा हो सकता है।

- **ये महिलाएं, जिन्हें गर्भ धारण किये आठ या नौ महीने ही हुए हैं, ''डैडलाइन'' से पहले बच्चे को अमेरिका में जन्म देने के लिये, अमेरिका में डॉक्टरों पर ''सिज़ेरियन'' प्रक्रिया से बच्चे को जन्म देने के लिए दबाव डाल रही हैं। हालांकि, डॉक्टर उन्हें बार-बार सलाह दे रहे हैं कि इस प्रक्रिया से बच्चे की सेहत पर विपरीत प्रभाव पड़ेगा।**
- **समय से पूर्व जन्मे ऐसे बच्चों में फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते। इन बच्चों को माँ का स्तनपान करने में भी कठिनाई होती है। इन बच्चों का जन्म के समय वजन भी बहुत कम होता है तथा कुछ बच्चों में ''न्यूरोलॉजिकल प्रॉबलम्स'' भी विकसित हो जाती हैं।**
- **ट्रम्प द्वारा निर्धारित डैडलाइन का उन लाखों भारतीयों पर असर पड़ेगा, जो अमेरिका में अस्थायी वीज़ा प्राप्त करके रह रहे हैं।**
- **क्योंकि, अमेरिका में ''ग्रीन कार्ड'' प्राप्त करने में बहुत समय लगता है, उन भारतीय दम्पतियों के लिए यह एक ''सेफ्टी नैट'' है, जो अमेरिका में काम कर रहे हैं और उनकी पत्नियां गर्भवती हैं।**

न्यूजर्सी की मैटरनिटी क्लीनिक में कार्यरत डॉ. एस.डी. रामाराव ने कहा कि उनसे समय से पूर्व डिलीवरी कराने के लिए कई लोगों ने आग्रह किया है। एक महिला का मार्च में बच्चा होना है, वह सात माह की गर्भवती है, पर अपने पति के साथ समय से पहले डिलीवरी के लिए आई थी।

अस्थाई रुप से अमेरिका में रह रहे लोगों में जन्म आधारित नागरिकता के अधिकार की डैडलाइन 20 फरवरी से पहले बच्चों को जन्म देने की होड़ लगी है, ताकि बच्चों को अमेरिका की नागरिकता मिल जाए।

जन्म के आधार पर स्वत: नागरिकता मिल जाने के अधिकार को खत्म करना इमिग्रेशन नीति में बड़ा बदलाव है तथा इससे अमेरिका में अस्थायी वीसा पर रह रहे लाखों भारतीय प्रभावित होंगे।

जन्म आधारित नागरिकता एक कानूनी सिद्धांत है, जो अमेरिका में जन्म लेने वाले हर बच्चे को अमेरिका का नागरिक बनने का अधिकार देता है, भले ही उसके माता-पिता किसी भी देश के हों और उनकी इमिग्रेशन स्थिति चाहे जो हो।

डॉ. एस.जी. मुक्काला ने लोगों को समय पूर्व प्रसव के सम्बंध में चेतावनी दी और कहा कि ऐसे बच्चों के फेफड़े विकसित नहीं हो पाते हैं, उन्हें फीडिंग में समस्या होती है, उनका वजन कम होता

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

नीमकाथाना व गंगापुर सिटी जिला समाप्ति मामले की सुनवाई 28 जनवरी को

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान हाईकोर्ट ने नव सृजित नीमकाथाना जिले का दर्जा समाप्त करने पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। इसके साथ ही, अदालत ने इस मामले को समान प्रकरण में गंगापुर सिटी के मामले में रामकेश मीणा की ओर से पूर्व में दायर याचिका के साथ 28 जनवरी को सूचीबद्ध करने को कहा है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश पूर्व विधायक रमेश चंद्र खंडेलवाल की याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। वहीं, मामले में नीमकाथाना बार

- **हाई कोर्ट में सरकार की ओर से इस मामले में महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद ने पैरवी की।**

एसोसिएशन की ओर से भी याचिका पेश की गई है।

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता राजेन्द्र प्रसाद पेश हुए। उनकी ओर से याचिका में जवाब पेश करने के लिए समय मांगा गया। इस पर खंडपीठ ने याचिका को रामकेश मीणा की याचिका के साथ सूचीबद्ध करने को कहा है। याचिका में अधिवक्ता निखिल सैनी ने कहा कि राज्य सरकार ने रामलुभाया कमेटी की सिफारिशों और तय मापदंडों के आधार पर नीम का थाना सहित, अन्य जिलों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'हम हमेशा, ''बिना कागज़ात'' अमेरिका में रहने वाले भारतीयों को वापस भारत भेजने के पक्ष में रहे हैं'

विदेश मंत्री जयशंकर को ट्रम्प प्रशासन के लगातार दबाव के कारण प्रैस कॉन्फ्रैंस में सार्वजनिक रूप से कहना ही पड़ा

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। अवैध प्रवासियों, जिनमें कई भारतीय भी हैं, के खिलाफ ट्रम्प सरकार द्वारा उठाए गए कठोर कदमों के बीच भारत के विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उनका देश अनाधिकृत भारतीयों की वापसी के लिए खुला है।

हालांकि यह सच है कि भारत ने अवैध रुप से विदेश, खासकर अमेरिका, जाने वाले भारतीयों के खिलाफ कभी कोई कड़ा कदम नहीं उठाया। भारतीयों में अमेरिका के प्रति बेहद रुझान है, जिसे अधिकांश लोग सोने की खान मानते हैं।

जयशंकर के पास यह कहने के सिवा कोई चारा नहीं था कि भारत में उन लोगों को चिन्हित करने की प्रक्रिया चल रही है, जिन्हें अमेरिका से निर्वासित किया जा सकता है, अभी इनकी संख्या निर्धारित नहीं की जा सकती है।

भारतीयों का रुस की सेना में शामिल होना, हमास के खिलाफ इज़रायल की सेना के साथ लड़ना, इस बात का सबूत है कि भारत में बेरोजागारी कितनी ज्यादा है। लेकिन सरकार इस

- **पर, यह भी सच है कि अभी तक, आज तक, भारत सरकार ने भारत से अमेरिका में गैर कानूनी तरीके से जाने वाले भारतीयों को रोकने का कोई गंभीर प्रयास भी नहीं किया।**
- **भारत में भारी बेरोज़गारी के कारण देश के मध्यम वर्ग या लोअर मिडिल क्लास परिवारों के बच्चे, दलालों को पैसा देकर, विदेश (अमेरिका) जाने का निरन्तर प्रयास करते रहते हैं।**
- **बेरोज़गारी के ही कारण भारतीय युवक रूस की सेना में और हमास के खिलाफ युद्ध लड़ने के लिए इज़रायल सेना में भर्ती हुए।**
- **पर, जब अमेरिका का वीज़ा प्राप्त करने में 400 दिन लगते हैं तो गैर कानूनी तरीके से अमेरिका जाकर नौकरी करने के इच्छुक नौजवानों को कैसे रोका जा सकता है।**
- **विदेश मंत्री ने इस तर्क के प्रति अमेरिका के विदेश मंत्री (सैक्रेटरी ऑफ स्टेट) मार्को रुबिओ ने भी सहमति जताई।**

प्रवृति को रोकने के लिए कुछ भी नहीं कर रही है। जहां अमीर लोग दूसरे देशों की नागरिकता ले रहे हैं, इनमें से कई तो छोटे देशों की नागरिकता ले रहे हैं, लेकिन मध्यम वर्गीय व निम्न मध्यम वर्गीय युवा गैर कानूनी तरीकों से अलग-अलग देशों में जाने का प्रयास

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आप अपने लिए भाजपा से बड़ा खतरा कांग्रेस को मानती है

आप को डर है कि कांग्रेस पार्टी अल्पसंख्यक वोट बैंक को खंडित ना कर दे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आम आदमी पार्टी सार्वजनिक रूप से यह दावा भले ही कर रही हो कि कांग्रेस अप्रासंगिक हो गई है, लेकिन वस्तुस्थिति यह है कि दिल्ली में करीब 10 सीटें ऐसी हैं, जहाँ आप, कांग्रेस पार्टी के प्रचार-अभियान पर खास नज़र रखे हुये है।

पिछले दो सप्ताह से, आप नेता दिल्ली के चुनावों में कांग्रेस को ''अप्रासंगिक'' बता रहे हैं तथा आरोप लगा रहे हैं कि भाजपा के साथ इसकी ''मिलीभगत'' है।

आम आदमी पार्टी, अन्य सीटों के अलावा, ओखला, चाँदनी चौक तथा बादली सीटों पर कांग्रेस से कड़ी टक्कर मानकर चल रही है।

जहाँ ओखला में पूर्व कांग्रेस विधायक आसिफ अहमद खान की बेटी अरीबा खान आप के अमानतुल्लाह खान के खिलाफ मैदान में है, वहीं

- **दिल्ली की दस विधानसभा सीटों पर आप कांग्रेस के प्रचार अभियान पर पैनी नज़र रखे हुए है।**
- **इन दस सीटों में से तीन, ओखला, चाँदनी चौक और बादली में तो आप, कांग्रेस से कड़ी टक्कर मिलने की संभावना से चिंतित है।**

चाँदनी चौक सीट पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता जे.पी. अग्रवाल के पुत्र मुदित अग्रवाल, आप के पुनर्दीप सिंह साहनी के खिलाफ खड़े हैं, जो चाँदनी चौक से वर्तमान विधायक प्रहलाद सिंह साहनी के पुत्र हैं। बादली सीट पर कांग्रेस अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, आप के अजेश यादव के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं।

आप के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, ''हमारे लिये, चिन्ता का विषय यह नहीं है कि कांग्रेस सीटें जीतेगी, बल्कि चिन्ता का विषय यह है कि स्वयं तो हार जायेगी, लेकिन भाजपा को अपनी स्थिति मजबूत करने में जरूर मदद करेगी।'' उन्होंने कहा, ''भाजपा पिछले 27 साल से दिल्ली की सत्ता से बाहर है तथा यह चुनाव उसके लिये बहुत महत्वपूर्ण है। कांग्रेस का वोट शेयर बढ़ने से भाजपा की ही मदद होगी।''

आप के एक अन्दरूनी व्यक्ति ने कहा, ''देखिये, 2017 के एमसीडी चुनावों में क्या हुआ था। केवल दो साल पहले, आप ने विधानसभा चुनाव 54 प्रतिशत के विशाल वोट-शेयर के साथ जीते थे तथा कांग्रेस केवल 10 प्रतिशत वोट ही पा सकी थी। लेकिन कांग्रेस ने एमसीडी चुनाव अच्छी तरह लड़े। (नतीजा यह हुआ कि) आप का वोट शेयर गिरकर 26 प्रतिशत पर आ गया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राज्य के 5897 गाँव अभावग्रस्त घोषित

जयपुर, 23 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशील निर्णय लेते हुए खरीफ बाढ़ एवं ओलावृष्टि से प्रभावित 21 जिलों के किसानों को एसडीआरएफ से कृषि आदान अनुदान वितरण करने की मंजूरी दी है। इसके लिए 20 जिलों के 33 प्रतिशत या उससे अधिक फसल खराबे वाले 5897 गांव अभावग्रस्त घोषित किए गए हैं। मुख्यमंत्री के इस संवेदनशील निर्णय से

- **मुख्यमंत्री भजनलाल ने बाढ़ व ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ से कृषि आदान अनुदान वितरण की स्वीकृति दी।**

प्रभावित किसानों को बड़ा संबल मिलेगा। इस निर्णय के उपरान्त, अब आपदा प्रबंधन एवं सहायता विभाग द्वारा इस बारे में अधिसूचना जारी की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने मानसून वर्ष 2024 (संवत् 2081) में बाढ़ और ओलावृष्टि से खरीफ फसलों के खराबे के आकलन के लिए गिरदावरी के निर्देश दिए थे और जिला कलक्टरों से प्राप्त नियमित गिरदावरी रिपोर्ट के आधार पर यह निर्णय लिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दिल्ली में व्याप्त गंदगी के लिए केजरीवाल पर कटाक्ष किया, योगी आदित्यनाथ ने

क्या केजरीवाल व उनकी सरकार के लोग यमुना में डुबकी लगाने को तैयार हैं?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। महाकुंभ के अवसर पर प्रयागराज में यमुना नदी में लाखों लोगों के स्नान करने का श्रेय लेते हुये, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अरविन्द केजरीवाल पर तंज करते हुये, उनसे तथा उनके मंत्रियों से पूछा कि क्या वे लोग दिल्ली में प्रदूषित यमुना में स्नान करने की हिम्मत कर सकते हैं।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को दिल्ली में अपनी पहली चुनावी सभा को संबोधित किया तथा मतदाताओं से आसन्न दिल्ली विधानसभा चुनावों में भाजपा को समर्थन देने का अनुरोध किया। योगी ने जनसभा में उपस्थित भारी भीड़ से

- **जैसा कि विदित है कि महाकुंभ के अवसर पर योगी व उनके मंत्रिमंडल ने संगम में डुबकी लगाई थी, जो बहुत प्रचारित रही थी।**
- **योगी ने दिल्ली और समीपवर्ती गाज़ियाबाद, जो उत्तर प्रदेश का शहर है, की तुलना की और कहा, दोनों में ज़मीन आसमान का अंतर है। उन्होंने कहा, आप सरकार दिल्ली की जनता को मूलभूत सुविधाएं नहीं दे पाई।**

विकास, कानून-व्यवस्था में सुधार तथा भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन का वादा किया।

दिल्ली के इन्फ्रास्ट्रक्चर की बिगड़ती हुई स्थिति का हवाला देते हुये, उन्होंने कहा, ''यह राष्ट्रीय राजधानी है। एन.डी.एस.सी. क्षेत्र के अलावा, दिल्ली की सड़कों, जल-आपूर्ति तथा बिजली की हालत देखिये। एक दशक पहले, यहाँ लोग बेहतर इन्फ्रास्ट्रक्चर, मैट्रो सेवा तथा सफाई के कारण आया करते थे। लेकिन अब, इस सरकार ने इसकी कैसी हालत कर दी है। सड़कों में गड्ढों की भरमार है तथा कुछ स्थानों पर तो यह बताना मुश्किल है कि क्या गड्ढों में कहीं सड़क है। हर जगह कूड़ा-करकट तथा धूल-मिट्टी दिखाई देती है।''

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आप सरकार पर प्रहार करते हुये, उस पर कुप्रबंधन का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''सड़कों पर गंदा पानी बह रहा है तथा पेयजल संकट है। आप सरकार इन मूलभूत मुद्दों के समाधान में असफल रही है।''

आप नेतृत्व की आलोचना करते हुये, आदित्यनाथ ने उस पर वास्तविक स्थिति की तुलना में सोशल मीडिया को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ''जनता के लिय काम करने के बजाय, आप नेता, जिनमें अरविन्द केजरीवाल भी शामिल हैं, अपना समय झूठे ट्वीट करने में गुजारते हैं। अगर उन्होंने ऐसे प्रयास प्रशासन के मामले किये होते, तो दिल्ली का कायापलट हो सकता था।''

दिल्ली और उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद की तुलना करते हुये आदित्यनाथ ने कहा, ''दिल्ली और गाज़ियाबाद की सड़कों में सार्वजनिक सुविधाओं में जबरदस्त अन्तर है। आप ने दिल्लीवासियों को मूलभूत सुविधाओं से वंचित कर दिया है।''

गुजरे समय के विवादों का हवाला देते हुये, आदित्यनाथ ने कहा, ''2020 में, दिल्ली शहर दंगों का साक्षी बना तथा (दंगों में) एक आप पार्षद की लिप्तता सामने आई। आप सरकार शान्ति और सुरक्षा सुनिश्चित करने में लगातार असफल रही है।''

चेक बाउन्स केस में रामगोपाल वर्मा को तीन माह की जेल

मुंबई, 23 जनवरी। महाराष्ट्र में मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने बॉलीवुड फिल्म निर्माता राम गोपाल वर्मा को चेक अनादरण (बाउन्स) मामले में तीन महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई है। एक वकील ने यहां गुरुवार को बताया कि वर्मा के खिलाफ सात साल पहले परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138 के तहत मामला दर्ज किया

- **सात साल पुराने केस में अदालत ने तीन माह के भीतर 3.72 लाख का जुर्माना भरने के निर्देश दिए वरना 3 माह की सजा और भुगतनी पड़ेगी।**

गया था।

अंधेरी मजिस्ट्रेट अदालत ने न्यायालय में पेश न होने की वजह से मंगलवार को वर्मा के खिलाफ गैर जमानती वारंट भी जारी कर दिया।

अदालत ने वर्मा को 3.72 लाख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव आयोग ने केजरीवाल की पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटाई

नई दिल्ली, 23 जनवरी। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को मिली पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटा ली गई है। पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने कहा है कि चुनाव आयोग और दिल्ली पुलिस के निर्देश पर पंजाब पुलिस के जवान जो केजरीवाल की

- **आप पार्टी के संजय सिंह ने आरोप लगाया कि दिल्ली पुलिस ने जबरदस्ती केजरीवाल की सुरक्षा कम की।**

सुरक्षा में तैनात थे उन्हें वापस बुला लिया गया है। पंजाब के डीजीपी ने कहा कि केजरीवाल की सुरक्षा को लेकर हम चिंतित हैं और इस वजह से दिल्ली पुलिस से जानकारी साझा कर रहे हैं और उनसे बात कर रहे हैं। इस बीच संजय सिंह ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका की डब्ल्यु.एच.ओ. छोड़ने की घोषणा से भारत पर काफी चिन्ताजनक असर होगा

पोलियो की रोकथाम, टीबी आदि को खत्म करने के लिये गये ''इम्यूनाइज़ेशन प्रोग्राम'' फण्ड के अभाव में सिकुड़ सकते हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 23 जनवरी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने ओवल ऑफिस में अपने पहले दिन कई कार्यकारी आदेश जारी किए, उनमें से एक थी, वर्ल्ड हैल्थ ऑर्गनाइज़ेशन (डब्ल्यु. एच.ओ.) से अमेरिका की निकासी की घोषणा। यह निकासी, जो एक वर्ष बाद प्रभावी होगी, भारत पर कई सीधे और अप्रत्यक्ष प्रभाव डाल सकती है। यह इस पर निर्भर करेगा कि ग्लोबल हैल्थ इकोसिस्टम इस बदलाव के साथ कैसे एडजस्ट करता है।

अमेरिका का डब्ल्यु.एच.ओ. में प्रमुख योगदान रहा है। इसकी निकासी से एक महत्वपूर्ण वित्तीय कमी उत्पन्न हो सकती है, जो विश्वभर में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य कार्यक्रमों को प्रभावित कर सकती है। भारत, जो पोलियो उन्मूलन, तपेदिक (टीबी) उन्मूलन और टीकाकरण अभियानों जैसी डब्ल्यु.एच.ओ. द्वारा संचालित पहलों का प्रमुख प्राप्तकर्ता है, को इन कार्यक्रमों में देरी या धन की कमी का सामना कर सकता है।

विशेषज्ञों का कहना है कि गावी (वैक्सीनेशन अलायंस) जैसी विशिष्ट पहल, जो डब्ल्यु.एच.ओ. प्रयासों से जुड़ी हुई हैं, अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हो

- **जैसा कि विदित ही है, कोविड-19 के दौरान डब्ल्यु.एच.ओ. की गाइडलाइन्स, रिसर्च तथा सप्लाई श्रृंखलाओं का नैटवर्क बहुत काम आया था, महामारी से जूझने में।**
- **भारत को यूरोपियन यूनियन, चीन व रूस की ओर देखना होगा और अधिक सहयोग व अन्य मदद के लिये, अन्यथा, भारत के रिसोर्सेज़ व कुटनीतिक ऊर्जा पर भारी दबाव रहेगा, डब्ल्यु.एच.ओ. में अमेरिका की कमी को पूरी करने के लिए विकल्प ढूंढ़ने में।**

सकती हैं और भारत के टीकाकरण प्रयासों पर असर डाल सकती हैं।

दक्षिण एशिया और अफ्रीका के कई निम्न और मध्यम आय वाले देशों को डब्ल्यु.एच.ओ. से स्वास्थ्य संकटों के समाधान के लिए तकनीकी विशेषज्ञता और समर्थन प्राप्त होता है। डब्ल्यु.एच.ओ. के कमज़ोर पड़ने से भारत की क्षेत्रीय हैल्थ लीडर की भूमिका प्रभावित होगी और हैल्थ एमरजैंसी के समय भारत को अपने पड़ोसी देशों की अधिक सक्रिय रूप से सहायता करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

अमेरिका की डब्ल्यु.एच.ओ. से निकासी से ग्लोबल हैल्थ गवरनैंस में एक रिक्त स्थान पैदा होगा, जिसमें भारत को वैश्विक स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण में अपनी भूमिका को मजबूत करना पड़ सकता है और यूरोपीय संघ, चीन और रूस जैसे अन्य प्रमुख खिलाड़ियों के साथ मिलकर बहुपक्षीय सहयोग को बनाए रखने के लिए काम करना पड़ सकता है। इससे भारत की कूटनीतिक क्षमता और संसाधन प्रभावित हो सकते हैं।

डब्ल्यु.एच.ओ. के कमज़ोर होने से भारत को अपनी घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षमताओं को बढ़ाना पड़ सकता है। इसका मतलब यह हो सकता है कि भारत को, ग्लोबल फंड या गेट्स फाउंडेशन जैसे अन्य ग्लोबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

ईश्वर एक शाश्वत बालक है जो शाश्वत बाग़ में शाश्वत खेल खेल रहा है। –अरविन्द

पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 की वैधानिकता को चुनौती देने के स्थान पर समाधान तलाशें

अश्विनी कुमार उपाध्याय बनाम भारत संघ केस नं. WP(C) 1246/2020 के केस में निम्नलिखित महत्वपूर्ण मुद्दों पर माननीय सर्वोच्च न्यायालय सुनवाई करने जा रहा है:–

(1) क्या पूजा स्थल अधिनियम, 1991 की धारा 2, 3 तथा 4 संविधान के अनुच्छेद 14 व 15 तथा समानता के अधिकार की गारंटी का उल्लंघन करती है?

(2) क्या धारा 2, 3 व 4 अनुच्छेद 25, 26, और 29 तथा संविधान में धर्म निरपेक्षता की मूल विशेषता का उल्लंघन करती है?

(3) क्या आक्रमणकारियों द्वारा नष्ट किये गये मंदिर हिन्दू तथा इस्लामी पर्सनल लॉ के तहत् मंदिर बने रहेंगे?

सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकायें उपरोक्त वर्णित कानून के तहत पेश हुई हैं। राजनीतिक दलों जिसमें आरजेडी, एएमआईएम, जमीयत उलेमा-ए-हिन्द आदि हैं उन्होंने अपनी-अपनी पिटीशनस् में सुप्रीम कोर्ट से प्रार्थना की है कि माननीय कोर्ट उक्त पूजा स्थल अधिनियम के प्रावधानों का समर्थन करें ताकि देश में सभी लोगों में समरसता व भाईचारा बना रहे और कोई साम्प्रदायिक तनाव उत्पन्न नहीं हो, तथा संविधान का धर्मनिरपेक्ष ताना बाना सुरक्षित रहे।

पूजा स्थल अधिनियम अथवा उपासना स्थल अधिनियम 1991 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई सभी पिटीशनस् की सुनवाई साथ-2 होगी। इसे मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली बैंच सुनवाई कर रही है। केस में सुनवाई के हेतु 17 फरवरी 2025 की पेशी नियत है। अंग्रेजी में इस अधिनियम को प्लेसेज ऑफ वर्शिप एक्ट 1951 के नाम से पुकारा जाता है।

यह अधिनियम 18 सितम्बर, 1991 को संसद द्वारा पारित किया गया था। यह अधिनियम बाबरी मस्जिद के विधवंस से एक साल पूर्व सन 1991 में लाया गया था। बाबरी मस्जिद के (खंडहर) को 1992 में गिराया गया था। अधिनियम का पूरा नाम पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम, 1991 है। इस कानून को संसद में किसी भी पूजा स्थल के धर्मांतरण पर रोक लगाने और किसी भी पूजा स्थल के धार्मिक चरित्र को बनाये रखने के अधिनियम (उद्देश्य) से पारित किया गया था, जो जैसा भी 15 अगस्त, 1947 को था। सर्वोच्च न्यायालय उपासना स्थल अधिनियम 1991 की संवैधानिक वैधता पर निर्णय करेगा। यह कानून जैसा ऊपर कहा है उपासना स्थलों के धार्मिक स्वरूप के बदलने से, जो स्थिति 15 अगस्त 1947 को थी, को रोकता है।

यह अधिनियम उस समय जनता के ध्यान में आया जब सर्वोच्च न्यायालय उस स्थान के सम्पत्ति विवाद का फैसला कर रहा था, जहां कभी बाबरी मस्जिद थी। मस्जिद के खंडहर को, जिस रूप में वह उस समय थी, कार सेवकों से 6.12.1991 को तोड़ा था। सिविल कोर्ट में सम्पत्ति का विवाद वर्षों तक चला था। दावे के अनुसार इस की सम्पत्ति का मालिकाना हक हिन्दुओं के देवता भगवान श्रीराम (रामलला) विराजमान का माना था। दिनांक 9 नवम्बर 2019 को सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ के 5 न्यायाधीशों ने उक्त सम्पत्ति का अधिकार माना था। इस प्रकार 450 साल पुराने विवाद का अन्त हुआ। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल अधिनियम 1991 की वैधता को सुरक्षित रखा। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा ''पूजा स्थल अधिनियम आन्तरिक रूप से एक धर्मनिरपेक्ष राज्य के दायित्वों से संबंधित है यह सभी धर्मों की समानता के लिये भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'' अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका में उक्त एक्ट की धारा 2, 3 व 4 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई है।

पूजा स्थल अधिनियम 1991 के मुख्य प्रावधानों को समझना प्रत्येक देश के नागरिक के लिये आवश्यक है। उपासना स्थल अधिनियम, 1991 के अनुसार किसी भी उपासना स्थल का धार्मिक स्वरूप वैसा ही रहना चाहिये जैसा वह 15 अगस्त 1947 को था। इसका उद्देश्य भी यही है कि पूजा स्थल के कथित ऐतिहासिक रूपान्तरण से उत्पन्न सभी विवादों को समाप्त करना है। धारा 3 स्पष्ट रूप से यह निर्देश देती है कि किसी भी धार्मिक सम्प्रदाय के पूजा स्थल को पूर्णत: अथवा आंशिक रूप से किसी अन्य धार्मिक सम्प्रदाय के पूजा स्थल में परिवर्तित करने की मनाही है यानी परिवर्तन करने पर रोक है और रोक की स्थिति यह है कि उसी धार्मिक सम्प्रदाय के किसी अन्य भाग के पूजा स्थल में भी परिवर्तन नहीं किया जा सकता। धारा 4(1) के अनुसार 15 अगस्त 1947 को था। धारा 4(2) में बतलाया गया है कि 15 अगस्त 1947 को मौजूदा किसी भी उपासना स्थल के धार्मिक स्वरूप के परिवर्तन के बाबत किसी भी न्यायालय, अधिकरण या किसी अन्य प्राधिकरण के समक्ष लम्बित कोई भी वाद या कानूनी कार्यवाही समाप्त हो जावेगी और कोई नया वाद या कानूनी कार्यवाही प्रारम्भ नहीं हो सकेगी। यदि 15 अगस्त 1947 के बाद इस अधिनियम के लागू होने से पहले किसी उपासना स्थल का धार्मिक स्वरूप बदल गया है और उससे संबंधित कोई वाद या अपील किसी न्यायालय में लम्बित है तो उसका निर्णय धारा 4(1) अनुरूप ही किया जावेगा। धारा 5 के अनुसार इस अधिनियम की कोई धारा राम जन्म भूमि बाबरी मस्जिद मामले से संबंध किसी भी मुकदमें, अपील अथवा कार्यवाही पर लागू नहीं होगी। धारा 6 के अनुसार इस अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने पर 3 वर्ष तक की सजा दी जा सकती है।

कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में इस अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे जैसे – (1) वे पूजा स्थल जो प्राचीन स्मारक व पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनिमय 1958 द्वारा संरक्षित हैं। (2) यदि कोई वाद इस अधिनियम के लागू होने से पहले ही अन्तिम रूप से निपटाया जा चुका है तो यह अधिनियम लागू नहीं होगा। (3) उस स्थिति में भी यह अधिनियम लागू नहीं होगा जब विवाद जिसे इस अधिनियम के लागू होने के पहले ही दोनों पक्षों द्वारा आपसी सहमति से सेटिल किया जा चुका है।

कबीर हिन्दू व मुसलमान दोनों के लिये पूज्यनीय थे। उन्होंने दोनों धर्मो के पाखण्ड़ पूर्ण व्यवहार पर करारी और तीखी चोट की थी। कबीर का मानना था कि हर इन्सान में ईश्वर का निवास होता है। उसे मंदिर-मस्जिद में ढूँढना सही नहीं है। ईश्वर न तो काबा में मिलेगा न काशी में बल्कि वह तो हर इन्सान में मिलेगा।

यह ध्यान देने की बात है कि यह एक्ट बाबरी मस्जिद राम जन्मभूमि विवाद के प्रकाश में लाया गया था, किन्तु उसे विशेष रूप से इससे बाहर रखा गया था; क्योंकि इस कानून के पारित होने के समय यह विवाद पहले से ही न्यायालय में जेरकार था।

यहां यह कहना भी समीचीन होगा कि न्यायमूर्ति डीवाई चन्द्रचूड ने कहा था कि यद्यपि यह सही है कि 1991 के कानून के तहत् धार्मि स्थल की प्रकृति को बदलने पर रोक है किन्तु प्रक्रियात्मक साधा के रूप में किसी धार्मिक चरित्र का पता लगाना वस्तुत: इस अधिनियम (एक्ट) की धारा 3 व 4 के प्रावधानों का उल्लंघन नहीं हो सकता। कृपया ध्यान दें कि उक्त विचार किसी निर्णय का अंश नहीं है। यानी यह विवाद का विषय नहीं है। मथुरा एवं ज्ञानव्यापी दोनों के विवादों में मस्जिद पक्ष के इस व्याख्या को चुनौती दी है। इसका यह अर्थ है कि उपरोक्त रिट याचिकाओं की बहस में यह प्रश्न उठाया जावेगा।

दिनांक 15 अगस्त 1947 भारत के लिये एक ऐतिहासिक व महत्व का दिन है, जब देश एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक और संप्रभु राज्य बना था, जहां कोई राज्य धर्म नहीं है और धर्मों को स्वतंत्र रूप से देखा जाता है और नागरिकों को अपने-2 धर्म के रिवाजों, पद्धति के अनुरूप पूजा, साधना, उपासना करने का अधिकार प्राप्त है। वस्तुत: अलग-2 धर्मों के पूजा स्थलों के पूजा स्थलों की यथास्थिति सीापित रखने के लिये 15 अगस्त 1947 को पूजा स्थल एक्ट लागू किया गया था। यह स्पष्ट किया गया कि देश में आजादी के वक्त अर्थात् 15.08.1947 को जो पूजा स्थल जिस स्थिति में थे, वे वैसे ही रहेंगे। पूजा स्थल अधिनियम सभी धार्मिक स्थलों पर लागू है चाहे वह हिन्दू, मुसलमान, सिख, ईसाई, जैन, बौद्ध का हो, उसे दूसरे धर्म के पूजा स्थलों में परिवर्तित नहीं कर सकेंगे।

सर्वोच्च न्यायालय ने कई याचिकायें पेश हो रही थी, इसे देखकर न्यायालय ने मुदकमें बाजी पर विराम लगा दिया है। सभी अदालतों को निर्देश दिया है कि जब तक अपेक्स कोर्ट में मामले लम्बित हैं तब तक अदालतें धार्मिक स्थल के दावों के नये मुकदमें दर्ज नहीं करेंगे अथवा फाइनल आदेश पारित करेगी। सर्वे का भी आदेश नहीं देगी।

पूजा स्थलों का विवाद संविधान के अनुच्छेद 25 व 26 के तहत् हल किया जाना चाहिये।

जमीयत उलमा-ए-हिंद ने हिन्दू याचिकाकर्त्तओं द्वारा दायर याचिकाओं को चुनौती देते हुये अपेक्स कोर्ट में प्ली ली थी कि अधिनियम के विरूद्ध याचिकाओं पर विचार करने से भारत में अनगिनत मस्जिदों के विरूद्ध विवादों की बाढ़ आ जावेगी। इंडिया मुस्लिम पर्सनल बोर्ड ने भी याचिकाओं का विरोध किया हैं।

जो याचिकायें सुप्रीम कोर्ट में पेश हुई हैं उनमें मुख्य तर्क यह है कि उक्त अधिनियम 1991 न्यायिक समीसक्षा को रोकता है। धारा 4 न्यायालयों को विशेष मामले में निर्णय लेने से रोकती है। यह भी तर्क है और प्ली उठाई है कि चूंकि न्यायिक समीक्षा की शक्ति संविधान के मूल ढ्ढाँचे का एक भाग है और उसे खण्डित नहीं किया जा सकता अत: अधिनियम वैध नहीं है। उक्त अधिनियम धर्म निरपेक्षता के सिद्धान्त का भी उल्लंघन करता है। याचिका में एक्ट की वैधानिकता को इस आधार पर चुनौती दी है कि अधिनियम (एक्ट) एक धार्मिक समुदाय को वरीयता देता है। इस प्रकार संविधान के अनुच्छेद 14 व 15 का भी अतिरेक करता है। आर्टिकल 14 व 15 के तहत् समानता और भेदभाव के अधिकारों का उल्लंघन करता है। अनुच्छेद 21 के तहत् भी इसे चुनौती दी गई है, जिसका संबंध जीने के अधिकार से है। जैसा ऊपर कहा है कि अधिनियम अनुच्छेद 25, 26 व 29 के तहत् दिये गये धार्मिक स्वतंत्रता के मूल अधिकारों का भी उल्लंघन करता है।

एक याचिका में तर्क है कि चूंकि देवता शाश्वत होते हैं और मंदिर नष्ट करने के बाद भी मंदिर है, अत: मंदिर का स्वामित्व नष्ट नहीं होता।

वर्तमान में सर्वे से यह ज्ञात हुआ है कि हजारों मंदिरों को तोड़कर उनके स्थान पर मस्जिद का निर्माण हुआ है। हिन्दुओं में जागृति आई है और वे तोड़े गये मंदिरों के स्थान पर पुन: मंदिरों को रेस्टोर (पुन: स्थापित) करना चाहते हैं। देश की अदालतों मंदिर/मस्जिद के विवादों से घिर जावेंगी और देश की संस्कृति और उसकी गंगा-जमुनी संस्कृति को भारी आघात होगा। सदभाव और भ्रात्व भाव में भारी तनाव पैदा होगा। अत: जो मुकदमें चल रहे हैं उनमें ऐसा निर्णय होना चाहिये जो राष्ट्रहित में हो। देश की एकता व अखण्डता अक्षुण्ण रहे। कुछ लोगों ने सलाह दी है कि हमें आपसी सदभाव से इन विवादों का हल निकालना होगा। यों तो मंदिर मंदिर में भेद नहीं हो सकता; किन्तु फिर भी भेद है और यह भी आस्था का प्रश्न है। मथुरा, काशी, संभल आदि कई स्थान के मंदिरों के विवाद आपसी सहमति से निपटाये जा सकते हैं। प्रयत्न करें कि विशिष्ट 12 मस्जिदों को अधिनियम की धारा 5 के तहत् राम जन्मभूमि के मामले की तरह अपवाद में शामिल करें और शेष सभी मंदिरों के विवादों पर अधिनियम 1991 लागू किया जावे। माननीय सुप्रीम कोर्ट ने राम जन्मभूमि के मंदिर मस्जिद के केस को बहुत ही कुशलता व राष्ट्र की एकता व अखण्डता के हेतु निर्णित किया है जिसे देश का महान इतिहास सदा याद करेगा। सर्वोच्च न्यायालय ने राम जन्मभूमि (बाबरी मस्जिद) केस में उक्त अधिनियम की विवेचना की है और उसे अपवाद किये जाने को वैध माना है।

पूजा स्थल अधिनियम 1991 की वैधता को चुनौती देने वाले तर्क सही हो सकते हैं और उस अधिनियम को असंवैधानिक करार दिया जा सकता है; किन्तु इससे राष्ट्र का अहित ही होगा, न्याय भी नहीं होगा। यदि देश के हिन्दू व मुसलमानों के मध्य कोई समझौता इस हेतु होता है तो वह चिर स्मरणीय होगा और इस घटना का इतिहास स्वर्णाक्षरों में लिखा जावेगा।

कबीर हिन्दू व मुसलमान दोनों के लिये पूज्यनीय थे। उन्होंने दोनों धर्मों के पाखण्ड पूर्ण व्यवहार पर करारी और तीखी चोट की थी। कबीर का मानना था कि हर इन्सान में ईश्वर का निवास होता है। उसे मंदिर-मस्जिद में ढूँढना सही नहीं है। ईश्वर न तो काबा में मिलेगा न काशी में बल्कि वह तो हर इन्सान में मिलेगा। कबीर ने कहा था– **''मोको कहाँ ढूँढे रे बन्दे मैं तो तेरे पास में।**
न मंदिर में न मस्जिद में, न काबा कैलाश में।।''

कबीर ने कहा था, उसे पूजा स्थल में ढूँढना व्यर्थ है वह तो हर मनुष्य में है।

हे, खुदा व ईश्वर के बन्दों कबीर के दर्शन व भारतीय संविधान तथा संस्कृति को समझो और मंदिर-मस्जिद के इस विवाद को सर्वोच्च न्यायालय की न्यायिक गरिमा की छाया में आपसी सहमति से सुलझाने में इतिहास के साक्षी बने।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था : भविष्य की झलक

राम शर्मा

हम वर्ष 2025 में प्रवेश कर चुके हैं। पिछले साल भारतीय अर्थव्यवस्था की चाल सकारात्मक रही। कई देशों में मंदी के बावजूद हमारी आर्थिक वृद्धि दर बनी रही। यूक्रेन-रूस युद्ध ने कुछ सेक्टर में महंगाई बढ़ाने का काम किया, लेकिन समग्र रूप से देखा जाए तो अर्थव्यवस्था ने संतुलित विकास किया है। अब यह देखना रोचक होगा कि भारत के लिए वर्ष 2025 कैसा रहेगा? भारत के लिए अपनी युवा जनसंख्या, डिजिटल तकनीक और मजबूत होते आधारभूत ढांचे से उम्मीद है कि यह वर्ष भी भारत के लिए उत्साहवर्धक परिणाम लेकर आएगा। हालांकि, आय असमानता, बेरोज़गारी और पर्यावरणीय स्थिरता जैसे कुछ चुनौतियों से भी पार पाना होगा।

भारत अपनी युवा जनसंख्या का लाभ उठाने में लगातार सफल हो रहा है। भारत की औसत आयु अपेक्षाकृत कम रहने का अनुमान है, जिससे एक बड़ा कामकाजी वर्ग उपभोग और उत्पादन को बढ़ावा देगा। 2025 तक भारत की श्रमशक्ति दुनिया में सबसे बड़ी हो सकती है, जो श्रम उपलब्धता के मामले में उसे एक विशिष्ट लाभ देगा। हालांकि, यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारत इस जनसांख्यिकीय लाभ को कौशल विकास, स्वास्थ्य देखभाल में सुधार और रोजगार सृजन के माध्यम से भुनाए, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इस बड़ी आबादी का एक बड़ा हिस्सा बेरोजगार न रहे।

भारत ने डिजिटल तकनीक के बुनियादी ढांचे में काफी प्रगति की है। डिजिटल इंडिया जैसी पहलों के माध्यम से लाखों लोगों तकनीक का बेहतर उपयोग करने लगे हैं। 2025 तक, यह तकनीक लगभग हर क्षेत्र में जैसे कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और वित्त में केंद्रीय भूमिका निभाएगी। सरकार की कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस), मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी तकनीकों में नवाचार को बढ़ावा देने की योजना, साथ ही साथ एक उभरते हुए स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र, आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने में मदद करेगा। फिनटेक, एडकटेक और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्र तेजी से बढ़ेंगे, जो अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान देंगे।

भारत सरकार ने कई आर्थिक सुधार लागू किए हैं, जिनका उद्देश्य एक इन्वेस्टमेंट फ्रेंडली माहौल का निर्माण करना है। 2017 में लागू किया गया गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स 2025 तक कराधान प्रणाली को और अधिक सुव्यवस्थित करने की दिशा में काम करेगा, जिससे व्यापार लागत घटेगी और अनुपालन में सुधार होगा।

भारत की शहरी जनसंख्या तेजी से बढ़ रही है, जो अवसंरचना, आवास और परिवहन के लिए मांग को बढ़ावा देगी। स्मार्ट शहरों, मेट्रो रेल प्रणालियों, नवीकरणीय ऊर्जा और ग्रामीण अवसंरचना में बड़े पैमाने पर निवेश से मजबूत आर्थिक विकास की नींव रखी जाएगी। वर्ष 2025 तक, भारत की अवसंरचना का विकास न केवल रोजगार सृजन करेगा, बल्कि उत्पादकता को भी बढ़ावा देगा, जिससे एक अधिक कुशल अर्थव्यवस्था का निर्माण होगा।

भारत का वैश्विक व्यापार में स्थान तेजी से बढ़ रहा है। देश ने विशेष रूप से आईटी सेवाओं, फार्मास्युटिकल्स और वस्त्रों के निर्यात में तेजी से वृद्धि देखी है। वर्ष 2025 तक, भारत वैश्विक निर्माण और सेवा केंद्र के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार है। प्रमुख साझेदारों जैसे अमेरिका, यूरोपीय संघ और दक्षिण-एशिया के साथ व्यापार समझौतों से भारत की आर्थिक स्थिति वैश्विक बाजार में और मजबूत होगी।

इस वर्ष भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने चुनौतियां भी कम नहीं होंगी। भारत में पर्याप्त श्रमशक्ति है, लेकिन उसे काम नहीं मिल रहा। हर हाथ को काम देना भारत के लिए इस वर्ष भी बड़ी चुनौती होगी। कामकाजी उम्र की जनसंख्या बढ़ रही है, लेकिन रोजगार बाजार उतनी तेजी से नहीं बढ़ा है। इसके अलावा, श्रम कौशल अंतर भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई श्रमिकों के पास उभरते हुए उद्योगों के लिए आवश्यक कौशल नहीं हैं। वर्ष 2025 तक, सरकार और निजी क्षेत्र को शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण में भारी निवेश करना आवश्यक होगा, ताकि एक ऐसे कार्यबल का निर्माण हो सके जो भविष्य के रोजगार के लिए तैयार हो। यदि भारत इन मुद्दों को हल नहीं करता है, तो युवा बेरोज़गारी आर्थिक वृद्धि को बाधित कर सकती है।

आर्थिक असमानता को दूर करना देश की बड़ी समस्याओं में से एक है। भारत की अर्थव्यवस्था पिछले कुछ दशकों में तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसके लाभ समान रूप से वितरित नहीं हुए हैं। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच, साथ ही विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच समृद्धि में बहुत बड़ा अंतर है। अमीर और गरीबी के बीच खाई बढ़ती जा रही है। इस वर्ष में आय असमानता को दूर करना समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक होगा। ऐसी नीतियां जो शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और वित्तीय सेवाओं तक समान पहुंच सुनिश्चित करें, असमानताओं को कम करने और यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण होंगी कि वृद्धि के लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंचें।

भारत को गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, जैसे वायु प्रदूषण, जल संकट और जलवायु परिवर्तन। देश का तेजी से औद्योगिकीकरण अक्सर उसके प्राकृतिक संसाधनों की कीमत पर हुआ है। वर्ष 2025 तक, भारत को सतत विकास पर अपने ध्यान को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाना होगा, ताकि आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित किया जा सके। इसके लिए स्वच्छ ऊर्जा, कचरा प्रबंधन और जलवायु संकट से निपटने में निवेश करना आवश्यक होगा। एक हरित अर्थव्यवस्था की ओर संक्रमण भारत की घरेलू जरूरतों और अंतर्राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं दोनों को पूरा करने के लिए आवश्यक होगा।

कृषि भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जो देश की बड़ी जनसंख्या को रोजगार प्रदान करता है। हालांकि, कृषि को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जैसे निम्न उत्पादकता, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और अपर्याप्त अवसंरचना। वर्ष 2025 तक, यह जरूरी होगा कि सरकार कृषि उत्पादकता बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीकों, बेहतर सिंचाई प्रणालियों और बाजार लिंकेज में सुधार पर ध्यान केंद्रित करे। ग्रामीण क्षेत्रों को भी बेहतर अवसंरचना, स्वास्थ्य देखभाल और ऋण सेवाओं तक पहुंच प्रदान करनी होगी, ताकि शहरी क्षेत्रों की ओर प्रवासन को रोका जा सके और संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सके।

भारत की अर्थव्यवस्था बाहरी तत्वों से प्रभावित हो सकती है, जिनमें वैश्विक आर्थिक उतार-चढ़ाव, भू-राजनीतिक तनाव और व्यापार युद्ध शामिल हैं। संरक्षणवाद, तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और कोविड महामारी के आर्थिक प्रभाव जैसे मुद्दे भारत के विकास की संभावनाओं के लिए चुनौतियां पैदा कर सकते हैं। मजबूत कूटनीतिक उपस्थिति बनाए रखना और व्यापार संबंधों में विविधता लाना भारत को वैश्विक आर्थिक संकटों से बचाने के लिए आवश्यक होगा।

वर्ष 2025 भारत के लिए नए अवसर भी लेकर आएगा। भारत सरकार द्वारा उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (इ्ध) योजना जैसी पहलों पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जिससे 2025 तक भारत वैश्विक कंपनियों के लिए आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने का एक आकर्षक गंतव्य बन सकता है। भारत को चीन से निर्माण स्थानांतरण से लाभ हो सकता है, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स, वस्त्रों और ऑटोमोबाइल जैसे उद्योगों में नए अवसर उत्पन्न होंगे।

वर्ष 2025 में भारत का मध्यम वर्ग महत्वपूर्ण रूप से बढ़ने की संभावना है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में वस्त्रों, उपभोक्ता सामान, ऑटोमोबाइल और स्वास्थ्य देखभाल जैसी वस्तुओं और सेवाओं की मांग बढ़ेगी। यह बढ़ता उपभोक्ता वर्ग घरेलू उपभोग को बढ़ावा देगा, जो जीडीपी वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान करेगा। मध्यम वर्ग बेहतर शासन, बेहतर सेवाओं और जीवन की गुणवत्ता में सुधार की मांग करेगा, जो सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में निवेश को बढ़ावा देगा।

भारत का अनुकूल निवेश माहौल, बढ़ता घरेलू बाजार और कुशल श्रमिकों का विशाल पूल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को आकर्षित करना जारी रखेगा। 2025 तक, भारत विदेशी निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य बनने की संभावना है। सरकार के नियमों में सुधार, व्यापार करने में आसानी और अवसंरचना में सुधार से विदेशी पूंजी का प्रवाह बढ़ेगा, जिससे आर्थिक वृद्धि को और बढ़ावा मिलेगा।

निष्कर्षत: हम कह सकते हैं कि वर्ष 2025 में भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत वृद्धि का सामना करेगी, जो जनसांख्यिकीय लाभ, प्रौद्योगिकी नवाचार और रणनीतिक नीति सुधारों से प्रेरित होगी। हालांकि, बेरोज़गारी, आय असमानता, पर्यावरणीय स्थिरता और भू-राजनीतिक जोखिम जैसी चुनौतियों का समाधान करना आवश्यक होगा। इन मुद्दों को प्रभावी ढंग से हल करने के लिए भारत अपने वैश्विक आर्थिक रुतबे को और मजबूत कर सकता है और अपने नागरिकों के लिए समावेशी और सतत वृद्धि सुनिश्चित कर सकता है। आने वाले वर्षों में भारत का भविष्य निर्णायक रूप से आकार लिया जाएगा और सही नीतियों और रणनीतियों के साथ यह देश अपनी आर्थिक संभावनाओं को हासिल कर सकता है और वैश्विक समृद्धि में योगदान कर सकता है।

–राम शर्मा, वरिष्ठ पत्रकार

भारत-पाक सीमा पर बी.एस.एफ. ने ''ऑपरेशन सर्द हवा'' शुरू किया

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान से सटी करीब 1000 किलोमीटर लंबी भारत-पाक सीमा पर ऑपरेशन अलर्ट (सर्द हवा) शुरू हो गया है। खुफिया एजेंसियों ने आशंका जाहिर की है कि 26 जनवरी को देखते हुए सीमा पार से आतंकी घुसपैठ कर सकते हैं। इसे देखते हुए बॉर्डर पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

ऑपरेशन अलर्ट के तहत सेक्टर मुख्यालय से भी जवानों को सीमा पर तैनात किया गया है सभी बटालियन के अधिकारी भी सीमा पर पहुंच गए हैं। हर 500 मीटर पर जवान तैनात किए गए हैं। ओपी टावर पर दो-दो जवान तैनात किए गए हैं। एक सप्ताह चलने वाले इस ऑपरेशन के दौरान गांवों सीमाएं भी सील रहेंगी। गांवों में नाके लगाए जाएंगे। हर गाड़ी को चेक किया जाएगा। होटलों की नियमित चेकिंग होगी। बाहरी वाहन और लोगों पर विशेष नजर रहेगी। इस कड़ाके की ठंड में जब जनता रजाइयों में दुबकी रहती है बीएसएफ के जवान बॉर्डर की सुरक्षा करते हैं। ड्रोन से हथियारों और मादक पदार्थों की तस्करी रोकना बीएसएफ के लिए चुनौती बनी हुई है। पिछले दिनों अनूपगढ़ क्षेत्र में पाक तस्करों ने ड्रोन से हथियार गिराए गए थे। उसके बाद से ही बीएसएफ बॉर्डर पर हाई अलर्ट मोड पर है। खुफिया एजेंसियों को आशंका है कि 26 जनवरी पर विध्वंस फैलाने के उद्देश्य से आतंकी घुसपैठ कर सकते हैं या भारी मात्रा में हथियार और मादक पदार्थ भेज सकते हैं। इसे देखते हुए बॉर्डर पर चप्पे-चप्पे पर निगरानी की जा रही है। बॉर्डर पर सीसीटीवी कैमरे लगने के बाद चौकसी और भी आसान हो गई है। हर बीओपी पर कंट्रोल रूम से तारबंदी पार पाकिस्तान में 500 मीटर तक नजर रखी जा रही है। सीमा पार पाक रेंजर्स की हरकत दिखाई देने पर कंट्रोल रूम से तत्काल कमांडेंट और अन्य अधिकारियों तक मैसेज जाता है।

ड्रोन से हीरोइन और हथियार तस्करी को रोकने के लिए व्हीकल माउंटेड एंटी ड्रोन सिस्टम को भी अलर्ट कर दिया गया है। इसके लिए दो तरह के वाहन तैयार किए गए हैं जिन पर एंटी ड्रोन सिस्टम लगाया गया है। इन दोनों गाड़ियों पर करीब 10 जवान हथियारों से लैस होकर सीमा चौकी से 10 किलोमीटर तक के दायरे में 24 घंटे रेकी करेंगे। पाकिस्तानी ड्रोन भारतीय सीमा में 6 किलोमीटर तक उड़ान भरकर हथियार और मादक पदार्थ गिरा कर चले जाते हैं। बॉर्डर पर ऑपरेशन अलर्ट को देखते हुए बीएसएफ ने सीमावर्ती गांव में भी सर्विलांस सिस्टम को एक्टिवेट कर दिया है। ग्राम रक्षक समितियों को भी अलर्ट किया गया है। ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि संदिग्ध दिखाई देने वाले किसी भी व्यक्ति या वस्तु के बारे में तत्काल पुलिस थाना या बीएसएफ चौकी पर सूचना दें।

लिव-इन में रहने वाली महिला को पति से गुजारा भत्ता नहीं मिलेगा, याचिका खारिज

जोधपुर, (कासं)। लिव-इन रिलेशनशिप में रहने वाली शादीशुदा महिला को उसके पति से गुजारा भत्ता नहीं मिलेगा। जोधपुर फैमिली कोर्ट ने एक मामले में सुनवाई करते हुए ये फैसला सुनाया है।

जानकारी के अनुसार सूंथला निवासी एक महिला ने पारिवारिक कोर्ट में घरेलू हिंसा का परिवाद पेश किया था। महिला ने कहा था कि वह लंबे समय से पति से अलग रह रही है। नागौर के कुचेरा निवासी उसके पति का बिजनेस है। उसकी हर महीने की इनकम करीब सवा लाख रुपए है, इसलिए उसे तीस हजार रुपए मासिक भरण-पोषण दिलाया जाए।

महिला के पति के वकील ने कहा कि महिला ने खुद दौसा एसपी को उसका खर्च संबंधित व्यक्ति के द्वारा उठाने की जानकारी दी थी। पुलिस

■ जोधपुर फैमिली कोर्ट ने खारिज की महिला की याचिका

जांच में महिला का राजकुमार नामक व्यक्ति के साथ रिलेशनशिप में रहना पाया है। खुद महिला ने भी संबंधित कोर्ट में हुए बयानों में भी लिव-इन रिलेशनशिप को स्वीकार किया। उसका खर्च राजकुमार उठा रहा है।

वहीं पति से भरण-पोषण की मांग करते हुए दायर परिवाद में महिला ने कहा कि वह कोई काम नहीं जानती। वह पीहर पक्ष पर आश्रित है और पीहर पक्ष की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। पीहर पक्ष लंबे समय तक उसका भरण-पोषण करने में सक्षम नहीं है, इसलिए वह उन पर ज्यादा दिनों तक बोझ नहीं बने रहना चाहती है, इसलिए उसे भरण-पोषण दिलाया जाए।

सुनवाई करते हुए पारिवारिक कोर्ट संख्या-3 के पीठासीन अधिकारी दलपत सिंह राजपुरोहित ने महिला की मांग को खारिज कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि इस केस में दूसरे व्यक्ति की ओर से महिला का खर्चा उठाए जाने के साक्ष्य मौजूद हैं। ऐसे में महिला को पहले पति से भरण-पोषण पाने का अधिकार नहीं है।

राशिफल शुक्रवार 24 जनवरी, 2025

पंडित अनिल शर्मा

माघ मास, कृष्ण पक्ष, दशमी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, अनुराधा नक्षत्र शनिवार प्रात: 5:08 तक, वृद्धि योग शुक्रवार प्रात: 5:08 तक, विष्टि करण सायं 7:26 तक, चन्द्रमा आज वृश्चिक राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मकर, चन्द्रमा-वृश्चिक, मंगल-मिथुन, बुध-धनु, गुरू-वृष, शुक्र-कुम्भ, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सम्पूर्ण दिन-रात रहेगा। भद्रा सायं 7:26 तक है। बुध मकर राशि में सायं 7:39 पर प्रवेश करेगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 8:39 तक, लाभ-अमृत 8:39 से 11:19 तक, शुभ 12:39 से 1:59 तक, चर 4:38 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 7:20, सूर्यास्त 5:58

मेष

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। परिवार में आपसी वाद-विवाद बढ़ सकते हैं। परिवार में स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

सिंह

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। स्वास्थ्य संबंधित मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी।

धनु

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। मन में असंतोष बना रहेगा। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

वृष

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

मिथुन

अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों का निपटारा हो सकता है। स्वास्थ्य में सुधार होगा।

तुला

आर्थिक कारणों से अटके हुए व्यावसायिक कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी।

कुंभ

व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

कर्क

परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है। आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। खान-पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है।

वृश्चिक

व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आर्थिक मामलों में परिचितों से सहयोग मिल सकता है।

मीन

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी।

डोटासरा झूठ का ढोल है, जिसे कोई भी बजा जाता है : सुरेश सिंह रावत

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा है कि कांग्रेस को राम के नाम से ही चिढ़ है। राजस्थान और मध्यप्रदेश के मध्य नदी जोड़ो परियोजना में राजस्थान के शब्द से "रा" और मध्यप्रदेश के शब्द से "म" लिया गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा राजस्थान की 40 प्रतिशत जनसंख्या को पेयजल उपलब्ध कराने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रहे है।

रावत ने कहा कि कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा एक झूठ का ढोल है और उसे कोई भी बजा जाता है। डोटासरा ऐसे झूठ के ढोल से अपनी भद पिटा रहे हैं। उनको अपने गिरेबां में झांकना चाहिए कि पिछले कार्यकाल में उनकी अतिवादी मानसिकता की वजह से आज कांग्रेस की दुर्दशा हुई है और उपचुनाव में भी जनता ने करारी चोट दी है। मंत्री ने कहा कि राम जल सेतु लिंक परियोजना से 17 जिलों को वर्ष 2054 तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध होगा। इस परियोजना में 522 एमसीएम पुनर्चक्रित जल सहित कुल 4.102 मिलियन क्यूबिक मीटर जल उपलब्ध हो सकेगा। उन्होंने कहा कि एमओए होने से कालीसिंध का 50 प्रतिशत निर्भरता पर जल मिलेगा। यह दिखाता है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा साफ है कि पूर्वी राजस्थान की पेयजल एवं सिंचाई समस्या दूर हो।

> **'प्रदेश की जनता पहले ही कांग्रेसियों को आईना दिखा चुकी है'**

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री दिन-रात राजस्थान के विकास के लिए कार्य कर रहे है। यह कांग्रेसियों को हजम नहीं हो रहा है। क्योंकि होटलों से सरकार चलाने वाले ये लोग कभी जनता की भावना को समझ ही नहीं सकते। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 17 दिसम्बर 2024 को परियोजना के 10 हजार करोड़ कार्यों का शिलान्यास किया है। अत: कांग्रेसी झूठ की राजनीति से बाहर आए और जनता के हित में काम करें।

विगत कांग्रेस सरकार द्वारा ईआरसीपी को कोई बजट उपलब्ध नहीं कराया गया था ना ही कोई नये कार्य प्रारम्भ किये गये। प्रधानमंत्री के प्रयासों से इस परियोजना को मूर्त रूप दिया गया है।

हाईकोर्ट को मिले तीन नए न्यायाधीश, नियुक्ति वारंट जारी

प्रमिल कुमार माथुर

चंद्र प्रकाश श्रीमाली

चंद्र शेखर शर्मा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट को तीन नए न्यायाधीश मिल गए हैं। सुप्रीम कोर्ट की ओर से भेजी सिफारिश को मंजूर करते हुए राष्ट्रपति की ओर से न्यायिक अधिकारी कोटे के चंद्रशेखर शर्मा, प्रमिल कुमार माथुर और चन्द्र प्रकाश श्रीमाली के नियुक्ति वारंट जारी किए हैं। तीनों न्यायाधीशों को जल्दी ही हाईकोर्ट जज के तौर पर शपथ दिलाई जाएगी।

प्रमिल कुमार माथुर वर्तमान में हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल हैं। वहीं चंद्र प्रकाश श्रीमाली जयपुर महानगर द्वितीय के जिला एवं सत्र न्यायाधीश हैं। जबकि चन्द्रशेखर शर्मा जोधपुर में डीजे पद पर कार्यरत हैं। इनके शपथ लेने के बाद हाईकोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 34 हो जाएगी। हाईकोर्ट में न्यायाधीशों के कुल 50 पद स्वीकृत हैं। गौरतलब है कि हाईकोर्ट में आज तक कभी भी पूरे 50 पदों पर नियुक्तियां नहीं हो पाई हैं।

कृषि उपज मंडियों में 7 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों को मंजूरी

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राज्य की विभिन्न कृषि उपज मंडी समितियों में आधारभूत ढांचा विकसित करने के लिए 7 करोड़ 23 लाख से अधिक की लागत के नवीन कार्यों को मंजूरी दी है। इनमें कृषि उपज मंडी समिति पीलीबंगा (हनुमानगढ़) के उप मंडी यार्ड जाखड़ावाली में नवीन निर्माण कार्यों हेतु 3 करोड़ 53 लाख रुपए, कृषि उपज मंडी जोधपुर (फ.स.) में नवीन सब्जी मंडी प्रांगण भदवासिया में पुरानी सीवर लाइन परिवर्तन एवं कार्यालय भवन के विस्तार हेतु 2 करोड़ 16 लाख रुपए एवं विद्युत संबंधी कार्यों के लिए 11 लाख 85 हजार रूपए की मंजूरी दी है। साथ ही, मुख्यमंत्री ने कृषि विपणन विभाग द्वारा निर्मित सड़कों की मरम्मत एवं रखरखाव कार्यों संबंधी प्रस्ताव को भी मंजूरी दी है।

'विश्व में लगातार बढ़ रही है भारत की प्रतिष्ठा'

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने पूर्व सीएम गहलोत और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डोटासरा द्वारा की जा रही बयानबाजी पर पलटवार करते हुए कहा कि भारत की प्रतिष्ठा विदेशों में लगातार बढ़ रही है। इतना ही नहीं, भारत की अर्थव्यवस्था में भी लगातार सुधार हो रहा है और भारत में गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के लिए अनेक योजनाओं का भी लगातार क्रियान्वयन किया जा रहा है। विश्व के 45 से अधिक देशों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को वहां के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित किया जा चुका है। इसके बावजूद कांग्रेसी नेताओं को यह नजर नहीं आ रहा है। ऐसे में गहलोत और इनके नेताओं को अपना चश्मा बदलना चाहिए। गहलोत अभी अपनी ओछी राजनीति से बाहर नहीं निकल पा रहे है, उन्हें बाहर निकलकर दूनिया देखनी चाहिए। वहीं डोटासरा जी तो लगातार बिना बॉल के फुटबॉल खेल रहे है उन्हें पता ही नहीं रहता कि वो क्या कहते है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

ईश्वर का है अनमोल उपहार
बेटी को मत समझो भार

राष्ट्रीय बालिका दिवस

24 जनवरी, 2025

श्री भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री राजस्थान

पीसीपीएनडीटी अधिनियम के तहत
गर्भस्थ शिशु का लिंग परीक्षण कानूनी अपराध है

वैधानिक चेतावनी

गर्भधारण पूर्व और प्रसव पूर्व निदान तकनीक (लिंग चयन प्रतिषेध) अधिनियम-1994 (PCPNDT) के तहत गर्भस्थ शिशु का लिंग परीक्षण/चयन करना अथवा करवाना, इसके लिए सहयोग देना व विज्ञापन करना कानूनी अपराध है। इस कृत्य के लिए 3 से 5 वर्ष तक का कारावास एवं 10 हजार से 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है।

मुखबिर योजना के तहत
3 लाख रुपये तक का इनाम
भ्रूण लिंग परीक्षण की सूचना पर

आपके क्षेत्र में कोई व्यक्ति इस कार्य में लिप्त है तो टोल फ्री नं. 104/108 या वाट्सएप नं. 9799997795 पर शिकायत दर्ज कराएं, मुखबिर की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

राजस्थान संवाद

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं, (आई.ई.सी.) राजस्थान, जयपुर

सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकराई स्लीपर बस, 21 यात्री घायल

गोवंश को बचाने के चक्कर में हुआ हादसा, पुलिस मौके पर पहुंची

■ 15 घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया, एक जयपुर रैफर

नदबई, (निसं)। आगरा-जयपुर राजमार्ग पर डहरा मोड़ के समीप गुरुवार तड़के करीब तीन बजे बेसहारा गोवंश को बचाने की जुगत में सड़क किनारे खड़े ट्रक से स्लीपर बस की भिड़ंत हो गई, जिसके चलते बस में सवार करीब 21 जने घायल हो गए।

हादसे के दौरान तेज धमाका होने व बस में सवार यात्रियों की चीख-पुकार सुनकर डहरा मोड़ चौकी पुलिस ने मौके पर पहुंची और घायलों को मशक्कत कर बस से निकाला। बाद में डहरा मोड़, नदबई, बांसी 108 एम्बूलेंस व हाइवे एम्बूलेंस से 15 घायलों को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जबकि, छह अन्य घायलों का मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया गया। उधर, स्लीपर बस को ट्रक से टकराने के बाद सड़क के बीच डिवाइडर पर चढ़ने से राजमार्ग पर वाहनों का संचालन बाधित हो गया। बाद में पुलिस ने क्रेन की सहायता से स्लीपर बस को हटाते हुए करीब आधा घण्टे बाद वाहनों का संचालन शुरु कराते हुए दोनों वाहनों को सुरक्षा की दृष्टि से कब्जे में ले लिया।

जानकारी के अनुसार धौलपुर निवासी बस चालक दयाशंकर शर्मा पुत्र बाबूलाल शर्मा व परिचालक राजा पुत्र फरीदा, बस में जयपुर से सवारी लेकर धौलपुर जा रहा। इसी दौरान डहरामोड़ के समीप सड़क पर घूम रहे गोवंश को बचाने की जुगत में बस की सड़क किनारे खड़े ट्रक से भिड़ंत हो गई, जिसके चलते चालक-परिचालक सहित बस में सवार करीब 21 जने घायल हो गए। उधर, देर रात अचानक हुए हादसे से बस में सवार यात्रियों में हड़कंप मच गया। बाद में पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों को जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। डीजल खत्म होने के चलते ट्रक सड़क किनारे खड़ा हुआ था, हालांकि, इस संदर्भ में देर शाम तक पुलिस में मामला दर्ज नहीं हुआ।

हादसे में चालक दयाशंकर शर्मा व परिचालक राजा सहित बस में सवार धौलपुर निवासी सर्वेश पत्नी केशव कुशवाह, जयवीर ठाकुर पुत्र दीनानाथ, वीकेश जाटव पुत्र रामलाल जाटव, नसीम पत्नी खलील, शाहरुख पुत्र खलील, अरुण पुत्र जगराम एवं आगरा निवासी राजू सिंह पुत्र शिवगणेश, आकाश प्रजापत पुत्र प्रेमसिंह, जलसिंह पुत्र मानसिंह, रविन्द्र पुत्र राजेन्द्र सिंह, योगेश पुत्र मांगेलाल, कुंवरपाल पुत्र जसवंत, बच्चन सिंह पुत्र अशरफी घायल हो गए। हादसे में घायल चालक को गंभीर स्थिति में जयपुर रैफर किया गया जबकि, छह अन्य घायलों का चिकित्साकर्मियों ने मौके पर ही प्राथमिक उपचार किया।

हादसे में बस के आगे का हिस्सा चकनाचूर हो गया।

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे जोधपुर पहुंची

■ राजे ने शेरगढ़ विधायक पुत्र की शादी में शिकरत की

जोधपुर, (कासं)। प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे जोधपुर पहुंची। यहां एयरपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राजे का स्वागत किया। वसुंधरा राजे विशेष तौर पर शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के पुत्र के विवाह के बाद आयोजित आशीर्वाद समारोह में शिरकत करने के लिए पहुंची है।

एयरपोर्ट पर राज्य सरकार के पूर्व मंत्री अर्जुनलाल गर्ग, शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़, जेडीए के पूर्व चेयरमैन डॉ. महेंद्र सिंह, भाजपा नेता सुनील सीरवी, नरेश सुराणा, नरेंद्र कच्छवाहा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष भोपाल सिंह बडला ने राजे की अगवानी की। वसुंधरा राजे के एयरपोर्ट से बाहर निकलने के साथ नारे लगे और फूल मालाओं के साथ दुपट्टे पहनाकर वसुंधरा राजे का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए राजे ने 144 साल बाद कुंभ के बने संयोग का जिक्र किया और अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मौनी अमावस्या राजमाता विजय राजे सिंधिया की पुण्यतिथि है। राजमाता विजय राजे सिंधिया की पुण्यतिथि के अवसर पर जब दर्शन होंगे तो उसका विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भाजपा की सरकार विकास के काम एक साल से लगातार कर रही है लेकिन राजस्थान में विपक्ष नाम की कोई चीज नहीं है।

'विपक्ष बिना मुद्दों के मुद्दे तलाश रहा है'

जोधपुर, (कासं)। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ का कहना है कि विपक्ष बिना मुद्दों के मुद्दे तलाश रहा है। उनके पास में मुद्दे नहीं है। प्रदेश की सरकार एक साल से अच्छा कार्य कर रही है। पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र सिंह राठौड़ गुरुवार को जोधपुर में शेरगढ़ विधायक बाबू सिंह राठौड़ के पुत्र की शादी में शरीक होने आए और यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

पूर्व प्रतिपक्ष नेता राठौड़ ने यह भी कहा कि स्कूलों को मर्ज नहीं किया गया है, जिन स्कूलों में शुन्यता है उन्हें नजदीक की अन्य स्कूल में अनुपातिक रूप से ठीक किया गया है। स्कूलों को समाप्त नहीं किया गया है। वहीं एक सवाल पर उन्होंने कहा कि विपक्ष मुद्दें तलाश रहा है। इसलिए वे बिना मुद्दों के बात कहते हैं। प्रदेश की सरकार एक साल से अच्छा कार्य कर रही है। मंत्रिमंडल विस्तार का कार्य मुख्यमंत्री स्वविवेक आधारित है।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा जिला राजसमन्द राजस्थान

क्रमांक : 13 दिनांक : 14.01.2025

निविदा सूचना संख्या - 11/2024-25

NIB-PWD2425A3295

नवीन सड़को एवं भवनों के निर्माण कार्य हेतु ईच्छुक संवेदको से निविदा दिनांक 29.01.2025 सायं 06:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा के सम्बन्ध में अन्य विवरण उपापन वेबसाईट (http://www.eproc.rajasthan.gov.in और http://www.sppp.rajasthan.gov.in) पर देखा जा सकता है। उपापन की कुल अनुमानित राशि 210.00 लाख रुपया है।

S.No.of Work	UBN No.	S.No.of Work	UBN No.
1	PWD2425WSOB13750	2	PWD2425WSOB13751

(भानु प्रकाश माथुर)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि. खण्ड नाथद्वारा

DIPR/C/743/2025

OFFICE OF THE PRINCIPAL, RNT MEDICAL COLLEGE & CONTROLLER ASSOCIATED GROUP OF HOSPITALS, UDAIPUR (RAJ.)

No. RNT/Pur-I/F.16/(e-Tendering Proc)/2024-25/756 Dated: 14.01.2025

Notice Inviting Bid No.18/2024-25(e-Tender)

Bids for Medical Equipments are invited from interested bidders upto Date: 27.01.2025 Time: 10.30 AM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://eproc.rajasthan.gov.in, http://sppp.raj.nic.in) of the state.
UBN- MCU2425GLOB00153, MCU2425GLOB00154, MCU2425GSOB00155, MCU2425GSOB00156, MCU2425GLOB00157, MCU2425GLOB00158, MCU2425GLOB00159

(Dr. Vicin Mathur)
PRINCIPAL & CONTROLLER

DIPR/C/789/2025

कार्यालय (वि0) नगर निगम कोटा दक्षिण (राज0)

क्रमांकः– ननिको द./वि0/2025/1131–1136 दिनांक 22.01.2025

–:: संशोधित ई–निविदा सूचना ::–

तकनीकी कारण से इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक ननिको द./वि0/2025/1121–1126 दिनांक 15.01.2025 को जारी की गई निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है –

1. निविदा अपलोड करने की तिथि : 03.02.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
2. धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त के साक्ष्य प्राप्ती तिथि : 03.02.2025 (सायं 5 बजे तक)
3. निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि : 05.02.2025 (सायं 6 बजे तक)
4. वित्तिय बिड खोलने की तिथि : तकनीकी बिड परिक्षण पश्चात्

उक्तानुसार निविदा की तिथि बढाई जाती है। शेष शर्ते यथावत् रहेगी।

अधिशाषी अभियंता (वि0)
नगर निगम कोटा दक्षिण

राज.संवाद/सी/24/10725

युवक का शव मिला

भरतपुर, (निसं)। थाना भुसावर के गांव हाथौड़ी स्थित राजशाही कुंड में युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची भुसावर थाना पुलिस ने लोगों की मदद से युवक के शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए भुसावर की मोर्चरी में रखवाया। थानाधिकारी नरेश शर्मा ने बताया कि थाना के गांव हाथौड़ी निवासी बने सिंह पुत्र लालचंद गुर्जर जो गांव के ही कुंड में नहाने गया था, डूबने से मौत होने की जानकारी प्राप्त हुई जिस पर तुरंत मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम कार्रवाई के लिए मोर्चरी पर रखवाया, जहां परिजनों की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कार्रवाई कर शव परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

रिश्वत की मांग करने व लेने के मामले में कोर्ट ने सजा सुनाई

■ पं. स. आसींद के पूर्व जेटीए व ग्राम पंचायत जगपुरा के तत्कालीन ग्रामसेवक पदेन सचिव को सजा सुनाई

भीलवाड़ा, (निसं)। विशिष्ट न्यायाधीश (एसीबी कोर्ट) पवन कुमार सिंघल ने पंचायत समिति आसींद के पूर्व जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा व ग्राम पंचायत जगपुरा के तत्कालीन ग्रामसेवक पदेन सचिव अहसान मोहम्मद को रिश्वत की मांग करने व लेने के मामले में दो-दो साल की सजा और 2525 हजार रुपये के जुर्माने से दंडित किया है।

प्रकरण के अनुसार, जगपुरा निवासी परिवादी कैलाशचंद्र मेघवंशी ने एसीबी के तत्कालीन एएसपी भीमसिंह बीका को प्रार्थना-पत्र दिया कि उसके पिता के नाम गांव में नरेगा के तहत खेत में मेड़बंदी, जैविक बाड़ व बागवानी विकास और तालाब की मिट्टी खेत में डालने के कार्य के लिए जिला परिषद से 1 लाख 77 हजार रुपये स्वीकृत हुआ था। उक्त कार्यादेश 7 फरवरी 2011 को पंचायत समिति आसींद से जारी किया जा चुका है। खेत में उक्त कार्य मस्टरोल से पूर्ण करवाया जा चुका है। परिवादी द्वारा कार्य का भुगतान करने के लिए ग्राम सचिव अहसान खान व जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा से मिला तो उन्होंने कहा कि 20 हजार रुपये रिश्वत के एवज में बिल पास करने की बात कही। इस पर परिवादी ने करीब एक वर्ष पूर्व जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा को सात हजार रुपये दिये। इस पर जेटीए ने कहा कि अभी 24 हजार का बिल बनवा रहा हूं। बाद में होगा जो बिल बना दूंगा।

परिवादी ने एसीबी को दी शिकायत में बताया कि उसने खेत पर संपूर्ण कार्य करवा दिया। इस कार्य की शेष राशि 1 लाख 77 हजार रुपये का भुगतान करने के लिए परिवादी जेटीए शर्मा से मिला तो उन्होंने बिल के भुगतान के लिए 20 हजार रुपये की रिश्वत की मांग की। कहा कि 20 हजार रुपये सचिव खान को दे देना। परिवादी ने शिकायत में बताया कि वह इन दोनों को रिश्वत नहीं देकर रिश्वत लेते हुये रंगे हाथों पकड़वाना चाहता है। परिवादी की शिकायत का एसीबी ने सत्यापन करवाया। सत्यापन होने के बाद ट्रैप का आयोजन किया। परिवादी को आरोपित के किराये के मकान पर भेजा। परिवादी का इशारा पाकर एसीबी टीम मौके पर पहुंची, जहां जेटीए शर्मा व सचिव बैठे थे। परिवादी ने एसीबी टीम को बताया कि उसके पिता गिरधारी लाल के खेत पर करवाये गये कार्य के रुपये का इंद्राज माप पुस्तिका में दर्ज कर भुगतान करवाने की एवज में उससे 10 हजार रुपये जेटीए कैलाशचंद्र शर्मा ने मांग कर अहसान मोहम्मद को दिलवाये हैं। एसीबी ने जेटीए शर्मा को खेत पर कराये गये कार्य के रुपयों का इंद्राज माप पुस्तिका में दर्ज करने व ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव अहसान को उक्त कार्य का भुगतान करवाने की एवज में 20 हजार रुपये की मांग कर 10 हजार रुपये प्राप्त कर जेटीए शर्मा को देने के आरोप में गिरफ्तार कर राशि बरामद कर ली।

एसीबी ने मामले की जांच कर लसाड़िया निवासी और पंचायत समिति आसींद के पूर्व जेटीए कैलाशचंद्र पुत्र नारायणलाल शर्मा व तेलीपाड़ा गुलाबपुरा निवासी और ग्राम पंचायत जगपुरा के तत्कालीन ग्राम सेवक पदेन सचिव अहसान मोहम्मद के खिलाफ चार्जशीट न्यायालय में पेश की।

जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड

रजि. ऑफिस.– विद्युत भवन, ज्योति नगर, जयपुर–302005
Website:http://energy.rajasthan.gov.org/jvvnl
कार्यालय मुख्य अभियन्ता (कोटा संभाग)
नयापुरा पॉवर हाऊस, खाई रोड़, कोटा– 324001 दूरभाष नं. 0744– 2320881, 2450066 ईमेलः– zcekz@jvvnl.org

ई–निविदा सूचना

ई–निविदा दो भागों में तकनीकी–वाणिज्यिक,जयपुर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के झालावाड़वृत में उपखण्ड सहायक अभियन्ता(पवस) सारोलाकलां के अन्तर्गत 132 केवी सारोलाकलां जीएसएस से स्वीकृत 33/11 केवी सब स्बेशन चंदलिया से होते हुए स्वीकृत 33/11 केवी सब स्टेशन अकावद तक28 किमी 33 केवी लाइन (परवन प्राजेक्ट के अंतर्गत) कार्य करने हेतु (टीएन 43) (2024–25) एआरसी पर योग्य निविदादाताओं से श्रम दर पर डिपोज़िट वर्क के अंतर्गत आमंत्रित किये जाते हैं। (VVN2425WSOB01043). योग्य निविदादाता सम्पूर्ण निविदा सम्बन्धित दस्तावेज ई–प्रोक्योरमेन्ट पोर्टल http://www.eproc.rajasthan.gov.in पर दिनांक 28.01.2025 से डाउनलोड कर सकते हैं। निविदाऐं ऑनलाईन ई–पोर्टल पर दिनांक 06.02.2025 को सांय 05:00 बजे तक ही स्वीकार की जावेगी। निविदा सम्बन्धी जानकारी, कार्य का विवरण इत्यादि जयपुर विद्युत वितरण निगम की वेबसाईट http://energy.rajasthan.gov.in/jvvnl, http://www.sppp.rajasthan.gov.in & **http://www.eproc.rajasthan.gov.in** से प्राप्त की जा सकती है।

जेपीआर–2945 (2025)
राज.संवाद/सी/24/10742

संभागीय मुख्य अभियंता (कोटा संभाग)
बिजली शिकायतों के लिए टोल फ्री नम्बर 1800 180 6507

राजस्थान सरकार

निदेशालय खान एवं भूविज्ञान विभाग, राजस्थान, उदयपुर

क्रमांक-निदे/अ.ख.अ.नीलामी/निलामी(ML 02)/2025/ई-09834

ई-नीलामी विज्ञप्ति

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली, 2017 के अध्याय-III के तहत निम्नांकित एम-सेण्ड तथा गेप प्लॉटो के आंवटन ई-नीलामी के माध्यम से किये जाने हेतु इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म पर बोली आमंत्रित की जाती है। संक्षिप्त विवरण इस प्रकार हैः-

जिला	तहसील	राजस्व ग्राम	खनिज	कुल प्लॉट
धौलपुर	सरमथुरा	कछपुरा	सेण्डस्टोन	6
झालावाड़	पचपहाड़	रूणजी	लाइमस्टोन (डायमेन्शनल) व मेसेनरी स्टोन	1
ब्यावर	रायपुर	सुमेल	क्वार्टज-फैल्सपार	2
बीकानेर	कोलायत	किश्नायतबुद्धान	बॉल क्ले, सिलिकासेण्ड, बजरी, कंकर व मुर्रम	2
बूंदी	तालेड़ा	धनेश्वर	सेण्डस्टोन एवं खण्डा (मेसेनरी स्टोन)	1
कोटा	चेचट	चेचट	लाईमस्टोन (डाईमेन्शनल), मेसेनरी स्टोन	2
सिरोही	सिरोही	फलवदी	ग्रेनाईट	13
चित्तौड़गढ़	भदेसर	मगरदा	चायना क्ले, मेसेनरी स्टोन (क्वार्टजाईट)	1
		भीमलोद	चाईना क्ले, क्वार्टजाइट एवं मेसेनरी स्टोन	1
		सोमावास	चायना क्ले, क्वार्टजाईट व मेसेनरी स्टोन	1
	गंगरार	अमरपुरा	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	17
भीलवाड़ा	बनेड़ा	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट	5
	माण्डल	रूपाहेली खुर्द	ग्रेनाईट, क्वार्टज फेल्सपार	1
	हमीरगढ़	दलेलसिंहजी का खेड़ा	चायना क्ले, मेसेनरी स्टोन (क्वार्टजाईट)	1
	रायपुर	नाथड़ियास	क्वार्टज फेल्सपार, माईका	1
	आसींद	ईन्द्रपुरा	ग्रेनाईट	11
			ग्रेनाईट व क्वार्टज	1
		कटार	ग्रेनाईट	10
		दौलतगढ	ग्रेनाईट	3
		जोधा का खेड़ा	ग्रेनाईट, क्वार्टज व मेसेनरी स्टोन	7
प्रतापगढ़	धरियावाद	लोहागढ़	मारबल	3
राजसमंद	राजसमंद	दोवड़	क्वार्टज फेल्सपार व ग्रेनाईट	1
	आमेट	काजीगुढा	क्वार्टज फेल्सपार, ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	2
डूंगरपुर	डूंगरपुर	दामड़ी	मेसेनरी स्टोन	3
डीडवाना-कुचामन	डीडवाना	कोलिया	मेसेनरी स्टोन	15
उदयपुर	मावली	चन्देसरा	मेसेनरी स्टोन	5
	नयागांव	महीडा	मेसेनरी स्टोन	2
डूंगरपुर	दोवडा	फलोज	मेसेनरी स्टोन	1
दौसा	सिकराय	कालवान	मेसेनरी स्टोन	1
जयपुर	दूदू	साखून	ग्रेनाईट एवं मेसेनरी स्टोन	2
	जालसू (आमेर)	दादर	मेसेनरी स्टोन	1
जोधपुर	औसिया	पाबूनगर	मेसेनरी स्टोन	27
जैसलमेर	जैसलमेर	हडडा	लाइमस्टोन (डाइमेन्सनल)	15
नागौर	मुण्डवा	पालडीव्यासा	मेसेनरी स्टोन	23
	मूण्डवा	पालडीव्यासा	मेसेनरी स्टोन	30
	रियावडी	पिपलिया	ग्रेनाईट	6
	लाडनूं	बाकलिया	मेसेनरी स्टोन	7
टोंक	मालपुरा	फूलमालियान	ग्रेनाईन	13
अजमेर	भिनाय	रामालिया	ग्रेनाईट व मेसेनरी स्टोन	13
	सावर	सावर	मारबल	2
अलवर	थानागाजी	डेरा	मेसेनरी स्टोन	2
योग				261

विशेष नोट -
1 प्लॉटों का विस्तृत विवरण, अमानत राशि, बोली प्रस्तुत करने की तिथि व समय इत्यादि का विवरण, ई-ऑक्शन की शर्ते विभागीय वेबसाइट www.mines.rajasthan.gov.in एवं इलेक्ट्रोनिक प्लेटफार्म प्रदाता कंपनी MSTC Ltd. की वेबसाइट www.mstcecommerce.com पर उपलब्ध है।

(भगवती प्रसाद) IAS निदेशक

DIPR/C/750/2025

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी युवक को दस साल की सजा सुनाई

श्रीगंगानगर, (निसं)। साढ़े तेरह साल की किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने के दोषी पाए गए युवक को 10 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई गई है। यह फैसला पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत संख्या एक के न्यायाधीश सुरेंद्र खरे ने सुनाया। दोषी पर 10 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। न्यायालय के लोक अभियोजक हरवीरसिंह बराड़ ने बताया कि यूपी के इटावा जिला के वनकटी खुर्द गांव निवासी 20 वर्षीय राहुल कुमार कोहली पुत्र श्यामसुंदर को यह सजा सुनाई गई है। यह मुकदमा जैतसर थाने में 15 नवंबर 2023 को पीड़ित किशोरी की मां ने दर्ज करवाया था। दोषी युवक किशोरी का अपहरण करके ले गया था। किशोरी को धौलपुर के राजाखेड़ा स्थित एक ईंट भट्ठा की कॉलोनी से बरामद करके लाया गया था। किशोरी ने पुलिस और मजिस्ट्रेट ब्यानों में युवक पर अपहरण करके ले जाने और बार-बार दुष्कर्म करने के आरोप दोहराए। इस पर पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया। सुनवाई में युवक के दोषी पाए जाने पर सजा सुनाई गई है।

उल्लेखनीय है कि 13 साल 6 माह की किशोरी के गायब होने के बाद पुलिस को उसकी तलाश में बहुत कोशिश करनी पड़ी। क्योंकि किशोरी के पास मोबाइल फोन नहीं था। किशोरी के परिजनों को किसी पर संदेह भी नहीं था कि उसका अपहरण किसने किया है। इस पर पुलिस ने पहले किशोरी के गांव के आसपास के एरिया में गायब युवक का पता लगाया। फिर उस युवक की तलाश शुरू की। युवक भी शातिर था। उसने भी अपना मोबाइल फोन बंद कर रखा था। उसके गांव इटावा जिले में पुलिस ने छापेमारी की, लेकिन युवक और किशोरी वहां नहीं मिले। इस पर पुलिस ने युवक के जैतसर थाना एरिया में रहते जिन-जिन बाहर के लोगों से फोन पर बातचीत की हुई थी, उन नंबरों की लोकेशन निकालकर तलाश शुरू की, तब जाकर किशोरी को मई 2024 में धौलपुर जिले से बरामद किया जा सका। जब किशोरी को बरामद कर लाया गया, तब वह सात सप्ताह की गर्भवती पाई गई थी। इस संबंध में पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल करवाकर रिपोर्ट कोर्ट में पेश की थी।

एसपीपी हरवीरसिंह बराड़ ने बताया कि यह मुकदमा जैतसर थाने में 15 नवंबर 2023 को दर्ज हुआ था। पुलिस ने किशोरी को बरामद और आरोपी को मई 2024 में गिरफ्तार किया। इसके बाद 9 जुलाई 2024 को कोर्ट में चालान पेश कर दिया। न्यायालय ने मामले की त्वरित सुनवाई करते हुए 7 माह और 13 दिन बाद फैसला सुनाया। प्रकरण में उनकी तरफ से 23 गवाह पेश किए गए। इसके साथ ही 42 दस्तावेजी साक्ष्य भी पेश किए गए। एसपीपी बराड़ ने बताया कि दोषी ठहराया गया युवक किशोरी को भगाकर ले जाने के दौरान 19 साल का था। वह किशोरी के गांव के निकट ईंट भट्टे पर काम करता था, किशोरी के गांव में मकान किराए पर लेकर रहता था। किशोरी का अपहरण करके व उसे फिरोजाबाद लेकर गया। वहां काफी समय रहने के बाद धौलपुर ले आया। आरोपी गिरफ्तारी के बाद से न्यायिक अभिरक्षा में था। दोषी पर लगाया गया जुर्माना और प्रतिकर योजना के तहत परिलाभ किशोरी को दिलवाया जाएगा।

जर्जर हो चुके छह दुकानों के छज्जे गिरे, एक घायल

अजमेर, (कासं)। अजमेर के केसरगंज में गुरुवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब गोल चक्कर स्थित दयानंद मार्केट में बनी 6 दुकानों के छज्जे भरभराकर गिर गए। हादसे में हलवाई की दुकान पर काम करने वाला एक मजदूर घायल हो गया। मामले की सूचना मिलते ही स्थानीय पार्षद, नगर निगम की टीम व पुलिस मौके पर पहुंची।

जानकारी के अनुसार केसरगंज स्थित दयानंद मार्केट गोल चक्कर की छह दुकानों के छज्जे गुरुवार सुबह 6:30 से 7 बजे के बीच धराशाही हो गए। गनीमत यह रही उस समय इन दुकानों के बाहर किसी प्रकार की आवाजाही या भीड़ नहीं थी, जिसके कारण बड़ी जनहानि होने से टल गई हालांकि एक मिठाई वाले की दुकान पर काम करने वाला मजदूर लड़का मामूली रूप से चोटिल हुआ है, जिसे जवाहरलाल नेहरू अस्पताल पहुंचाया गया। देखते ही देखते वहां पर दुकानदारों की भीड़ लग गई तथा इलाके की पार्षद भारती श्रीवास्तव और केसरगंज पुलिस चौकी के हेड कांस्टेबल भारत सहित नगर निगम और टाटा पावर की टीम सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच गई।

नगर निगम वार्ड 16 की पार्षद भारती श्रीवास्तव ने बताया कि दयानंद मार्केट स्थित गोल चक्कर में बनी सीताराम पान वाले, गुलाब मेडिकल स्टोर, दूध डेयरी वाले, हलवाई की दुकान सहित दो अन्य दुकानों के छज्जे सुबह टूटकर गिरे हैं। पार्षद श्रीवास्तव ने कहा कि परोपकारिणी सभा इन दुकानों से किराया वसूलती है, दुकानों की रखरखाव की जिम्मेदारी भी सभा के सदस्यों की ही है, लेकिन उनके द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया गया, जिसके कारण यह हादसा घटित हुआ। घटना के समय वहां कोई व्यक्ति मौजूद नहीं होने से बड़ी जनहानि नहीं हुई, यही हादसा दोपहर के समय होता कई लोग चपेट में आते।

कपड़ों की दुकान के व्यापारी ने बताया दयानंद मार्केट गोल चक्कर आर्य समाज की संस्था परोपकारिणी सभा को दुकानों को नगर निगम द्वारा दे रखा है, जिसके कारण परोपकारिणी सभा ही इन दुकानों की देखरेख करती है और दुकानदारों से किराया वसूल करती है, लेकिन पिछले लंबे समय से परोपकारिणी सभा के सदस्यों द्वारा दुकानों के बाहर लगे छज्जे जो जर्जर अवस्था में हो चुके हैं, उनका मरम्मत नहीं कराया जा रहा था। कई बार कहा गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की जिसके चलते आज यह गंभीर हादसा घटित हो गया।

पार्षद श्रीवास्तव ने कहा कि हादसे की सूचना मिलते ही टाटा पावर और नगर निगम की टीम भी मौके पहुंची। नगर निगम के कर्मचारियों ने मलबे को साइड में करवाकर व्यवस्थाएं की। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा इन सभी दुकानों को नोटिस दिया जाएगा, जिससे कि इन दुकानों को सही करवाकर मरम्मत करवाई जा सके। इस हादसे के कारण दुकानों को काफी नुकसान हुआ है। जानकारी मिलने पर क्लॉक टावर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन खण्ड सलूम्बर
जिला सलूम्बर 313 027

क्रमांक: 2608 दिनांक : 08/01/2025

निविदा सूचना संख्या EE 02 वर्ष 2024-25
(NIB CODE-WRD2425A0413)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस कार्यालय की निविदा सूचना 02/वर्ष 2024-25 निम्नलिखित कार्यो हेतु आमन्त्रित की जाती है। जल संसाधन विभाग राजस्थान के उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं अन्य राज्य सरकार / केन्द्र सरकार के अधिकृत सगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग / डाक एवं दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में राजस्थान सरकार के "अअ" श्रेणी के समकक्ष पंजीकृत संवेदकों / सम्बन्धित विभागों से पुनरावलोकन किया हुआ हो, से उक्त कार्यो हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से सिगल कवर में राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम 2012 एवं नियम 2013 के अनुरूप निविदा आंमत्रित की जाती है। निविदा निर्धारित प्रपत्र में ई-टेण्डरिंग के माध्यम से डाउनलोड एवं अपलोड की जावेगी।

क्र. स.	कार्य का नाम	निविदा की लागत (रूपये)	धरोहर राशि (रूपये)		निविदा शुल्क (रूपये) (वर्षा ऋतु एव नहर संचालन सहित)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	Defect Liability Period
			0.50%	2%			
1	2	3	4	5	6	7	
पंचायत समिति-सलूम्बर							
1	Repair and Repairing of Taliya wala Mahuda Anicut in GP Bassi Samchot **WRD2425WSOB01467**	5555055.80	27775/-	111101/-	1000/-	12 Month	Five Year
2	Repair and Renovation of Singhawat Talai Anicut in Village Bassi Singhawat **WRD2425WSOB01469**	3056693.93	15283/-	61134/-	1000/-	12 Month	Five Year
3	Repair and Renovation of Dharod Anicut in village Dharod **WRD2425WSOB01471**	3926470.33	19632/-	78529/-	1000/-	12 Month	Five Year
4	Repair and Renovation of Pipla Vela Anicut in village Dhawdi Mangri **WRD2425WSOB01473**	3484152.48	17421/-	69683/-	1000/-	12 Month	Five Year
5	Repair and Renovation of Kadhaiya Anicut in village Dhawdi Mangri **WRD2425WSOB01475**	2829560.27	14148/-	56591/-	1000/-	12 Month	Five Year
6	Repair and Renovation of Bandli Dhawdi Anicut in village Jailawat Fala **WRD2425WSOB01477**	4395703.94	21979/-	87914/-	1000/-	12 Month	Five Year
पंचायत समिति-सराडा							
7	Repair and Renovation of Anicut 1 (Khareda Anicut) Dhantalai G.P Nimboda The, Sarada District Salumber **WRD2425WSOB01479**	2603207.00	13016/-	52064/-	1000/-	12 Month	Five Year

नियम/शर्ते एवं सामान्य जानकारी निम्नानुसार हैः-
निविदा online वेब साईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकेगी। निविदादाताओं को डिजीटल हस्ताक्षर भी इसी वेबसाईट पर रजिस्टर्ड करवाना आवश्यक है।

1. निविदा संबंधित अन्य विवरण उक्त वेबसाईट पर देखे जा सकते है।
2. निविदादाता को ई-ग्रास चालान के माध्यम से निविदा शुल्क व प्रोसेसिंग शुल्क तथा धरोहर राशि निम्नानुसार बजट मदो में जमा करवानी होगी :-
   - निविदा शुल्क राशि (रु. 500 each) : मद 0075-00-800-52-01
   - प्रोसेसिंग शुल्क (रु. 500 each) : मद 8658-00-102-(16)-02
   - धरोहर राशि (according coloum no 4&5) : मद 8443-00-108-00-00
   - Department Code : 47-Water Resources Department
   - Office Code DDO) : 834, Executive Engineer Water Resources Division Salumber
   - Rajkosh Code : 718
   - Division Account Code IRR : IIR 63
   - Treasury : Salumber
3. उपरोक्तानुसार निविदा शुल्क एवं धरोहर राशि एवं प्रोसेसिंग शुल्क का ई-ग्रास चालान अधिशाषी अभियंता जल संसाधन खण्ड सलूम्बर के नाम देय होगा।
4. निविदा प्रपत्र इलेक्ट्रोनिक फारमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर दिनांक 13.01.2025 से 03.02.2025 को सांय 6.00 तक डाउनलोड /अपलोड किये जा सकते है। इलेक्ट्रोनिक फारमेट में वेबसाईट http://eproc.rajasthan.gov.in एवं http://sppp.raj.nic.in पर प्राप्त निविदाओं को अधिशाषी अभियन्ता, जल संसाधन खण्ड, सलूम्बर के कार्यालय में दिनांक 05.02.2025 दोपहर 01:00 बजे खोली जाएगी
5. निविदा में राजस्थान लोक उपापन में पारदर्शिता अधिनियम, 2012 नियम 2013 के समस्त नियम एवं शर्तें लागू रहेगी।
6. निविदा खोलने की दिनांक से 90 दिवसों तक निविदा स्वीकृति हेतु मान्य (open) रहेगी।
7. ठेकेदार निविदा प्रस्तुत करने से पूर्व कार्यस्थल की भौगोलिक निरीक्षण एवं निर्माण से सम्बन्धित समस्त परिस्थितियों का स्वयं संज्ञान निश्चित रूप से कर लेवे।
8. किसी भी निविदा को स्वीकार करने एवं बिना कारण बताए निरस्त करने के समस्त अधिकार सक्षम अधिकारी के पास सुरक्षित है। आर.पी.डब्ल्यू.ए-100 की समस्त शर्ते लागू होगी।
9. वित्त विभाग का परिपत्र दिनांक October 22, 2021 के अनुपालना में कार्यों के निविदा प्रकरणों में बीड दर अनुमानित दर से भी अधिक कम दर प्रस्तुत की जाती है, तो सफल निविदादाताओं को अतिरिक्त कार्य संपादन प्रतिभूति राशि (Unbalance Bid Amount) इस कार्यालय में जमा करानी होगी।

अधिशाषी अभियन्ता
जल संसाधन खण्ड सलूम्बर

DIPR/C/726/2025

वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट अधिकारी के 10 से ज्यादा ठिकानों पर ए.सी.बी. की छापेमारी, करोड़ों की संपत्ति मिली

राजस्थान-उत्तरप्रदेश में छापेमारी के दौरान आरोपी संजय शर्मा की 25 बीघा जमीन, बच्चों की विदेश शिक्षा के दस्तावेज, कई भूखंड़ व मकान, दो बैंक लॉकर्स और खाते तथा कई बीमा पॉलिसियों में निवेश मिला है

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ए.सी.बी.) ने राजधानी जयपुर में तैनात वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट अधिकारी संजय शर्मा के ठिकानों पर छापेमारी की है। ए.सी.बी. टीम ने राजस्थान के अलग-अलग शहरों के साथ उत्तर प्रदेश के भी एक शहर में छापेमारी की है। गुरुवार सुबह 7 बजे से चली इस कार्रवाई में 5 से ज्यादा टीमें शामिल थी। एजेंसी के पास अधिकारी के खिलाफ भ्रष्टाचार को लेकर काफी शिकायतें पहुंची थी।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एसीबी अजमेर भागचंद मीणा ने बताया कि एआरटीओ संजय शर्मा के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति को लेकर कार्रवाई की जा रही है। विद्याधर नगर परिवहन कार्यालय में पोस्टेड शर्मा के खिलाफ कोर्ट से परमिशन ली गई थी। उनके जयपुर, भरतपुर, मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) के 10 ठिकानों पर छापेमारी की गई। ए.सी.बी. की एक टीम जयपुर के एक एस.के.जे. ज्वेलर्स के यहां भी पहुंची है।

मीणा ने बताया कि आरोपी अधिकारी के मुरादाबाद के पैतृक गांव में भी सर्च किया, यहां

आरोपी संजय शर्मा

- **संजय शर्मा जयपुर के विद्याधर नगर में वरिष्ठ ट्रांसपोर्ट अधिकारी के पद पर कार्यरत हैं। गुरूवार सुबह 7 बजे अचानक ए.सी.बी. की टीम ने इनके राजस्थान और उत्तरप्रदेश के ठिकानों पर छापेमारी की कार्रवाई को अंजाम दिया।**
- **बताया जा रहा है कि ए.सी.बी. को शिकायत मिली थी कि संजय शर्मा ने अवैध पैसे से गोल्ड भी खरीदा है। यह सोना एस.के.जे. ज्वैलर्स से खरीदा गया है, इस पर ए.सी.बी. की एक टीम ज्वैलर के वैशाली नगर स्थित शोरूम में भी पहुंची।**

उनके रिश्तेदारों और दोस्तों से भी पूछताछ की जा रही है। वहीं जयपुर में वैशाली नगर, श्याम नगर, पांच्यावाला में आरोपी अधिकारी से जुड़े दोस्तों व अन्य लोगों के यहां भी टीमें पहुंची। जानकारी के अनुसार जयपुर में कुल 8 जगह एजेंसी जांच कर रही है। एफआईआर में जिन दस्तावेजों की जानकारी दी गई है। उनके मिलने पर उसे क्रॉस वेरीफाई किया जायेगा। बैंक खातों के नंबर भी प्राप्त किए जा रहे है। इनकी पत्नी और बच्चों के नाम से 4-5 बैंक खाते मिले हैं, उनकी जांच की जा रही है। जमीनों के दस्तावेजों के जानकारी भी मिली है। पत्नी के नाम से जमीन ली हुई है।

एसीबी से मिली जानकारी के अनुसार संजय शर्मा ने अवैध पैसे से गोल्ड भी खरीदा है। यह सोना संजय शर्मा के ने एस.के.जे. ज्वेलर्स से खरीदा है। इसलिए एसीबी की एक टीम ज्वेलर्स के वैशाली नगर स्थित शोरूम में भी पहुंची है। संजय शर्मा के ठिकानों से गोल्ड में इन्वेस्टमेंट को लेकर काफी बिल व दूसरे दस्तावेज भी मिले हैं।

एसीबी ने अधिकारी के कृष्णा नगर वैशाली नगर के आवास, विद्याधर नगर ऑफिस, श्याम नगर में अधिकारी के एक रिश्तेदार के घर, कृष्णा नगर में अधिकारी के रिश्तेदार के घर, भरतपुर में अधिकारी के पैतृक आवास, पांच्यावाला में अधिकारी के पत्नी के नाम प्लांट पर, बिलारी मुरादाबाद में अधिकारी के चचेरे भाई के घर, विद्याधर नगर में अधिकारी के रिश्तेदार के घर और लक्ष्मी कॉलोनी सांगानेर में अधिकारी के नजदीकी रिश्तेदार के घर पर तलाशी ली गई।

ए.सी.बी. महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा ने बताया कि आरोपी संजय शर्मा और उसके परिवारजनों के नाम पर कृष्णा नगर में एक मकान, करणी नगर में एक प्लॉट, अलीगढ़ उत्तरप्रदेश में एक भूखंड़, चिड़िया भवन, बिललारी मुरादाबाद (यूपी) में 25 बीघा जमीन मिली है। संजय शर्मा द्वारा अपने बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए विदेश में करवाने संबंधी दस्तावेज, कई बीमा पॉलिसियां, दो बैंक लॉकर और कई बैंक खाते मिले हैं, जिनमें लाखों रु. जमा है। फिलहाल बैंक लॉकर्स और खातों को खोला जाना शेष है। एसीबी को शक है कि संजय शर्मा ने कई जगहों पर बेनामी संपत्तियों में भी निवेश कर रखा है, इसे लेकर भी जांच की जा रही है।

पुर्नग्रहण शुल्क लेकर भूखंड़ों की निर्माण अवधि बढ़ायेगी सरकार

नगरीय विकास विभाग ने आमजन के हित में जारी किए आदेश

जयपुर। नगरीय विकास विभाग अब पुर्नग्रहण शुल्क लेकर आमजन को सरकारी योजनाओं में आवंटित भूखंड़ों पर निर्माण करने की अवधि में छूट देगा। राज्य सरकार ने जनहित में यह कदम उठाया है। नगरीय विकास विभाग के इस आदेश के बाद हजारों ऐसे लोगों को फायदा मिलेगा, जिन्होंने विकास प्राधिकरण और नगरीय निकायों में सरकारी भूखंड तो आवंटित करवा लिए, लेकिन उन पर तय समय में निर्माण कार्य पूरा नहीं कर सके।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि जयपुर विकास प्राधिकरण की आवासीय योजनाओं में राजस्थान नगर सुधार न्यास (नगरीय भूमि निष्पादन) नियम 1974 के नियमों के तहत भवन निर्माण के लिए

- **इस आदेश के बाद हजारों ऐसे लोगों को फायदा मिलेगा, जिन्होंने विकास प्राधिकरण और नगरीय निकायों में सरकारी भूखंड तो आवंटित करवा लिए, लेकिन उन पर तय समय में निर्माण कार्य पूरा नहीं कर सके।**

समयावधि का निर्धारण किया गया है, इस अवधि में निर्माण नहीं करवाये जाने पर भूखण्डों का आवंटन स्वत: निरस्त हो जाता है। इस संबंध में नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा पुर्नग्रहण शुल्क लिया जाकर भूखण्डों की बहाली की शिथिलता के आदेश जारी किये जाते है।

नगरीय विकास विभाग द्वारा "प्रशासन शहरों के संग अभियान 2021" में पुर्नग्रहण शुल्क लेकर दी गई छूट 31 मार्च 2024 को खत्म हो चुकी है। पुर्नग्रहण शुल्क में छूट के आदेशों के अभाव में बहुतायत पट्टे, नाम हस्तांतरण, लीज मुक्ति प्रमाण पत्र के प्रकरण लंबित चल रहे थे। इस संबंध में जे.डी.ए. कमिश्नर ने नगरीय विकास विभाग को पुर्नग्रहण शुल्क लेकर आवंटन बहाल करने के लिए पत्र लिखा था, जिस पर राज्य सरकार ने मंजूरी दी है।

ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटियों को ब्याज और पेनल्टी में छूट

जयपुर। जयपुर विकास प्राधिकरण ने नगरीय विकास विभाग के आदेशों की अनुपालना में ट्रांसपोर्ट नगर के आवंटियों से प्रथम किश्त 31 मार्च 2025 तक जमा करवाने पर ब्याज-पैनल्टी में छूट दी है।

जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि नगरीय विकास विभाग, राजस्थान सरकार द्वारा ट्रांसपोर्ट नगर में आवंटियों को चार त्रैमासिक किस्तों में ब्याज-पैनल्टी में छूट के साथ राशि जमा करने की स्वीकृति प्रदान की गई है। यह छूट प्रथम किश्त 31 मार्च 2025 तक जमा करवाने की शर्त पर दी गई है। उल्लेखनीय है कि जयपुर में ट्रांसपोर्ट नगर के व्यापारियों द्वारा आवंटन पत्र जारी करने एवं बिना ब्याज व शास्ति की राशि जमा कराने के लिए बार-बार जेडीसी से निवेदन किया गया। इस संबंध में प्रमुख शासन सचिव, नगरीय विकास विभाग द्वारा एक माह में प्रकरण के निस्तारण करने के निर्देश दिए थे।

जयपुर में एच.एम.पी. वायरस के दो मरीज मिले

जयपुर। राजधानी जयपुर में कोविड जैसे ही एच.एम.पी. वायरस के दो पॉजिटिव मरीज मिले हैं। सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती एक महिला और एक पुरुष की जांच में इस वायरस की पुष्टि हुई है।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज की सीनियर प्रोफेसर डॉक्टर भारती मल्होत्रा ने बताया कि अस्पताल में 2 दिन पहले सैंपल जांच के लिए आए थे। इनमें एच.एम.पी. वायरस की पुष्टि हुई है। डॉक्टर भारती मल्होत्रा ने बताया कि सवाई मानसिंह अस्पताल में इस साल के पहले दो केस है। अस्पताल में भर्ती यह दोनों मरीज सांस की बीमारी से पीड़ित हैं। इसके अलावा अन्य दूसरी बीमारियों से भी ग्रसित होने के कारण पिछले दिनों एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती हुए थे। डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि इस केस के मामलों की जांच हम पिछले 12-15 साल से करते आ रहे हैं। इस वायरस की अक्टूबर से लेकर मार्च तक

- **दोनों मरीज सांस लेने में तकलीफ की समस्या के साथ कई बीमारियों से पीड़ित बताये जा रहे हैं**

प्रभाव ज्यादा रहता है। साल 2024 में अक्टूबर-नवंबर में इस वायरस के 2-2 केस आए थे। इसी तरह शुरुआती सीजन यानी जनवरी, फरवरी और मार्च में 13, 34 और 20 केस डिटेक्ट हुए थे। कुल 71 केस डिटेक्ट हुए थे।

इसी तरह साल 2023 में भी इसके 23 से ज्यादा केस जयपुर में डिटेक्ट हुए थे। डॉ. मल्होत्रा ने बताया कि साल 2012-13 में एक स्टडी की गई थी, जिसमें जयपुर समेत आसपास के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती ऐसे छोटे बच्चे (5 साल तक के) जिनमें सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी इंफेक्शन से जुड़ी समस्या थी।

गेमिंग जोन में अग्निशमन इंतजाम जांचने पहुंची ग्रेटर निगम की टीम

जयपुर। ग्रेटर निगम आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर गुरूवार को मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल और उनकी टीम ने शहर में गेमिग जोन का औचक निरीक्षण किया। टीम ने सभी जगहों पर अग्निशमन व्यवस्था देगी।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी गौत्तमलाल ने बताया कि लेट्स गेमिंग जोन इस्कान रोड मानसरोवर में संचालित प्ले जोन, पानबर्ग गेमिंग जोन पत्रकार कॉलोनी रोड मानसरोवर, जंपिग नेशन गेमिंग जोन कृष्णा सरोवर मानसरोवर में संचालित प्ले जोन में वर्तमान में अग्निशमन उपकरण कार्यशील अवस्था में पाए गए।

ट्राईटन मॉल (गैमर) झोटवाडा पुलिया के पास स्थित भवन के तृतीय फ्लोर पर संचालित गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन उपकरण सही व कार्यशील अवस्था में पाये गये। पुनो गेमिंग जोन झोटवाडा 200 फीट रोड पर संचालित गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन उपकरण (फायर पम्प) सही व कार्यशील अवस्था में नहीं मिले। वी.आर.थीम पार्क गांधी पथ वैशाली नगर जयपुर में संचालित गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन उपकरण सही व कार्यशील अवस्था में मिले। जी.टी मालवीय नगर में संचालित मस्ती गेमिग जोन, डब्ल्यू टी पी जोरेकों गेमिग जोन व मालवीय नगर जयपुर एस एल मार्ग में संचालित सेलीब्रेशन बॉय हाउस आफ प्ले

गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन यन्त्र सही व कार्यशील अवस्था में पाये गये। जगतपुरा जोन में संचालित होप होप गेमिग जोन में स्थापित अग्निशमन यन्त्र सही व कार्यशील अवस्था में पाये गये।

भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर ही करें प्लानिंग : वैभव गालरिया

जयपुर। खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर चल रहे विकास कार्यों को लेकर गुरुवार सुबह नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने आवासन भवन में समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन के विकास कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ भविष्य की आवश्यकताओं को लेकर भी गहन मंथन किया गया।

बैठक में खातीपुरा रेलवे स्टेशन के पास पार्क विकसित करने, बहुमंजिला पार्किंग स्थल बनाने, मार्केट एरिया विकसित करने तथा भविष्य में बढ़ने वाले यात्रीभार के सुगम आवागमन को लेकर प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए गए।

गालरिया ने कहा कि खातीपुरा रेलवे स्टेशन जयपुर के अहम रेलवे स्टेशनों में से एक है, इस स्टेशन पर लगातार बढ़ती यात्रियों की संख्या को ध्यान में रखते हुए अभी से प्रभावी योजना तैयार करने की आवश्यकता है, ना सिर्फ स्टेशन के अंदर बल्कि स्टेशन के बाहर भी यात्रियों का आवागमन सुगम हो इसका हमे विशेष ध्यान रखना होगा। बैठक में जेडीए आयुक्त आनंदी, आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, सचिव डॉ. अनिल पालीवाल, मुख्य अभियंता प्रथम अमित अग्रवाल, मुख्य नगर नियोजक अनिल माथुर सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

नगरीय विकास विभाग के प्रमुख शासन सचिव वैभव गालरिया ने गुरूवार को खातीपुरा रेलवे स्टेशन के विकास पर की अफसरों से चर्चा की। इस मौके पर आवासन आयुक्त डॉ. रश्मि शर्मा, जे.डी.ए. कमिश्नर आनंदी, मुख्य अभियंता अमित अग्रवाल भी मौजूद थे।

साइबर एक्सपर्ट की मदद से चार दिन बाद खुला विवाहिता की मौत का राज

सीढ़ियों से नहीं फिसली थी, बल्कि सीढ़ियों से कूदकर की थी खुदकुशी

जयपुर। शहर के नामी स्कूल की टीचर के सुसराल में सीढ़ियों से पैर फिसलकर गिरने से मौत के मामले में नया मोड आ गया है। मौत के 4 दिन बाद साइबर एक्सपर्ट से मोबाइल लॉक खुलवाने पर खुद के सुसाइड का पता चला। सुसाइड से 14 घंटे पहले टीचर ने रोते हुए चार वीडियो अपने मोबाइल में बनाए थे। श्याम नगर थाने में मृतका के पिता ने पति व ससुराल पक्ष के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने बताया कि रानी सती नगर निर्माण नगर निवासी सुरेन्द्र कुमार जैन ने दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है। आरोप है कि बेटी मुस्कान जैन (26) की दहेज हत्या के लिए प्रियांश शर्मा, ससुर निर्मल शर्मा व सास मितु शर्मा जिम्मेदार है। गत 9 नवम्बर-2022 को निर्माण नगर श्याम नगर निवासी प्रियांश शर्मा से मुस्कान की शादी हुई थी। जनवरी-2023 में

- **एसएमएस मेडिकल बोर्ड से कराया शव का पोस्टमार्टम**
- **सिर में खून के गहरे क्लोट व बॉडी पर 8 फेक्चर मिले थे**

मुस्कान व प्रियांश चंडीगढ़ में रहने लगे थे। तभी से दोनों में दहेज को लेकर अनबन शुरू होगई। परेशान होकर 6 अक्टूबर से 12 नवम्बर 2023 तक मुस्कान पीहर में रही। घर नहीं टूटे इसलिए पति प्रियांश के कहने पर वापस ससुराल चली गई। जनवरी-2024 को मानसरोवर स्थित एक प्राइवेट स्कूल में साइंस पढ़ाने लगी। गत 5 जनवरी को सुबह ससुरालवालों ने गोपालपुरा बाइपास स्थित भण्डारी हॉस्पिटल में एडमिट करवाया। मेडिकल सूचना पर आई पुलिस को बताया गया कि मुस्कान घर में दूसरी मंजिल की सीढ़ियों से फिसल गिर गई थी। हॉस्पिटल में 7 दिन तक वेंटिलेटर पर रहने के बाद 12 जनवरी को रात मुस्कान की मौत हो गई।

पिता सुरेन्द्र कुमार जैन ने बेटी मुस्कान की मौत के बाद उसके मोबाइल का लॉक एक्सपर्ट से खुलवाने को दिया। मौत के चार दिन बाद एक्सपर्ट ने मोबाइल लॉक खोलकर उन्हें दिया। मोबाइल चौक करने पर मुस्कान के सीढ़ियों से फिसलने से मौत नहीं होकर सुसाइड करने का पता चला। घर के आंगन में ही दूसरी मंजिल से मुस्कान ने छलांग लगाई थी। सुसाइड से करीब 14 घंटे पहले उसने अपने मोबाइल में चार वीडियो बनाए थे। गत 4 जनवरी को शाम मुस्कान ने पहला वीडियो बनाया था। मोबाइल में मिले चार वीडियो 23.14 मिनट, 1.23 मिनट, 45 सेकंड और 2 सेकंड का है। उसमें मुस्कान रोते हुए पति प्रियांश शर्मा, सास मितु शर्मा और ससुर निर्मल शर्मा की ओर से की गई प्रताड़ना को बता रही है। आत्महत्या के लिए भी इन तीनों को ही जिम्मेदार बताया है। मृतका के पिता ने श्याम नगर थाने में पति व सास-ससुर के खिलाफ दहेज हत्या का मामला दर्ज करवाया है। एसीपी सोड़ाला योगेश चौधरी ने बताया कि मामले में दोनों पक्षों से पूछताछ की जा रही है।

पिता का आरोप है कि उनकी बेटी मुस्कान जब 11वीं क्लास में पढ़ती थी, तब प्रियांश शर्मा भी बेटी के साथ ट्यूशन पढ़ाने आता था। साथ पढ़ने के दौरान प्रियांश ने मुस्कान को प्यार के जाल में फांस लिया। जबरन उससे शादी करने के लिए दबाव बनाया। प्रियांश के परिजनों ने कहा- आप तो हमारे बेटे की मन की बात रख ले, हमें कोई दहेज नहीं चाहिए। सहमत होने पर 19 नवम्बर 2022 को जयपुर में दोनों की शादी कर दी।

वेस्ट-टू-एनर्जी पर मंथन के लिए जुटेंगे विशेषज्ञ

जयपुर। राजधानी जयपुर में 3 से 5 मार्च तक अंतर्राष्ट्रीय समिट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें दुनियाभर के 450 से ज्यादा एक्सपर्ट हिस्सा लेंगे। इस दौरान कचरे की रिसाइकिल प्रक्रिया पर दुनियाभर की अलग-अलग तकनीक पर चिंतन और मंथन किया जाएगा।

समिट में दुनियाभर से जयपुर पहुंचे एक्सपर्ट नगर निगम हेरिटेज द्वारा किए गए कचरा संग्रहण और निस्तारण की प्रक्रिया को भी समझेंगे। जिसकी तैयारियों का जायजा लेने के लिए गुरुवार को प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव जयपुर हैरिटेज निगम के लांगड़ियावास प्लांट पर पहुंचे। दरअसल, आवासन व शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा मार्च में एशिया पेसिफिक उच्च स्तरीय 12वीं क्षेत्रीय और सर्कुलर अर्थव्यवस्था फोरम जयपुर में आयोजित होगी। जिसमें दुनियाभर में कचरे के निस्तारण व उसके रिसाइकिल को लेकर 450 से ज्यादा एक्सपर्ट चर्चा करेंगे। प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव और डीएलबी के मुख्य अभियंता प्रदीप गर्ग ने नगर निगम हैरिटेज द्वारा किए जा रहे कचरे के निस्तारण और रिसाइकिल पर प्रोजेक्ट का निरीक्षण किया।

सार-समाचार

सड़क सुरक्षा सप्ताह का समापन

जयपुर। भारत सरकार के नेहरू युवा केंद्र संगठन की और से आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का समापन समारोह जगतपुरा स्थित पूर्णिमा यूनिवर्सिटी, जयपुर में संपन्न हुआ। समापन समारोह में मुख्य अतिथि, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रानु शर्मा ने सड़क सुरक्षा के महत्व परप्रकाश डालते हुए कहा, सड़क दुर्घटनाओं से बचने के लिए यातायात नियमों का पालन करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। जागरूकता ही इस समस्या का सबसे बड़ा समाधान है। नेहरू युवा केंद्र संगठन के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. भुवनेश जैन ने युवाओं को सड़क सुरक्षा के महत्व और अपने जीवन को सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक कदम उठाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा, युवाओं में सही आदतें और जिम्मेदारी की भावना ही सड़क दुर्घटनाओं में कमी ला सकती है। उन्होंने बताया सप्ताह के दौरान, जयपुर शहर में विभिन्न रैलियों, वर्कशॉप्स और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इन कार्यक्रमों में हजारों युवाओं ने भाग लेकर शहर के प्रमुख स्थलों पर यातायात को नियंत्रित करने और नागरिकों को ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूक करने में सहायता की। कार्यक्रम का समापन प्रोफ़ेसर मोनिका खत्री, विभागाध्यक्ष, बीबीए विभाग, डॉ. मनोज गुप्ता, प्रो-उपकुलपति और डॉ. चांदनी कृपलानी, प्रो-उपकुलपति, द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। उन्होंने सभी प्रतिभागियों और आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया और सड़क सुरक्षा को जन आंदोलन बनाने के लिए सभी को प्रेरित किया।

किन्नर पर हमला करने वाला गिरफ्तार

जयपुर। तुंगा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए किन्नर के साथ जानलेवा हमला करने के मामले में मुख्य आरोपित मुस्कान उर्फ चमन किन्नर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। गिरफ्तार आरोपित मुस्कान उर्फ चमन किन्नर ने एरिया के विवाद को लेकर सुपारी देकर वारदात करवाई थी। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्वनी गौतम ने बताया कि तुंगा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 23 अक्टूबर 2024 को सिमरन बाई किन्नर निवासी तुंगा पर जानलेवा हमले के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपित मुस्कान उर्फ चमन किन्नर निवासी जयसिंह पुरा खोर जयपुर को गिरफ्तार किया है। इस मामले में पूर्व में पुलिस दो आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पीड़ित सिमरन बाई और मुस्कान के बीच बधाई को लेकर एरिया विवाद था। दोनों के बीच फरवरी 2024 में एरिया को लेकर विवाद हो गया। इस पर मुस्कान ने सिमरन के हाथ-पैर तोड़ने की साजिश रची और सुपारी देकर आदमी भेज कर वारदात को अंजाम दिलवाया।

ऑनलाइन स्मैक पहुंचाने वाला दबोचा

जयपुर। मालवीय नगर थाना पुलिस और जिला स्पेशल टीम जयपुर पूर्व (डीएसटी) ने ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत कार्रवाई करते हुए ऑनलाइन फोन पर अवैध मादक पदार्थ स्मैक की तस्करी करने वाले एक बदमाश को पकडा है और उसके पास से 4.95 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया और मोबाइल जब्त किया है। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व तेजस्विनी गौतम ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत मालवीय नगर थाना पुलिस और डीएसटी पूर्व ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले शातिर तस्कर अरविंद कुमार निवासी मंडावा जिला झुंझुनू हाल मुहाना जयपुर को गिरफ्तार किया है और उसके पास से 4.95 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक और वारदात में प्रयुक्त एक दुपहिया और मोबाइल बरामद किया है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि आरोपित यह स्मैक बगराना से साढ़े तीन हजार रुपये प्रति ग्राम के हिसाब से लाता है और जिसकी छोटी-छोटी पुड़िया बना साढ़े तीन सौ के हिसाब से बेचता है। आरोपित स्मैक की सप्लाई फोन करने पर बताए अनुसार डिलीवरी करता है। यह काम आरोपित पिछले छह माह से करता आ रहा है। पुलिस आरोपित से अवैध मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त के बारे में पूछताछ करने में जुटी है।

पिस्तौल दिखाकर युवती से दुष्कर्म

जयपुर। मालवीय नगर थाना इलाके में परिचित युवक द्वारा पिस्तौल दिखाकर एक युवती से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। वहीं इस मामले की जांच थानाधिकारी संग्राम सिंह कर रहे हैं। पुलिस के अनुसार झालाना डूंगरी निवासी युवती ने मामला दर्ज कराया कि कुछ समय पहले उसकी मुलाकात आरोपी से हुई थी। इसके बाद दोनों आपस में बातचीत करने लगे। ज्यादातर समय साथ रहने के दौरान आरोपी से मिलना-जुलना लगा रहता था। आरोप है कि आरोपी परिचित ने अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती की। विरोध करने पर पिस्तौल दिखाकर डराया। ब्लैकमेल कर धमका कर उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। थाने में पीड़िता ने आरोपी परिचित के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कर्मचारियों पर चोरी करने का आरोप

जयपुर। वैशाली नगर थाना इलाके में एक महिला ने कर्मचारियों पर मकान से जेवरात-नगदी पार करने का आरोप लगाया है। पुलिस के अनुसार मूलत: उन्नव यूपी हाल वैशाली नगर निवासी विश्व वंदना ने मामला दर्ज करवाया कि उसके घर पर रखी अलमारी से बिना ताला तोडे किसी ने रुपए व जेवरात पार कर लिए। वह काम पर जाने से पहले हेल्पर प्रवीण को मकान की चाबी देकर जाती है। मेरे काम पर जाने के बाद ही रेणु नाम की महिला सफाई का काम करने आती है। मुझे शक है कि इन दोनों में से ही किसी ने अलमारी से जेवरात-नगदी पार कर की है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

युवक से मारपीट कर मोबाइल-पर्स छीना

जयपुर (कासं)। बजाज नगर थाना इलाके में दो बदमाश एक युवक से मारपीट कर पर्स व मोबाइल छीनकर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। पुलिस के अनुसार अनूपशहर यूपी निवासी अमित कुमार ने मामला दर्ज करवाया कि वह बाजार से अपने रूम पर जा रहा था टोंक फाटक के पास दो बदमाशों ने उसे रोका और मारपीट कर मोबाइल व पर्स छीनकर ले गए। इस पर पीडित ने थाने पहुंचकर मामला दर्ज करवाया। पुलिस ने मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगालने शुरू कर दिए है।

लूट व हत्या के मामले में पकड़े गए बदमाशों की परेड निकाली

जयपुर। विद्याधर नगर थाना इलाके में महिला से लूट और हत्या के मामले में पकड़े गए पांचों बदमाशों की गुरूवार को पुलिस ने परेड निकाली। इस दौरान बदमाश फ्रैक्चर हुए पैर से लंगड़ाते हुए चलते रहे।

थानाधिकारी राकेश ख्यालिया ने बताया कि गुरुवार को पांचों बदमाशों की परेड कराई गई। टूटे पैर पर प्लास्टर चढ़े दोनों हत्या के आरोपी लंगड़ाते हुए वारदात स्थल तक पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने सहारा देकर आरोपी लक्की और शाहरुख को रोड पर घुमाया। उनके पीछे-पीछे तीनों मास्टरमाइंड को लेकर पुलिस टीम भी पहुंची। पांचों बदमाशों से पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर तस्दीक की कार्रवाई पूरी कराई।

गौरतलब है कि 16 जनवरी को विद्याधर नगर में महिला सरोज बंसल (55) की लूट के लिए हत्या कर दी गई थी। वहीं पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लूट के लिए महिला की हत्या मामले में मास्टरमाइंड गोपाल शर्मा (45), बजरंग लाल (50), दीन मोहम्मद (47), लक्की (23) और शाहरुख अंसारी उर्फ पुलिस (24) को गिरफ्तार किया था। पुलिस से बचकर भागने की कोशिश में हत्या के आरोपी लक्की और शाहरुख अंसारी के गड्ढे में गिरने से एक-एक पैर फ्रैक्चर हो गए थे।

ARBiT it happens here...

International Snowmobile Safety Week (Jan 18th - Jan 25th, 2025)

Riding on a snowmobile is an invigorating sporting experience that allows people to enjoy and appreciate the great outdoors! International Snowmobile Safety Week draws attention to the fact that having the most amount of fun on snowmobile trails is only possible if everyone is able to stay safe. Even avid snowmobilers sometimes need to refresh their memories about the different sets of safety rules, regulations and guidelines.

राष्ट्रदूत
FRIDAY
24 January 2025
A-B

There were no sprawling crowds, no jostling for space. You could sip your *chai* while Vikram Seth casually read a poem under a *neem* tree, the rustling leaves forming an impromptu percussion section. It was a festival that felt like a well-kept secret. One attendee vividly remembers how the session with Ruskin Bond turned into an impromptu storytelling session for children, when the author spotted a group of young readers seated cross-legged on the floor.

From Chai Under Neem Trees To A Carnival...

Shailaza Singh
Published Author, Poet and a YouTuber

#JLF2025

The Jaipur Literature Festival (JLF), often dubbed as the 'greatest literary show on Earth,' has journeyed through a tapestry of transformations, since its modest inception in 2006. From the intimate courtyards of Diggi Palace to the expansive lawns of Hotel Clarks Amer, the festival's evolution mirrors the dynamic interplay between tradition and modernity.

The Humble Beginnings at Diggi Palace

In 2006, the inaugural JLF was a quaint affair, nestled within the historic Diggi Palace, a 19th-century *haveli* that exuded old-world charm. The palace's intricate architecture and verdant gardens provided a cozy backdrop for literary aficionados to engage in heartfelt discussions. Only a handful of people attended, barely 100 on the first day, but those, who were present, bore witness to an intimate cultural experiment that seemed both fragile and magical.

"I remember how Salman Rushdie's name came up in whispered conversations back then," recalls an attendee from the early years. "We were just thrilled to have William Dalrymple and Namita Gokhale host something so audacious in India."

There were no sprawling crowds, no jostling for space. You could sip your *chai* while Vikram Seth casually read a poem under a *neem* tree, the rustling leaves forming an impromptu percussion section. It was a festival that felt like a well-kept secret. One attendee vividly remembers how the session with Ruskin Bond turned into an impromptu storytelling session for children, when the author spotted a group of young readers seated cross-legged on the floor. Another early gem of an anecdote came from a session in 2007, when a then relatively unknown author gave an impassioned reading from their debut novel. Years later, that author, now a celebrated literary figure, would fondly recall the intimate gathering at Diggi, saying, "It was the kind of setting where you could see every face in the audience, and every smile or frown, as they reacted to your words."

The Crescendo of Popularity

As the years rolled on, the festival's allure grew exponentially. By 2015, JLF had expanded beyond the confines of Diggi Palace, hosting over 300 events across ten venues, including the Music Stage at Clarks Amer and special sessions at Amer Fort and Hawa Mahal. This expansion was a testament to the festival's burgeoning reputation, attracting literary stalwarts like V.S. Naipaul and Dr. A.P.J. Abdul Kalam, who drew thousands of eager listeners. One of the most unforgettable moments came in 2012, when Oprah Winfrey graced the stage. Her electrifying presence turned the festival grounds into a carnival. Crowds spilled over into the streets, vendors hawked *chai* and *samosas* with renewed gusto, and an impromptu book-signing session nearly turned into a stampede.

Another iconic moment was in 2018, when Margaret Atwood held court, discussing dystopias and feminism with an audience hanging on her every word. "The Handmaid's Tale is no longer just a warning, it's a mirror," she remarked, leaving the crowd in stunned silence. In 2016, a hilarious incident unfolded, when a stray cow wandered onto the festival grounds mid-session. As security scrambled to guide it away, the speaker, an acclaimed humourist, quipped, "Well, at least someone's here to chew the cud of our conversation!" The audience erupted in laughter, and the incident became one of the most talked-about moments that year.

In 2019, during a panel featuring Neil Gaiman, a blackout occurred just as he began to recount a spooky story. With the audience plunged into darkness, Gaiman's voice, rich and sonorous, continued to weave the tale. "It's almost as if the ghosts are listening too," he quipped, earning a round of applause once the lights returned.

Another memorable episode occurred in 2014, when a panel discussion on mythology took an unexpected turn. A playful debate between two authors about whether *Ravana* was misunderstood turned into an impromptu dramatic recitation of a scene from the *Ramayana*. "Only at JLF can you go from literary analysis to theatre in a heartbeat," one attendee quipped.

> There's no shortage of stories from the festival's rich history. In 2010, Gulzar and Javed Akhtar shared the stage for a session on Urdu poetry that had the audience erupting in spontaneous applause. "It was less a session and more a masterclass," recalls a listener. "At one point, they started reciting verses to each other, and the synergy was magical."

A New Chapter at Hotel Clarks Amer

Fast forward to 2025, and the *18th edition of JLF* is set to unfold from January 30 to February 3 at Hotel Clarks Amer. This venue shift signifies more than just a change in location, it reflects the festival's adaptive spirit and its commitment to inclusivity. With over 600 speakers, including Nobel laureates and Booker Prize winners, the festival promises a rich tapestry of dialogues spanning literature, politics, science, and the arts.

Yet, not everyone is thrilled. For some, the transition from Diggi Palace evokes a pang of nostalgia. "Diggi had soul," laments a regular attendee. "It felt like you were stepping into a timeless world. Clarks Amer, for all its modernity, feels more corporate."

Others have noted a distinct change in atmosphere. "At Diggi, it was a literature festival, where words were the stars. At Clarks Amer, it feels more like a carnival, with the literary essence sometimes getting lost in the crowd," observed a veteran journalist. "It's glitzier and bigger now, but there's a certain intimacy that has been sacrificed."

Nostalgia vs. Necessity

For the old guard, Diggi Palace's intimate nooks and crannies were the breeding grounds for serendipitous encounters and spontaneous debates. There was a time when a sudden downpour led to an impromptu poetry reading under a makeshift canopy, with the audience huddled together, hanging on to every word. Such moments, though less frequent now, have become the stuff of *JLF legend*.

Hotel Clarks Amer, however, offers its own unique charm. The sprawling lawns and modern amenities ensure that more people can partake in the festival without the claustrophobia that often marred the Diggi experience in its later years. Additionally, the hotel's layout allows for larger crowds while maintaining the festival's essence of intellectual intimacy. However, some critics argue that the festival's scale has made it lose touch with its literary roots. "It's no longer just about books and authors, it's about selfies, social media, and celebrity appearances," remarked a literary purist. "The focus seems to have shifted from fostering meaningful dialogue to creating spectacles."

Anecdotes from the Aisles

There's no shortage of stories from the festival's rich history. In 2010, Gulzar and Javed Akhtar shared the stage for a session on Urdu poetry that had the audience erupting in spontaneous applause. "It was less a session and more a masterclass," recalls a listener. "At one point, they started reciting verses to each other, and the synergy was magical." In 2014, a cheeky audience member at a session, featuring Amish Tripathi, asked, "When will we see Shiva on the silver screen?" Without missing a beat, Ami sh responded, "Only when Bollywood stops picturing him in a leather jacket!"

Then, there was the unforgettable moment in 2017 when Stephen Fry, mid-session, paused to take a question from an 11-year-old budding writer. "If you want to be a writer," Fry advised, "fall in love with words and let them fall in love with you."

Another memorable episode came in 2019, when a heated debate on censorship spiralled into good-natured banter between two panelists. One remarked, "The only censorship I approve of is my editor's red pen, and even that's debatable!" The room erupted in laughter, diffusing what had been a tense moment. In 2021, during a discussion on storytelling, a famous actor-turned-author accidentally spilled their coffee on the mic. "Well, I've certainly spilled more tea in my book," they quipped, much to the audience's amusement. And who can forget the 2020 session when a first-time novelist, overwhelmed by the crowd, began to cry during their reading? The audience responded with a standing ovation, turning what could have been an awkward moment into a deeply moving one.

A Festival of Literature

The Jaipur Literature Festival's story is one of constant evolution, where every new chapter brings its own set of characters, challenges, and celebrations. While some lament the loss of Diggi's intimate charm, others embrace Clarks Amer as a symbol of growth and accessibility. The festival's essence, however, remains steadfast, a celebration of words, ideas, and human connection.

In a recent press conference, Sanjoy Roy, the Managing Director of Teamwork Arts, addressed rumours about the festival's future. "Teamwork Arts will always manage JLF and isn't going anywhere, regardless of what the rumours may be," he assured. For those who have walked its pathways, whether under the neem trees or across the manicured lawns, JLF is more than a festival, it's a feeling, a story they'll carry. And for those who are yet to experience it, the stage is set, the *chai* is brewing, and the stories are waiting, ready to be lived, shared, and remembered.

rajeshsharma1049@gmail.com

#SPACE

The Remarkable Emptiness of Existence

The space between the planets had to be filled with nothing, otherwise, friction would slow the planets down.

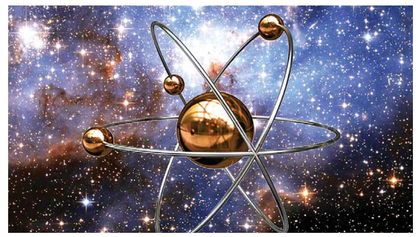

In 1654, a German scientist and politician named Otto von Guericke was supposed to be busy being the mayor of Magdeburg. But instead, he was putting on a demonstration for lords of the Holy Roman Empire. With his new-fangled invention, a vacuum pump, he sucked the air out of a copper sphere constructed of two hemispheres. He then had two teams of horses, 15 in each, who attempted to pull the hemispheres apart. To the astonishment of the royal onlookers, the horses couldn't separate the hemispheres because of the overwhelming pressure of the atmosphere around them.

Von Guericke became obsessed by the idea of a vacuum after learning about the recent and radical idea of a heliocentric universe, a cosmos with the sun at the centre and the planets whipping around it. But for this idea to work, the space between the planets had to be filled with nothing. Otherwise, friction would slow the planets down.

Existence of the Vacuum

Scientists, philosophers, and theologians across the globe had debated the existence of the vacuum for millennia, and here was von Guericke and a bunch of horses showing that it was real. But the idea of the vacuum remained uncomfortable, and only begrudgingly acknowledged. We might be able to artificially create a vacuum with enough cleverness here on Earth, but nature abhorred the idea. Scientists produced a compromise, the space of space was filled with a fifth element, an aether, a substance that did not have much in the way of manifest properties, but it most definitely wasn't nothing. But as the quantum and cosmological revolutions of the 20th century arrived, scientists never found this aether and continued to turn up empty-handed.

The more they looked, through increasingly powerful telescopes and microscopes, the more they discovered nothing. In the 1920s, astronomer Edwin Hubble discovered that the Andromeda nebula was actually the Andromeda galaxy, an island home of billions of stars, sitting a staggering 2.5 million light-years away. As far as we could tell, all those lonely light-years were filled with not much at all, just the occasional lost hydrogen atom or wandering photon. Compared to the relatively small size of galaxies themselves (our own Milky Way stretches across for a mere 100,000 light-years), the universe seemed dominated by absence.

Empty Places

At subatomic scales, scientists were also discovering atoms to be surprisingly empty places. If you were to rescale a hydrogen atom so that its nucleus was the size of a basketball, the nearest electron would sit around two miles away. With not so much as a lonely subatomic tumbleweed in between. Nothing. Absolutely nothing. Continued experiments and observations only served to confirm that at scales, both large and small, we appeared to live in an empty world. And then that nothingness cracked open. Within the emptiness that dominates the volume of an atom and the volume of the universe, physicists found something. Far from the sedate aether of yore, this 'something' is strong enough to be tearing our universe apart. The void, it turns out, is alive. In December 2022, an international team of astronomers released the results of their latest survey of galaxies, and their work has confirmed that the vacuum of space-time is wreaking havoc across the cosmos. They found that matter makes up only a minority contribution to the energy budget of the universe. Instead, most of the energy within the cosmos is contained in the vacuum, and that energy is dominating the future evolution of the universe.

Quantum Universe

Their work is the latest in a string of discoveries stretching back over two decades. In the late 1990s, two independent teams of astronomers discovered that the expansion of the universe is accelerating, meaning that our universe grows larger and larger, faster and faster every day.

The exact present-day expansion rate is still a matter of some debate among cosmologists, but the reality is clear. Something is making the universe blow up. It appears as a repulsive gravitational force, and we've named it dark energy.

The trick here is that the vacuum, first demonstrated by von Guericke all those centuries ago, is not as empty as it seems. If you were to take a box (or, following von Guericke's example, two hemispheres), and remove everything from it, including all the particles, all the light, all the everything, you would not be left with, strictly speaking, nothing. What you'd be left with is the vacuum of space-time itself, which we've learned, is an entity in its own right.

We live in a quantum universe, a universe where you can never be quite sure about anything. At the tiniest of scales, subatomic particles fizz and pop into existence, briefly experiencing the world of living before returning back from where they came, disappearing from reality before they have a chance to meaningfully interact with anything else. All this would be mathematically annoying, but otherwise unremarkable.

THE WALL

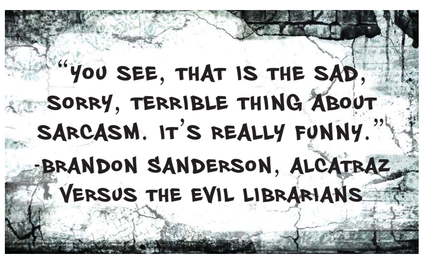

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

शिक्षित महिलाएं पूरे समाज को गौरवान्वित करती हैं : राज्यपाल बागड़े

मोदी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय लक्ष्मणगढ़ को 17वां दीक्षांत समारोह आयोजित

सीकर, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े गुरूवार को मोदी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय लक्ष्मणगढ़ के 17वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि रहे। यहां पर राज्यपाल बागड़े ने दीप प्रज्जवलित कर समारोह की शुरुआत की। समारोह में राज्यपाल बागड़े ने विश्वविद्यालय के पासआउट टॉपर विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल एवं मानद डिग्री प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।

इस दौरान राज्यपाल बागड़े ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह सपनों के पूरे होने का उत्सव है तथा यह भविष्य की नई राहों की और अग्रसर होने का भाव है। यहां से विद्यार्थी नए जीवन में प्रवेश करता है, जहां हमें राष्ट्रहित के लिए सदैव समर्पित होकर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि यहां से प्राप्त शिक्षा का उपयोग आप विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने में करेंगे ऐसा मुझे विश्वास है। राज्यपाल बागड़े ने मोदी विश्वविद्यालय द्वारा पृथक से दी जा रही बालिका शिक्षा की सराहना करते

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े दीप प्रज्जवलित कर समारोह की शुरुआत की।

- राज्यपाल बागड़े ने दीक्षांत समारोह में प्रतिभावान छात्राओं को सम्मानित किया

हुए कहा कि जिस समाज में नारी को जितना सम्मान मिलता है, वह समाज उतनी ही उन्नित करता है। उन्होंने कहा कि शिक्षित महिलाएं पूरे समाज को गौरवान्वित करती हैं।

उन्होंने कहा कि जहां नारी की पूजा होती है, वहां देवता निवास करते हैं। शिक्षित महिला एक परिवार को ही नहीं बल्कि पूरी पीढ़ी को शिक्षित करती है। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रंथ एवं वेद गणित, विज्ञान और आयुर्वेद की उपलब्धियां से भरे हुए हैं। इस दौरान उन्होंने भारत की प्राचीन नालंदा एवं तक्षिशला विश्वविद्यालय द्वारा प्राप्त शोध संबंधी उपलब्धियों की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी अपनी बौद्धिक क्षमता से आगे बढ़ता है ना की बहुत सारी डिग्रियां और सर्टिफिकेट प्राप्त कर बढ़ता है।

कार्यक्रम में राज्यपाल ने मोदी विश्वविद्यालय की प्रतिभावान छात्राओं मुस्कान तानिया, भूमिका महेन्द्र शर्मा, स्नेहा रामपुरिया, कुमकुम गुप्ता को गोल्ड मेडल व उपाधि देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व उन्होंने विश्वविद्यालय में ब्रह्मा गुप्ता, नागार्जुन, अग्नी का ध्यान, यज्ञ परिचय, यज्ञ का उद्देश्य, स्मार्तयज्ञ, प्रमुख यज्ञयी पात्र की शिलालेख का अवलोकन कर विश्वविद्यालय द्वारा किये गये इस कार्य की सराहना की।

इस दौरान मोदी विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अध्यक्ष राघवेन्द्र मोदी, प्रेसिडेंट डॉ. आशुतोष भारद्वाज, मानवाधिकार आयोग की सदस्य विजय भारती सयानी, राजीव सिंह, डीन, शिक्षक, विद्यार्थी, अभिभावक सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

सलूंबर में आबादी क्षेत्र में पैंथर घुसा

बच्ची द्वारा बनाये गये वीडियो में पैंथर छत से जाते हुए देखा गया था

सलूंबर, (निसं)। सलूंबर नगर के रिहायशी इलाके नागदा बाजार में अलसुबह एक बच्ची ने वीडियो बनाया, जिसमें पैंथर छत से जाते हुए देखा गया। यह वीडियो के वायरल होते ही क्षेत्र में हड़कंप मच गया और लोगों की भीड़ इकट्ठी हो गई। सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी दिलीप सिंह चौहान मय टीम मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया। आसपास की छतों से निरीक्षण किया और अपील की कि आमजन छत पर न जाएं

- क्षेत्रीय वन अधिकारी टीम सहित मौके पर पहुंचे और जायजा लिया

और छत के दरवाजे, खिड़कियां आदि बंद रखें। वहीं नगर परिषद सलूंबर आयुक्त गणपत लाल खटीक ने लाउड स्पीकर टेंपो को नगर में घुमवाकर आमजन को जागरूक किया।

जिला कलेक्टर सलूंबर जसमीत सिद्धू ने उदयपुर से रेस्क्यू टीम बुलवाई जो मौके पर घूम रही है। पुलिस प्रशासन द्वारा जाब्ता तैनात कर शाम पांच बजे बाद क्षेत्र के बाजार बंद कराकर बेरीकटिंग की गई। मूवमेंट क्षेत्र के पास ऊंची ऊंची इमारत पर वन विभाग की टीम तैनात की गई और रेस्क्यू टीम नीचे गलियों में गश्त लगा रही है। सुबह

पैंथर आने की सूचना पर मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

सूचना मिलते ही मौके पर जनप्रतिनिधि पर्यावरण प्रेमीराम भरोसे पुरोहित पहुंचे और वन विभाग का सहयोग किया। बाद में थाना अधिकारी, नगर भाजपा अध्यक्ष विजेश इत्यादि भी पहुंचे। वहीं देर शाम तक पैंथर को पकड़ नहीं जा सका।

झाड़ियों में मानव भ्रूण मिला

जयपुर। आमेर थाना इलाके में झाड़ियों में भ्रूण मिलने पर सनसनी फैल गई। पुलिस के अनुसार 5 घंटे पहले डिलीवरी होने के बाद थैली में बांधकर भ्रूण को फेंकना सामने आया। पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भ्रूण को एसएमएस हॉस्पिटल के मुर्दाघर में रखवाया है। पुलिस ने अज्ञात परिजनों के खिलाफ भ्रूण हत्या का मामला दर्ज किया है।

जांच अधिकारी एसआई जितेन्द्र कुमार ने बताया कि जयपुर-दिल्ली

- पुलिस ने भ्रूण को एसएमएस के मुर्दाघर में रखवाया

हाईवे पर श्मशान घाट के सामने बनी छतरी के पास झाड़ियों में मानव भ्रूण मिला है। अज्ञात परिजनों ने काली-पीली थैली में भ्रूण को बांधकर फेंक दिया। दोपहर करीब 12 बजे स्थानीय लोगों को थैली में बंधा मानव भ्रूण पड़ा मिला। भ्रूण मिलने का पता चलने पर स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। पुलिस ने सूचना पर मौके पर पहुंचकर सबूत जुटाए।

डॉक्टर्स ने पुलिस को बताया कि भ्रूण करीब 8 महीने का है। करीब 5 घंटे पहले ही डिलीवरी होने पर फेंका गया है। पुलिस वारदात स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेजों को खंगालने के साथ अज्ञात परिजनों की तलाश कर रही है।

पथ संचलन निकाला

मसूदा, (निसं.)। नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा अनुशासन के साथ कदमताल करते हुए पथ संचलन किया गया। आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय मसूदा के छात्र-छात्राओं द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पथ संचलन किया। प्रधानाचार्य बलवीर सिंह ने बताया कि पथ संचलन को पुखराज बुरड़ (प्रबन्ध सीमित मसूदा) अध्यक्ष द्वारा भगवा पताका दिखाकर किया। प्रधानाचार्य ने सभी का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया।

शाहपुरा जिला बचाओ आंदोलन जारी

बसीटा धोबी समाज के लोगों ने तहसीलदार को राज्यपाल के नाम ज्ञापन दिया।

शाहपुरा, (निसं)। जिला बचाओ संघर्ष समिति के द्वारा उपखंड कार्यालय शाहपुरा के बाहर 15वें दिन बसीटा धोबी समाज शाहपुरा एवं भारत विकास परिषद के सदस्यों ने क्रमिक अनशन धरना दिया। संघर्ष समिति के महासचिव व अभिभाषक संस्था के सहसचिव कमलेश मुण्डेतिया ने बताया कि बसीटा धोबी समाज के अध्यक्ष प्रभु आनंद बंजारा, उपाध्यक्ष छीतरलाल, कोषाध्यक्ष अजय, सह कोषाध्यक्ष भूपेंद्र, सचिव सत्यनारायण पायक, सहसचिव आनंद किशोर सोलंकी, वरिष्ठ संरक्षक दुर्गालाल पायक, गोविंद पारीक, रमेश बंजारा, राधेश्याम धोबी, महिपाल धोबी, गणेश धोबी, विकास धोबी, पूर्व सरपंच लालाराम धोबी, महिला अध्यक्ष भगवती देवी चौहान एवं भारत विकास परिषद जिला अध्यक्ष जयदेव जोशी, प्रवीण पारीक, महावीर प्रसाद दीक्षित, पदम कुमार जैन, पवन कुमार बांगड़, विष्णु दत्त शर्मा, भेरूलाल जैन, अशोक कुमार जैन, राजेंद्र मुंदड़ा, गोविंद चेचानी, नरेंद्र कुमार सहित कई गणमान्य व्यक्ति क्रमिक अनशन धरने पर बैठे जिन्हें संयोजक रामप्रसाद जाट ने माला पहनाकर स्वागत किया।

जिला बचाओ संघर्ष समिति शाहपुरा के आव्हान पर बसीटा धोबी समाज के लोगों ने बोर्डिंग हाऊस से नारेबाजी कर उपखंड कार्यालय स्थित धरना स्थल पर पहुंचे और तहसीलदार को राज्यपाल के नाम शाहपुरा जिले को समाप्त करने के विरोध में और वापस शाहपुरा को जिला बनाने की मांग ज्ञापन दिया। इस मौके पर जिला बचाओ संघर्ष समिति के सदस्य रामेश्वर सोलंकी, पीसीसी सदस्य संदीप जीनगर, अशोक भारद्वाज, रवि शंकर, उपाध्याय भगवान सिंह यादव, हाजी उस्मान मोहम्मद छिपा, सुनील मिश्रा, दीपक बैरवा, महावीर बैरवा, राजेंद्र बोहरा, राजेंद्र खटीक, छोटू नीलगर तथा अभिभाषक संस्था शाहपुरा कार्यकारिणी एवं वरिष्ठ अधिवक्ता गोविंद सिंह हाडा, त्रिलोक चंद्र नौलखा, कल्याणमल धाकड़, दिनेश चंद्र व्यास, अनिल शर्मा, नमन ओझा, सुनील शर्मा, राजेश वर्मा, शरीफ मोहम्मद, चावंड सिंह शक्तावत, आशीष पालीवाल, विवेक दाधीच, किशन, आशीष भारद्वाज, सोहेल खान, ताज मोहम्मद, गणपत बंजारा, अंकित मालू सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

जिला बचाओ संघर्ष समिति के महासचिव कमलेश मुंडेतिया ने बताया कि 24 जनवरी को क्रमिक अनशन धरने पर पूर्ववर्ती शाहपुरा जिले के ग्रामीण क्षेत्रों के लोग त्रिमूर्ति चौराहे से शांतिपूर्ण रैली से धरना स्थल पर पहुचकर क्रमिक अनशन धरना देंगे और उपखंड अधिकारी शाहपुरा को राज्यपाल के नाम शाहपुरा को वापस जिला का दर्जा दिलाने की मांग का ज्ञापन सौंपेंगे।

एजेंसी दिलाने के नाम पर 18 लाख ठगे

जयपुर। सुभाष चौक थाना इलाके में रेपिडो की एजेंसी दिलाने के नाम पर एक व्यक्ति से साइबर ठगों ने 18 लाख रुपए ठग लिए। पुलिस ने पीड़ित के बयानों के आधार पर मामला दर्ज कर जांच में जुटी है। जांच एसआई ओमवीर ने बताया कि जय धर्मशाला के पास गंगा पोल निवासी पंकज सिंह ने मामला दर्ज कराया कि उसके पास एक नम्बर से व्हाट्स कॉल आया। आरोपी ने उसे रेपिडो की एजेंसी दिलाने का वादा किया और उससे अलग-अलग शुल्क बता कर कई बार में ऑनलाइन खातों में रुपए ट्रांसफर करवा लिए। आरोपी ने कई बार में उससे 18 लाख रुपए से ज्यादा की राशि ले ली। इसके बाद भी आरोपियों ने उसे एजेंसी नहीं दिलवाई। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने पुलिस की शरण ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपियों ने पीड़ित ने ठगी की यह राशि अलग-अलग खातों में डलवाई है।

युवक से ठगी

जयपुर। अशोक नगर थाना इलाके में पार्ट टाइम जॉब के बहाने एक युवक से पांच लाख रुपए ठगने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार विक्रम ताम्बी ने मामला दर्ज करवाया कि पार्ट टाइम जॉब के बहाने आरोपियों ने ऑनलाइन एक सोशल मीडिया ऐप के माध्यम से उसे टास्क दिया गया। उससे रुपए का निवेश करवाया गया। शुरुआत में उसे कुछ राशि भी दी गई। इससे उसे लालच आ गया। आरोपियों ने उसे झांसे में लेकर कई बार में उससे 4 लाख 93 हजार रुपए का निवेश करवा लिया और फिर उसे मुनाफा और मूल राशि नहीं लौटाई।

ब्लास्टिंग से मकानों में दरारें आई

खिरोड़, (निसं)। गोठड़ा निवासी कुरडाराम ने गोठड़ा थाना अधिकारी को ज्ञापन देकर श्री सीमेंट गोठड़ा में ब्लास्टिंग कार्य रुकवाने की मांग की है। कुरड़ाराम ने गोठड़ा थाना पुलिस के थानाधिकारी को लिखित में ज्ञापन देकर बताया कि उसका मकान श्री सीमेंट कंपनी के पास स्थित है। श्री सीमेंट कंपनी में ब्लास्टिंग किए जाने पर उसके मकान में दरारें आ चुकी है, जिससे कभी भी हादसा होने का अंदेशा बना हुआ है। ब्लास्टिंग के कार्य से कुरड़ाराम के मकान के सभी कमरों में दरारें आ चुकी है, जिससे मकान गिरने की कगार पर आ चुके हैं। कुरड़ाराम एवं अन्य ग्रामीणों ने थानाधिकारी को दिए ज्ञापन में बताया गया कि श्री सीमेंट कंपनी में ब्लास्टिंग से होने वाले प्रदूषण से हाल ही में करीब आठ महीने पूर्व कुरड़ाराम की माता का देहांत भी हो चुका था। श्री सीमेंट में ब्लास्टिंग किए जाने से क्षेत्र में प्रदूषण दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है, जिससे लोगों में श्वांस रोग भी बढ़ने लगा है।

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को जालौर जिले के चितलवाना पंचायत समिति के भामाशाह द्वारा पीएमश्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय, रतनपुरा के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण वर्चुअल माध्यम से किया। भामाशाह माली मानी देवी पत्नी हरदाना रामजी की स्मृति में सोलंकी परिवार द्वारा करीब चार करोड़ रुपए की लागत से यह नया विद्यालय भवन तैयार हुआ है। शिक्षा मंत्री ने आगामी सत्र से विद्यालय को क्रमोन्नत करने की घोषणा भी की। इस मौके पर मंत्री दिलावर ने उपस्थित सम्माननीयजन, भामाशाह और विद्यार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि भामाशाह बनकर सामने आए सोलंकी परिवार बधाई एवं सम्मान के पात्र हैं, जिनकी बदौलत यह विद्यालय भवन बनकर तैयार हुआ है।

ई-मित्र संचालक के खाते में चचेरे भाई ने 11 लाख रु. जमा करवाए

चचेरे भाई ने ई-मित्र संचालक के खाते का दुरुपयोग किया

डूंगरपुर, (निसं)। डूंगरपुर में साइबर ठगी का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां एक ई-मित्र संचालक के खाते का दुरुपयोग उसके चचेरे भाई ने किया। इसके बाद ई-मित्र संचालक, उसकी मां और दोस्त का खाता फ्रीज कर दिया गया।

साइबर थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, बिलड़ी निवासी अनिल कलाल, जो एक ई-मित्र संचालक हैं, के खाते में 11 लाख रुपए की संदिग्ध राशि जमा की गई। घटना पांच जनवरी को हुई, जब अनिल के चचेरे भाई भावेश कलाल ने उनसे बैंक खाते का क्यूआर कोड मांगा, यह कहते हुए कि उसे कहीं से पैसे प्राप्त होने वाले हैं और उसका व पत्नी का खाता बंद है। अनिल ने भरोसे में आकर व्हाट्सएप पर क्यूआर कोड भेज दिया। दो दिन बाद अनिल के खाते में विभिन्न ट्रांजेक्शन से लगभग 11 लाख रुपए जमा हो गए।

साइबर थानाधिकारी गिरधारी लाल ने बताया कि कोतवाली थाना क्षेत्र के बिलड़ी निवासी अनिल कलाल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। इसमें बताया कि डूंगरपुर शहर की प्रतापनगर कॉलोनी में रहने वाले प्रदीप पुत्र राजेंद्र कलाल ने अपने साथी बिलड़ी निवासी भावेश पुत्र

- पीड़ित ई-मित्र संचालक ने मामले की शिकायत साइबर थाने में की
- ई-मित्र संचालक, उसकी मां और दोस्त का खाता फ्रीज कर दिया गया

गणपत कलाल और झौंथरी निवासी कुलदीप पुत्र हैमेंद्र कलाल के साथ मिलकर ठगी को अंजाम दिया है। ई-मित्र संचालक ने बताया कि उसका चचेरे भाई भावेश पांच जनवरी को उसके पास आकर बोला कि उसके कहीं से पैसे आने वाले हैं, लेकिन उसका और पत्नी का खाता बंद है। भावेश ने अनिल से उसके बैंक खाते का क्यूआर कोड देने को कहा।

अनिल ने व्हाट्सएप पर क्यू आर भेज दिया। दो दिन बाद बैंक खाते में अलग-अलग ट्रांजेक्शन से करीब 11 लाख रुपए जमा हो गए, जिसे नगद लेने के लिए भावेश के कहने पर झौंथरी निवासी कुलदीप आया। अनिल के पास एक ही चेक था। ऐसे में अनिल ने बैंक जाकर 4 लाख 15 हजार रुपए निकाल कर दे दिए। कुलदीप ने पूरे पैसे देने का दबाव बनाया तो अनिल ने उसकी मां और दोस्त के खाते से ऑनलाइन ट्रांसफर करके करीब 8 लाख 15 हजार रुपए कैश लाकर कुलदीप को दे दिए। साथ ही बची हुई राशि अगले दिन बैंक से निकाल कर देने की बात कही थी।

अगले दिन सुबह अनिल को बैंक से जानकारी मिली कि उसके बैंक खाते में साइबर ठगी की राशि ट्रांसफर की गई थी। इस कारण खाता फ्रीज कर दिया गया है। कुछ देर में उसे पता चला कि उसकी मां और दोस्त के बैंक खाते भी फ्रीज कर दिए गए हैं।

अनिल ने इस पर पूछताछ भावेश से की तो उसने जानकारी देने से आनाकानी की। बाद में जब अनिल ने लाखों रुपए ले जाने वाले कुलदीप से पूछा तो उसने बताया कि जो रकम अनिल ने उसे दी थी वो उसने प्रतापनगर निवासी प्रदीप कलाल के कहने पर उसकी मां बबीता को जाकर दे दी।

प्रदीप से पूछताछ की तो उसने धमकाया कि कोई शिकायत की तो उसे ठिकाने लगवा देगा। इसके बाद से तीनों ठग फरार हैं। परेशान होकर पीड़ित अनिल ने मामले की शिकायत साइबर थाने में की है। साइबर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चाकू से हमला कर लूट व बाइक चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश

दो आरोपी बापर्दा गिरफ्तार, एक बालक को निरूद्ध किया, 15 अन्य वारदातों का खुलासा

कोटा, (निसं)। कोटा ग्रामीण इलाके की कैथुन पुलिस टीम ने वारदात के पांच दिन में ही बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए लूट और बाइक चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए चोरी की 18 मोटरसाइकिल एवं 2 के बाइक के स्क्रेप बरामद किये। पुलिस ने चाकू से हमला कर लूट व बाइक चोरी के आरोप में दो आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया, साथ ही एक नाबालिग को भी पकड़ा है। पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ में अन्य 15 वारदातों का भी खुलासा किया है।

कोटा ग्रामीण एसपी ने बताया कि कैथून क्षेत्र में दो वारदात हुई जिसमें एक वारदात में चाकू से हमला कर मोटरसाइकिल छीन ली थी और दूसरी वारदात में चाकू से हमला कर मोबाइल व पर्स लूटने का मामला सामने आया। साथ ही सीमलिया थाना क्षेत्र मे भी चाकू दिखाकर मोबाइल लूट की वारदात हुई थी। कोटा ग्रामीण पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मामलों को गंभीरता से लेते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी के लिये कोटा ग्रामीण के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकल्याण मीणा के निर्देशन में सांगोद के थानाधिकारी संदीप शर्मा, कैथून थाने के

पुलिस ने लूट एवं चोरी के दो आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।।

उपनिरीक्षक सुरेश मीणा एवं साइबर सेल के भुपेन्द्र हाड़ा के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया। टीम ने घटनास्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले चिन्हित अपराधियों पर लगातार निगरानी रखी और पूछताछ की। गठित टीम ने मुखबीर से सूचना पर सूरसागर निवासी रघुवीर उर्फ लड्डू (25) एवं अंता निवासी विशाल उर्फ लापू (19) को बापर्दा गिरफ्तार कर लिया एवं एक विधि से संर्घरत बालक को निरूद्ध किया। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त एक पल्सर मोटरसाइकिल एवं लूटी गई सीडी डिलेक्स मोटरसाइकिल व मोबाइल भी बरामद किये। पकड़े गये आरोपी रघुवीर के खिलाफ सात एवं विशाल के खिलाफ दो प्रकरण पूर्व में दर्ज है।

कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि आरोपी इतने शातिर थे कि सुनसान सड़क पर अकेले जा रहे राहगीरों को निशाना बनाकर चाकू से हमला कर बाइक और मोबाइल लूट कर ले जाते थे। आरोपी सुनसान जगहों पर सड़क पर खड़ी बाइक को भी चूरा कर ले जाते थे। पकड़े गये आरोपियों से पूछताछ जारी है अन्य ओर भी वारदात खुलने की संभावना है।

कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि अरनिया निवासी मुरलीधर ने 19 जनवरी को थाना कैथून में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में फरियादी

- सुनसान सड़क पर राहगीरों को निशाना बनाते थे, चोरी हुई 18 बाइक एवं दो बाइक के स्क्रेप बरामद किए

ने कहा कि 18 जनवरी को बाइक से अपने गांव जा रहा था। तभी ताथेड़ पुलिया से आगे एक पल्सर बाइक पर तीन लड़के आये और अपनी बाइक को मेरी बाइक के आगे लगाकर रोक लिया और चाकू से हमला कर उसकी बाइक और मोबाइल छीन कर ले गये। वहीं गणेशपुरा निवासी रिषभ ने 22 जनवरी को कैथून थाने में रिपोर्ट दी थी।

रिपोर्ट में कहा था कि 18 जनवरी साईकिल से रायपुरा से अपने गांव गणेशपुरा जाते समय प्रहलादपुरा की पुलिया के समीप पल्सर पर तीन लड़के आये जिन्होंने रोका और चाकू दिखाकर पर्स और रूपये छीनकर ले गये। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू की थी और कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार कर एक बालक को निरूद्ध किया।

संक्षिप्त

छात्रों का एक्सपोजर हुआ रवाना

निवाई। टोंक जिला स्तर से विशेष आवश्यकता वालें छात्रों का दो दिवसीय एक्सपोजर विजिट रणथंभोर सवाई माधोपुर, चौथ का बरवाड व शिवाड के लिए रवाना हुआ है। प्राचार्य देवेंद्रपाल सिंह ने बताया कि उक्त एक्सपोजर विजिट में पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय निवाई का 8 सदस्यीय दल विशेष टीचर हेमराज चौधरी व रामावतार स्वामी के नेतृत्व में टोंक जिला मुख्यालय से रवाना हुआ। इस एक्सपोजर विजिट में विशेष आवश्यकता वाले छात्रों को जिले के विभिन्न ऐतिहासिक और धार्मिक स्थलों को नजदीकी से देखने और समझने का अवसर मिलेगा। उक्त दल को प्राचार्य देवेंद्रपाल सिंह ने हरी झंडी दिखा कर रवाना किया।

शिक्षक रखे आदर्श आचरण : रामकिशन

निवाई। राजस्थान शिक्षक संघ राष्ट्रीय उपशाखा निवाई द्वारा शिक्षक समाज को अपने कर्तव्यों का बोध कराने के लिए प्रदेश नेतृत्व के आ ान पर जिला कोषाध्यक्ष विमलकुमार विजय की अध्यक्षता में कर्तव्य बोध पखवाड़े का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता जिला धर्म जागरण संयोजक रामकिशन गुर्जर बहादुरपुरा ने बताया कि प्रत्येक शिक्षक को पद्धित, प्रमाणिकता एवं प्रसन्नता से कार्य करना चाहिए, प्रत्येक शिक्षक को अपना आचरण आदर्श रखना चाहिए। उपशाखा मंत्री रामनरेश विजय ने बताया कि कर्तव्य बोध पखवाड़े में पूर्व जिला मंत्री देवराजसिंह राजावत, पप्पूलाल अग्रवाल, हनुमान गुर्जर, मनोज जैन, अरविंद वैष्णव व कृष्ण शर्मा सहित कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता व शिक्षक मौजूद थे।

कार्यालय उपायुक्त, (विद्याधर जोन) नगर निगम ग्रेटर जयपुर
(अम्बाबाड़ी सामुदायिक केन्द्र, अम्बाबाड़ी सर्किल, जयपुर)
क्रमांक:- एफ.55 () वि.जोन/न.नि.ज. (ग्रे)/2024/2479 दिनांक: 23.01.25
सार्वजनिक सूचना
भूखण्ड सं. 25 श्रीरामनगर II, झोटवाड़ा, जयपुर (शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति) जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री बद्री सिंह पुत्र श्री जगनाथ सिंह के पक्ष में क्षेत्रफल 170.00 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। मूल आवंटी की मृत्यु उपरान्त पंजीकृत वसीयतनामा के आधार पर श्री नरेन्द्र सिंह व गोपी सिंह पुत्रान श्री बद्री सिंह व पंजीकृत हकत्याग पत्र के आधार पर श्रीमती नारंगी देवी पत्नी श्री प्रभु सिंह तीनों ने मिलकर संयुक्त रूप से उक्त भूखण्ड जरिये पंजीकृत विक्रय पत्र के आधार पर श्री गौरव खण्डेलवाल पुत्र श्री राजेंद्र खण्डेलवाल को बेचान कर दिया गया। श्री गौरव खण्डेलवाल पुत्र श्री राजेंद्र खण्डेलवाल ने भूखण्ड सं. 25 श्रीरामनगर II, झोटवाड़ा, जयपुर (शंकर भवन गृह निर्माण सहकारी समिति) का नाम हस्तान्तरण चाहा गया है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर दी जावेगी।
उपायुक्त, विद्याधर नगर जोन, नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

खोया पाया

मेरा Flat No. 32/A/G-3 Ashirwad Apartment प्रताप नगर जयपुर का मूल आवंटन पत्र (4653/30.6.2023) कहीं गुम हो गया है। मिलने पर सम्पर्क करें। शंकरलाल सैन-8302627923

मेरे भूखण्ड संख्या- बी-62 जे.डी.ए. की योजना पीताम्बरा योजना आगरा रोड जयपुर का जे.डी.ए. से जारी कब्जा पत्र रास्ते मै कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे:- आशा देवी बंसल मो. 9413966999

2867 हवेली ठाकुर निमोडिया के पास मोहल्ला महावतान चौ, तोपखाना हुज़ूरी के असल पुराने काग़ज़ात कही गिर गया है मिलने पर सूचित करे - मोहम्मद् उमर 9269498375

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम कमलेश बचानी से बदलकर कमलेश कुमार बचानी पुत्र श्री कन्हैयालाल बचानी कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। पताः प्लाट नं.-253, एफ-2, गिर्राजनगर, इस्कॉनरोड, मानसरोवर, जयपुर

मेने अपने बेटे का नाम अंशदेव से बदलकर अंशदेव भारद्वाज रख लिया है भविष्य में उसे इसी नाम से जाना जाये सुरेश कुमार पुत्र राम सिंह निवासी प्लॉट न 35, मीरा मार्ग, गोविन्द नगर आमेर रोड, जयपुर राजस्थान

I, Fazil S/O Yusuf born on 20/09/1994 residing at 42 Rashid Vihar Colony Manpur Sadwa Delhi Bypass Jaisinghpura Khor Jaipur, have changed my name to Fazil Khan vide affidavit dated 23/1/2025 at Jaipur

I Shital Kumar Kishor Bhai S/o Kishor bhai P Brahmbhatt , Address: near patrakar colony 64 century homes jagdish nagar mansarovar , jaipur has change my name from Shital Kumar Kishor Bhai to Shital Kumar Brahmbhatt for all future purposes.

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर निकाला पथ संचलन

सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर आयोजित संचलन में शामिल छात्र-छात्राएं।

निवाई। स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सुभाष चंद्र बोस की 128वीं जयंती हर्षोल्लास से मनाई गई। विद्या भारती संस्थान द्वारा संचालित विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने शहर में पथ संचलन निकाला।

पथ संचलन को भारतीय शिक्षा प्रचार समिति जिला सदस्य ताराचंद माहुर, प्रधानाचार्य गोविंदनारायण शर्मा व पंडित मोहनलाल शर्मा ने झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली में शामिल छात्र छात्राएं देश भक्ति से भरे नारे लगाते हुए चल रहे थे। पथ संचलन में विद्यालय के छात्रों का दल घोष बजाते हुए मधुर स्वर लहरिया निकाल रहा था। संचलन सरस्वती विद्या मंदिर से रवाना होकर महावीर कॉलोनी, पोस्ट ऑफिस, झिलाई रोड, कृषि मंडी, औद्योगिक क्षेत्र से होते हुए सुभाष कॉलोनी स्थित सुभाष पार्क में पहुंचा। जहां संचलन का समापन हुआ। इस अवसर पर सभी ने नेताजी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

प्रधानाचार्य गोविंदनारायण शर्मा ने कहा कि प्रतिवर्ष 23 जनवरी को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के महानायक सुभाष चंद्र बोस की जयंती पूरे देश में मनाई जाती है। भारत को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले इस योद्धा की जयंती को पराक्रम दिवस के तौर पर भी मनाया जाता है।इस अवसर पर प्रधानाचार्या सीमा माथुर, अवधेश राजवंशी, मूलचंद गुर्जर, शिवराज पाराशर, कमलेश सैनी, हेमराज सैनी, सत्यप्रकाश शर्मा, कन्हैयालाल सैनी, राजेंद्र जांगिड़, मदनलाल, सत्यनारायण, माधवलाल गुर्जर व प्रकाश योगी सहित कई छात्र छात्राएं मौजूद थे।

अवैध हथियार सहित एक आरोपित गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल जिला स्पेशल टीम (सीएसटी) ने ऑपरेशन (आग) के तहत मालपुरा गेट थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार सहित एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्तार आरोपित के कब्जे से अवैध हथियार 01 पिस्टल, 01 देसी कट्टा एवं 02 जिंदा कारतूस बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपित पुलिस थाना शिवदासपुरा में हत्या के प्रकरण में वांछित है जिसके विरूद्ध 10 हजार रुपये का इनाम भी घोषित है। जयपुर पुलिस कमिश्नर बीजू जॉर्ज जोसफ ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन एक्शन अगेंस्ट गन (आग) के तहत सीएसटी ने मालपुरा गेट थाना इलाके में कार्रवाई करते हुए अवैध हथियार रखने वाले आरोपित कान्हा सिंह जादौन उर्फ कान्हा ठाकुर निवासी मथुरा यू.पी. को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपित के पास से अवैध हथियार 01 पिस्टल, 01 देसी कट्टा एवं 02 जिन्दा कारतूस को बरामद किया है।

रेलवे के नव निर्मित अवकाश गृह का लोकार्पण

जयपुर। उत्तर-पश्चिम रेलवे जयपुर मंडल के जयपुर रेलवे स्टेशन परिसर में स्थित नव निर्मित अवकाश गृह भवन का महाप्रबंधक अमिताभ ने गुरुवार को अपर महाप्रबंधक अशोक माहेश्वरी एवं मंडल रेल प्रबंधक जयपुर विकास पुरवार की उपस्थिति में लोकार्पण किया। कृष्ण कुमार मीणा वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक जयपुर ने बताया कि जयपुर रेलवे स्टेशन के रेल दावा अधिकरण जयपुर पीठ के पास नवनिर्मित अवकाश गृह भवन बनाया गया है।

अशोक माहेश्वरी एवं मंडल रेल प्रबंधक जयपुर विकास पुरवार की उपस्थिति में लोकार्पण किया।

महाप्रबंधक अमिताभ ने गुरुवार को फीता काटकर इसका उद्घाटन किया। मंडल एवं अन्य रेल मंडलों से जयपुर आने वाले कर्मचारियों के ठहरने के लिए इस अवकाश गृह में 10 कक्ष बनवाए गए हैं। जहां आधुनिक सुविधाओं से लैस किचन, डाइनिंग हाल, पुस्तकालय, योग कक्ष,पानी के संग्रह का हौद, सर्दियों में गर्म पानी व ठंडे पानी के लिए वाटर कूलर की सुविधाएं उपलब्ध करवाई गई है। इस अवसर पर प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी प्रदीप कुमार सिंह, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक अनिल कुमार गुप्ता, प्रमुख मुख्य इंजीनियर जी. एल. गोयल, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण वेद प्रकाश, अपर मंडल रेल प्रबंधक गौरव गौड़, मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ. सुनीता चौधरी साथ ही प्रधान कार्यालय व मंडल कार्यालय के अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

मदन राठौड़ ने स्काउट के डायमंड जुबली जम्बूरी सम्मेलन में शिरकत की

''डायमण्ड जुबली जम्बूरी सम्मेलन'' शिविर में मदन राठौड़ ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने गुरूवार को राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड राज्य मुख्यालय जयपुर के ''डायमण्ड जुबली जम्बूरी सम्मेलन'' शिविर में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की।

जगतपुरा स्थित स्काउट प्रशिक्षण केंद्र में आयोजित कार्यक्रम में मदन राठौड़ ने कहा कि स्काउटिंग युवाओं को शैक्षिणक कौशल, आत्मविश्वास, नैतिकता, नेतृत्व कौशल और नागरिकता कौशल विकसित करने में मदद करती है। राठौड़ ने कहा कि स्काउटिंग समाज सेवा में योगदान देने के लिए भी महत्वपूर्ण है।

इसमें व्यक्तित्व का विकास तो होता ही है इसके साथ ही एक अच्छा नागरिक कैसे बनें, यह भी सिखाया जाता है। स्काउट प्रशिक्षण के दौरान सिखाया गया अनुशासन व्यक्ति को जीवनभर प्रभावित करता है। स्काउट की ओर से लगने वाले जम्बूरी कैम्प में देशभर के बच्चों को एकत्रित कर उन्हें प्रशिक्षण दिया जाता है। इतना ही नहीं, सरकार की ओर से सैन्य क्षेत्र की नौकरी में स्काउट के बोनस अंक भी दिए जाते है।

कलश यात्रा निकाली

जयपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के घुमन्तु जाति उत्थान न्यास के तत्वावधान घुमंतु जाति कार्य के अखिल भारतीय प्रमुख दुर्गादास और संतों के सानिध्य में 23 जनवरी को कलश यात्रा के साथ मूर्तियों का नगर भ्रमण और पौषबड़ा का कार्यक्रम आयोजित किया गय । घुमन्तु जाति महानगर संयोजक राकेश कुमार शर्मा एवं इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश्वर शर्मा ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की प्रथम वर्षगांठ के मौके पर छोटी काशी में चेतना नगरी जयसिंहपुरा खोर घुमंतु बस्ती में भव्य मंदिर निर्माण,कलश यात्रा, मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा हवन, विशाल धर्मसभा और महाप्रसादी का आय़ोजन करवाया जा रहा है। कार्यक्रम में शिक्षा एवं मदन दिलावर, सुरेश सिंह रावत कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे, बाबुलाल कार्यक्रम के मुख्य वक्ता और राजस्थान एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका राणा के अध्यक्ष और ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ राम मंदिर, प्रेम भंडारी कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे, पंकज ओझा, प्रदीप कुमार , मंजू शर्मा, स्वामी बालमुकुंदाचार्य, पंकज सिंह, डॉ.एलएन रूंडला, डॉ सर्वेश शरण जोशी , डॉ विष्णुदत्त शर्मा कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि होंगे।

विधानसभा में होगी दो दिवसीय युवा संसद

जयपुर। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी की पहल पर राजस्थान विधानसभा में शुक्रवार से दो दिवसीय युवा संसद होगी। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी शुक्रवार को प्रात: दस बजे विधान सभा के सदन में दीप प्रज्ज्वलित कर युवा संसद का शुभारम्भ करेंगे। देवनानी ने कहा कि इससे प्रदेश के युवाओं को राजनीति क्षेत्र में कार्य करने के लिये प्रोत्साहन मिलेंगा। भावी पीढी को देश की राजनीति से परिचय कराने के लिये यह प्रभावी कदम साबित होगा। इसके तहत युवा विधान सभा की कार्यप्रणाली को समझ सकेगें। राष्ट्रीय पर्यावरण विषय पर देश के विभिन्न राज्यों के विश्वविद्यालयों के युवा विधान सभा में बैठ कर दो दिन चर्चा करेगें। देवनानी ने कहा कि युवा संसद के तहत राष्ट्रीय पर्यावरण पर देश के युवाओं को समाज में शाश्वत विकास एवं पर्यावरणीय स्थिति से अवगत कराने का यह प्रयास किया जा रहा है। विधान सभा में चर्चा हेतु युवाओं का चयन करने के लिये स्टूडेंटस फॉर डवलपमेंट ने सम्पूर्ण भारत में तीन स्तरों पर एक चयन प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रथम स्तर पर देशभर से कुल 162 विश्वविद्यालयों से 45600 प्रतिभागी जुड़े। विश्वविद्यालय स्तर पर चयनित 10 प्रतिभागी का क्षेत्रीय स्तर पर विभिन्न विषयों को लेकर आभासी माध्यम से प्रतियोगितायें आयोजित की गई।

असिस्टेंट प्रोफेसर व दलाल 25 हजार रु. रिश्वत लेते गिरफ्तार

- **शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नेवटा जयपुर में ए.सी.बी. की कार्रवाइ**

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की मुख्यालय की जयपुर टीम तृतीय ने कार्रवाई करते हुए रवि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नेवटा जयपुर असिस्टेंट प्रोफेसर हाल कार्यवाहक प्रिंसिपल राजकुमार ढाका व दलाल श्योजीराम चौधरी को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत के रूप में प्राप्त करने पर गिरफ्तार किया है।

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो पुलिस महानिदेशक डॉ. रवि प्रकाश मेहरडा ने बताया कि एसीबी जयपुर टीम तृतीय को परिवादी ने शिकायत दी कि परिवादी की बीएड प्रथम वर्ष की उपस्थिति शॉर्ट नहीं करने, प्रैक्टिकल में फेल नहीं करने व बीएड प्रथम वर्ष इंटर्नशिप के लिए कॉलेज रिलिविंग लेटर (कार्य मुक्ति प्रमाण-पत्र) देने की एवज में 42 हजार रुपये रिश्वत राशि मांग कर पिछले छह महिने से परेशान किया जा रहा है।

प्रिंसिपल राजकुमार ढाका व दलाल श्योजीराम चौधरी को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत के रूप में प्राप्त करने पर गिरफ्तार किया

जिस पर एसीबी जयपुर नगर टीम तृतीय के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ज्ञान प्रकाश नवल ने ट्रेप की कार्रवाई करते हुए रवि शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय नेवटा जयपुर असिस्टेंट प्रोफेसर हाल कार्यवाहक प्रिंसिपल राजकुमार ढाका व दलाल श्योजीराम चौधरी (ई-मित्र संचालक) नेवटा को परिवादी से 25 हजार रुपये की रिश्वत प्राप्त करने पर गिरफ्तार किया गया।

श्मशान घाट का रास्ता बंद करने पर फिर से फूटा गुस्सा

पावटा। गुरुवार को पावटा तहसील मुख्यालय के ग्राम भांकरी में बाबा गोपालदास स्थान के पास सैकड़ो साल पुराने श्मशान घाट का रास्ता बंद किए जाने से गुस्साए मृतक के परिजनों व ग्रामीणों ने शव को सड़क पर रखकर प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन किया। यहां तक कि हाथापाई तक की नौबत आ गई।मुखराम धनकड, मेहर सिंह धनकड, हेमंत धनकड सहित परिजनों व ग्रामीणों का आरोप था कि ग्राम भांकरी में बाबा गोपालदास स्थान के पास सैकड़ो साल पुराना शमशान घाट बना हुआ है, लेकिन कुछ लोग आए दिन श्मशान घाट का रास्ता बंद कर देते हैं। इससे उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस बारे में प्रशासन से आग्रह करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है। ऐसे में उनको विरोध प्रदर्शन करना पड़ा है। परिजनों व ग्रामीणों की मांग थी कि जब तक प्रशासन मौके पर आकर रास्ता बंद करने वाले लोगो की गिरफ्तारी नहीं होगी और ग्राम पंचायत द्वारा बनाए हुए रास्ते को नशे में अंकित करते हुए समस्या का स्थाई समाधान नहीं निकाल देता तब तक शव का दाह संस्कार नहीं किया जायेगा। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह ग्राम दादाकाबास भांकरी में कालूराम गढवाल का निधन हो गया था। जब परिजनों व ग्रामीणों द्वारा उनके अंतिम संस्कार के लिए श्मशान घाट ले जाया जा रहा था तो उन्होंने देखा कि श्मशान घाट ज्यों कि ग्राम पंचायत द्वारा बनाया हुआ सार्वजनिक रास्ता है उसके गेट पर ताला लगाकर बंद किया हुआ था।

कुंवारा बताकर युवक ने की दूसरी शादी

जयपुर। करधनी थाना इलाके में शादीशुदा होने के बावजूद खुद को कुंवारा बताकर दूसरी शादी करने का मामला सामने आया है। पहली पत्नी को तलाक दिए बिना धोखा देकर आरोपी ने दूसरी शादी की। मामले का पता चलने पर पीड़िता ने आरोपी पति के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
(साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूचि संख्यांक 4
न्यायालय सहायक कलक्टर (फास्ट ट्रेक) स्थान चौमूँ जिला-जयपुर
धमेन्द्र बनाम विमलादेवी
प्रार्थना पत्र संख्या 03/2019
प्रार्थना पत्र बाबत् आदेश 9 नियम 9 सी.पी.सी.
बनाम उगन्तीदेवी पुत्री सूजीदेवी पत्नि कैलाश, जड़ावदेवी पुत्री सुजीदेवी पत्नि छीगन, समस्त जाति खटीक, निवासी मण्डी खटीकान् नारायणपुरी, चार दरवाजा, जयपुर।
उक्त प्रार्थी धमेन्द्र वगै0 ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि प्रार्थना पत्र अन्तर्गत आदेश 9 नियम 9 सपठित धारा 151 सी.पी.सी. दिनांक 24.03.2015 को प्रकरण अदम हाजरी अदम पैरवी मे खारिज किये जाने बाबत् पेश किया है।
अतः आपके चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 25.02.2025 को 9.30 पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगें तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
आप सब अप्रार्थीगण को यह आवश्यक एवं एक मात्र अन्तिम अवसर न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखने हेतु समाचार पत्र के माध्यम से प्रकाशित किया जा रहा है।
यह आज दिनांक 23.01.2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
दिनांक 23.01.2025
मोहर अदालत
न्यायालय सहायक कलेक्टर (फास्ट ट्रेक) चौमू

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
11 / 20-1-25 (आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्र स-4 स्थान जयपुर महानगर द्वितीय
लक्ष्मण करण राठौड विरूद्ध चन्द्रेश करण व अन्य
वाद बाबत...... वाद सं. 01 सन् 2025
बनाम
चन्द्रेश करण राठौड पुत्र स्व. श्री वासुदेव करण जाति....
विक्रम करण सिंह राठौड पुत्र स्व. श्री वासुदेव करण जाति....
श्रीमती मधु कुमारी राठौड पत्नी श्री देवेन्द्र सिंह पुत्री स्व. श्री वासुदेव करण जाति....
श्रीमती बृजराज कुमारी पत्नी स्व. श्री वासुदेव करण जाति..
स्थान: 323, नटवाडा हाउस, पुराना आमेर रोड, जयपुर-302002
वादी ने आपके विरूद्ध...के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 18 माह 02 सन् 2025 को दिन में 10.00 AM बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता है कि यदि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह वाद ता. 20 माह 01 सन 2025 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
वरिष्ठ रीडर
मोहर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर-द्वितीय

उत्तर पश्चिम रेलवे आवश्यक सूचना
सर्व सम्बन्धित को सूचित किया जाता है कि जयपुर-गाँधीनगर के मध्य रेलवे फाटक संख्या-219 (इमली फाटक) KM 237/3-4 को दिनांक 25.01.2025 सुबह 8:00 से दिनांक 28.01.2025 शाम 18:00 बजे तक ट्रैक मरम्मत कार्य हेतु पूर्णरूप से बन्द रहेगा, असुविधा के लिए खेद है।
102-PS/25 वरि.म.इन्जी (मुख्या.) जयपुर
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

प्राधिकृत अधिकारी एवं उपायुक्त जोन-13 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक:ज.वि.प्रा./उपा./जोन-13/2025/राजकाज-21415/डी- 138
सार्वजनिक सूचना दिनांक 23/1/25
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्व ग्राम ग्राम-विमनपुराउर्फ डाबकानला, तहसील-आमेर के खसरा नम्बर 142/1 रकबा 0.37 हैक्टे, 143 रकबा 0.05 हैं. 146 रकबा 0.05 है0, 190 रकबा 0.10 है0, 191 रकबा 0.37 है0, 193 रकबा 0.12 है0 किता-6 कुल रकबा कुल रकबा 1.06 हैक्टे. भूमि की होटल प्रयोजनार्थ 90-ए आदेश प्रकरण संख्या-196/2017 दिनांक 29.09.2017 को महारानी रिसोर्ट एण्ड प्रमोटर्स प्रा0 लि0 जरिये निदेशक श्री ज्ञान चन्द पालीवाल के पक्ष मे जारी किया गया था। उपरोक्त 90-ए शुदा भूमि महारानी रिसोर्ट एण्ड प्रमोटर्स प्रा0 लि0 जरिये निदेशक श्री ज्ञान चन्द पालीवाल खातेदार के नाम दर्ज है उक्त भूमि का नामान्तरण जयपुर विकास प्राधिकरण के नाम दर्ज करवाने हेतु इस कार्यालय में आवेदन किया गया है। उक्त 90ए शुदा भूमि पर योजना मानचित्र अनुमोदन की कार्यवाही से यदि किसी का स्वामित्व / हित प्रभावित हो अथवा कोई आक्षेप हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 7 दिवस भीतर-भीतर कार्यालय उपायुक्त जोन-13, पार्किंग भवन, तृतीय तल, ज.वि.प्रा. मे समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय के भीतर-भीतर किसी आक्षेप के अभाव मे यह समझा जायेगा कि किसी को कोई आक्षेप नहीं है और तदनुसार मामले का निपटारा किया जायेगा। यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन आज 23/1/25 को जारी की गयी।
प्राधिकृत अधिकारी एवं उपायुक्त जोन-13 जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
12 / 20.1.25 (साधारण प्रारूप)
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश क्र.स. 4 स्थान जयपुर महानगर द्वितीय
लक्ष्मण करण राठौड विरूद्ध चन्द्रेश करण व अन्य
वाद/ प्रार्थना पत्र T I
प्रार्थना-पत्र संख्या 01/2025 सन्
नाम श्रीमती मधु कुमारी राठौड पत्नी श्री देवेन्द्र सिंह पुत्री स्व. श्री वासुदेव करण जाति....
श्रीमती बृजराज कुमारी पत्नी स्व. श्री वासुदेव करण जाति....
विक्रम करण सिंह राठौड पुत्र स्व. श्री वासुदेव करण जाति....
चन्द्रेश करण पुत्र स्व. श्री वासुदेव करण जाति....
पता नि.323, नटवाडा हाउस, पुराना आमेर रोड जयपुर-302002
उक्त वादी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि..
अत: आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 18 माह 2 सन् 2025 को 10.00 AM पूर्वान्ह में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो, उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेंगे तो उक्त आदेश की सुनवाई और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
यह आज ता. 20 माह 01 सन् 25 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
वरिष्ठ रीडर
मुहर
अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम-4 जयपुर महानगर-द्वितीय न्यायालय
दिनांक 20/1/25

संख्यांक 2
विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 व 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी मौजमाबाद जिला जयपुर राज.
रविशंकर विरूद्ध गलोल
वाद बाबत्त घोषणा एवं स्थायी निषेधाज्ञा
वाद पत्र सं. 129 सन 2023
नाम मंजू देवी बुनकर पत्नि श्री रामअवतार बुनकर जाति बलाई नि0 कुडली तह फागी जिला जयपुर हाल नि. C/o नाथू बैरवा का मकान हरि मार्ग, विवेक विहार, न्यू सांगानेर रोड जयपुर जिला जयपुर राज.।
वादी ने आपके विरूद्ध...उपरोक्त..... के लिये वाद संस्थित किया है आपको वादी ने आपके विरूद्ध इस न्यायालय में दिनांक 28 माह...01... वर्ष.....2025 को दिन में 10 बजे दावें का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सक्ते है। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों के उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश दिया जाता है की आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो, अपनी प्रतिरक्षा या मुजरा के दावें या प्रतिदावें का समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सुचित किया जाता है कि उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होगें तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज तारिख 21 माह 1 सन् 2025 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दी गई।
न्यायाधीश-उपखण्ड अधिकारी, मौजमाबाद

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-6188 दिनांक-23/01/2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास / फ्लैट संख्या 34/524 (HIG), (एरिया 217.247 वर्गमिटर), का आवंटन श्री सुजान सिंह पुत्र श्री ओंकार लाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2815 दिनांक 05.12.2001 के द्वारा जारी किया गया था। श्री सुजान सिंह के पक्ष मे उक्त आवास/ फ्लैट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 31.03.2002 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्री सुजान सिंह की मृत्यु दिनांक 24.08.2013 को होने से पूर्व श्री विरेन्द्र सिंह एवं श्री कृष्ण मोहन पुत्रान स्व. श्री सुजान सिंह को पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 23.12.2010 के द्वारा पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्री कृष्ण मोहन पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह द्वारा स्वयं का 1/2 हिस्सा का उपहार पत्र श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह को दिनांक 24.11.2021 को उप पंजीयक जयपुर-नवम के यहाँ पंजीकृत करवाया गया। श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को पंजीकृत वसीयतनामा एवं उपहार पत्र के आधार पर स्वयं के नाम हस्तान्तरण आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति/पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

राजस्थान आवासन मण्डल, वृत्त प्रथम, प्रताप नगर, जयपुर
क्रमांक-6189 दिनांक-23/01/2025
जाहिर आम-सूचना राजस्थान आवासन मण्डल की प्रताप नगर योजना मे आवास / फ्लैट संख्या 34/526 (HIG), (एरिया 110.471 वर्गमिटर), का आवंटन श्री सुजान सिंह पुत्र श्री ओंकार लाल को किया जाकर आवंटन पत्र क्रमांक 2816 दिनांक 05.12.2001 के द्वारा जारी किया गया था। श्री सुजान सिंह के पक्ष मे उक्त आवास/फ्लैट के पंजीयन प्रपत्र दिनांक 31.03.2002 को उप पंजीयक सांगानेर जयपुर के यहाँ पंजीकृत करवाये गये। श्री सुजान सिंह की मृत्यु दिनांक 24.08.2013 को होने से पूर्व श्री विरेन्द्र सिंह एवं श्री कृष्ण मोहन पुत्रान स्व. श्री सुजान सिंह को पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 23.12.2010 के द्वारा पंजीकृत करवाया गया। तत्पश्चात श्री कृष्ण मोहन पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह द्वारा स्वयं का 1/2 हिस्सा का उपहार पत्र श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह को दिनांक 24.11.2021 को उप पंजीयक जयपुर-नवम के यहाँ पंजीकृत करवाया गया। श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह द्वारा उक्त आवास/फ्लैट को पंजीकृत वसीयतनामा एवं उपहार पत्र के आधार पर स्वयं के नाम हस्तान्तरण आवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण बाबत किसी व्यक्ति / पक्षकार को कोई आपत्ती हो तो अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय मे 7 दिवस मे अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा यह मानते हुए की मण्डल रिकॉर्ड मे नाम दर्ज करने मे किसी को कोई आपत्ति नही है, श्री विरेन्द्र सिंह पुत्र स्व. श्री सुजान सिंह का नाम मण्डल रिकॉर्ड मे दर्ज कर दिया जावेगा।
सम्पदा प्रबन्धक, वृत्त-प्रथम, राज. आवा. मण्डल, जयपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
सार्वजनिक सूचना
क्रमांक /न.नि.भ./2024-25/15273 दिनांक : 23.01.2025
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती चित्रा पत्नि श्री अनिल राजौरिया निवासी जनाना अस्पताल के पास, मौहल्ला गोपालगढ, भरतपुर द्वारा भूखण्ड स्थित वार्ड नं. 34, मथुरा गेट अन्दर, नबाव गली, भरतपुर का आबादी भूमि का पट्टा चाहने हेतु इस कार्यालय में ऑनलाईन आवेदन LD/BTPR/2024-25/207965 प्रस्तुत किया गया है। आवेदित भूखण्ड का क्षेत्रफल 139.82 वर्गमीटर है।
उक्त के सम्बन्ध में यदि व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में इस कार्यालय में अपनी लिखित आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने अवधि पट्टा दिये जाने की अग्रिम कार्यवाही अमल में लायी जावेगी। सूचित हों।
प्रभारी अधिकारी
नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर
सार्वजनिक सूचना
क्रमांक : योजना/एफ( )/न.नि.भ./2024-25/15215-216 दिनांक : 22.01.2025
नगर पालिका भरतपुर द्वारा नीम दरवाजा वार्ड नं. 6 स्कीम में भूमि खण्ड सं. 19 श्री कपूरचन्द गुप्ता पुत्र श्री श्यामलाल गुप्ता, जाति वैश्य, निवासी नीमदा गेट, भरतपुर को 99 वर्षीय लीज होल्ड राईट्स पर आवंटित किया गया था। तदोपरान्त भूखण्डधारी की मृत्यु हो जाने पर उनकी पत्नि श्रीमती अमरावती गुप्ता द्वारा प्रस्तुत रिलीजडीड के आधार पर नगर निगम भरतपुर द्वारा नाम हस्तान्तरण आदेश क्रमांक 4864-65 दिनांक 30.07.2015 के द्वारा श्रीमती अमरावती पत्नि स्व. कपूर चन्द गुप्ता के पक्ष में कर दिया गया। इसके पश्चात् श्रीमती अमरावती पत्नि स्व. कपूरचन्द गुप्ता, निवासी नीम दरवाजा, भरतपुर द्वारा उक्त भूखण्ड की जरिये रजिस्टर्ड बयनामा दिनांक 21.09.2015 से श्री मुकेश सोनी पुत्र रामजीलाल, श्रीमती कुसुमलता सोनी पत्नि श्री मुकेश सोनी, जाति स्वर्णकार, निवासी दही वाली गली, भरतपुर को विक्रय कर दिया गया। अब आवेदक श्री मुकेश सोनी पुत्र रामजीलाल व श्रीमती कुसुमलता सोनी पत्नि मुकेश सोनी द्वारा भूखण्ड संख्या 19 नीम दरवाजा भरतपुर का नाम हस्तान्तरण कराने हेतु ऑनलाईन आवेदन मय दस्तावेज प्रस्तुत किया है। इस कार्यालय द्वारा नाम हस्तान्तरण किये जाने की कार्यवाही की जानी है।
इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद नाम हस्तान्तरण करने की अग्रिम कार्यवाही की जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।
प्रभारी अधिकारी
योजना शाखा, नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय (वि0) नगर निगम कोटा उत्तर (राज0)
क्रमांकः- ननिको उ./वि0/2025/854-860 दिनांक 22.01.2025
-:: संशोधित ई-निविदा सूचना ::-
तकनीकी कारण से इस कार्यालय द्वारा जारी निविदा क्रमांक ननिको उ./वि0/2025/820-825 दिनांक 13.01.2025 को जारी की गई निविदा में निम्न प्रकार संशोधन किया जाता है –
1. निविदा अपलोड करने की तिथि : 03.02.2025 (दोपहर 12 बजे तक)
2. धरोहर राशि/निविदा शुल्क/प्रोसेसिंग फीस प्राप्त के साक्ष्य प्राप्ती तिथि : 03.02.2025 (सायं 5 बजे तक)
3. निविदा तकनीकी बिड खोलने की तिथि : 05.02.2025 (सायं 6 बजे तक)
4. वित्तिय बिड खोलने की तिथि : तकनीकी बिड परिक्षण पश्चात्
उक्तानुसार निविदा की तिथि बढाई जाती है। शेष शर्तें यथावत् रहेगी।
अधिशाषी अभियंता (वि0) नगर निगम कोटा उत्तर
राज.संवाद/सी/24/10724

कार्यालय नगर पालिका मण्डल, राजगढ (अलवर)
E-mail: rajgarh.jaipur@gmail.com, Phone: 01464-220041
क्रमांकः न.पा.रा/2025/2595 **आपत्ति सूचना** दिनांकः- 23/1/25
सर्व साधारण को सूचित किया जाता है। कि निम्न आवेदक द्वारा पट्टा नामान्तरण जारी किये जाने हेतु पालिका कार्यालय मे पत्रावली प्रस्तुत की गई है। जिसका विवरण निम्नानुसार है। इस संबंध मे किसी भी व्यक्ति/संगठन/संस्था को कोई भी आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति सूचना प्रकाशन से सात दिवस मे अद्योहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करें। समय अवधि निकलने के पश्चात् संबंधित आवेदक को आपत्ति प्राप्त नही होने पर पट्टा नामान्तरण जारी कर दिया जावेगा। पत्रावली से संबधित जानकारी किसी भी कार्य दिवस मे कार्यालय समय मे प्राप्त की जा सकती है।

क्र.स	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	क्षेत्रफल	व्यवसायीक/आवासीय	उक्त सम्पति का पूर्व विवरण
1	श्री हरिशंकर गुप्ता पुत्र चिंरजी लाल गुप्ता निवासी वाटर वर्क्स के सामने स्टेशन रोड, राजगढ (अलवर)	खसरा न. 1931,1932 राजगढ	438.89 वर्गगज	मिश्रित	पालिका के पट्टा क्रमांक 08 दिनांक 30.07.2001 का नामान्तरण कार्यालय आदेश पत्र 2023-24/73082 दिनांक 23.01.2024 मे जारी सम्पति
2	श्री शिवशंकर गुप्ता पुत्र चिंरजी लाल गुप्ता निवासी वाटर वर्क्स के सामने स्टेशन रोड, राजगढ (अलवर)	खसरा न. 1931 राजगढ	504.16 वर्गगज	मिश्रित	

उक्त सम्पति का पूर्व विवरण :- श्री हरिओम गुप्ता पुत्र श्री चिरंजी लाल गुप्ता को जारी पालिका के पट्टा क्रमांक 08 दिनांक 30.07.2001 को मृत्यु उपरान्त श्री मनीष गुप्ता, श्रीमति शालू गुप्ता, सोनू गुप्ता व विनोद गुप्ता पुत्रांन स्व. श्री हरिओम गुप्ता के नाम कार्यालय द्वारा जारी नामान्तरण पत्र 2023-24/73082 दिनांक 23.01.2024 तपरान्त उक्त सम्पति को श्री विनोद गुप्ता के नाम हक त्याग कर दिया गया। कोर्ट के डिकी आदेशानुसार उक्त सम्पति श्री श्री शिवशंकर गुप्ता पुत्र चिंरजी लाल गुप्ता तथा श्री हरिशंकर गुप्ता पुत्र चिंरजी लाल गुप्ता निवासी वाटर वर्क्स के सामने स्टेशन रोड, राजगढ (अलवर) के नाम है।
अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका राजगढ (अलवर)

भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (भारत सरकार का एक सांविधिक निकाय)
तीसरी मंजिल, उड़ान भवन, सफदरजंग हवाई अड्डा, नई दिल्ली 110003, फोनः 24695044-47, फैक्सः 24695048 वेबसाइटः http://aera.gov.in
सूचना
अधिवक्ता/कानूनी फर्म का पैनलीकरण
भारतीय विमानपत्तन आर्थिक विनियामक प्राधिकरण (AERA) भारत में माननीय सर्वोच्च न्यायालय, उच्च न्यायालय, न्यायाधिकरण और अन्य न्यायालयों के समक्ष AERA की ओर से अदालती मामलों की पैरवी करने के लिए पात्र अधिवक्ताओं/कानून फर्मों से आवेदन आमंत्रित करता है।
अधिवक्ताओं/कानूनी फर्मों के पैनल के लिए पात्रता मानदंड, नियम व शर्तें तथा शुल्क अनुसूची का विवरण AERA की वेबसाइट http://aera.gov.in पर उपलब्ध है। यदि कोई शुद्धिपत्र होगा तो उसे केवल AERA की वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा।
वेबसाइट पर जारी नोटिस एफ. संख्या एईआरए/लीगल/एम्पैनलमेंट ऑफ एडवोकेट्स/लॉफर्म 2020/2023-24 दिनांक 08.03.2024 को वापस ले लिया गया है और प्रशासनिक कारणों से इसके लिए शुरू की गई एम्पैनलमेंट प्रक्रिया को रद्द कर दिया गया है। इसलिए, जिन अधिवक्ताओं/लॉ फर्मों ने दिनांक 08.03.2024 के उपर्युक्त नोटिस के जवाब में आवेदन किया है, उन्हें भी नए सिरे से आवेदन करना होगा और उनके पहले प्राप्त आवेदन को इस नोटिस के तहत एम्पैनलमेंट के लिए नहीं माना जाएगा।
योग्य एवं इच्छुक अधिवक्ता/कानूनी फर्म AERA की वेबसाइट पर समाचार एवं घोषणा अनुभाग में दिए गए लिंक का उपयोग करके अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर सकते है।
केवल इस पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत ऑनलाइन आवेदन ही स्वीकार किए जाएंगे तथा आवेदन प्रस्तुत करने के किसी अन्य तरीके या चैनल पर विचार नहीं किया जाएगा।
ऑनलाइन आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 11/02/2025 है।
CBC 03112/12/0014/2425 एसडी/-(उप प्रमुख, एईआरए)

संक्षिप्त

कार्यों का लोकार्पण आज

श्रीमाधोपुर। क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देने के लिए को लेकर एक और सौगात देते हुए यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा शुक्रवार को करोड़ों रूपयों के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास करेगें। विधानसभा प्रभारी अजय सिंह खर्रा ने बताया कि एन एच -52 सिमारला जागीर सड़क,अरणियां से मूंडरु लिसाड़िया से गोठा,दिवराला से करीरी सीमा,दिवराला से ढ़ाणी बलवंत सिंह, मण्डूस्या से मोदयाड़ी,रायपुर जागीर से भानीपुरा सड़क का शिलान्यास तथा उपस्वास्थ्य केन्द्र कल्याणपुरा थोई का लोकापर्ण यूडीएच मंत्री झाबरसिंह खर्रा करेगें। वहीं अजितगढ़ राउमावि में राज्य सरकार द्वारा आयोजित जागृति आंगन कार्यक्रम के समापन तथा वार्षिकोत्सव समारोह में भी शिरकत करेगें।

आज 3 घंटे बिजली बंद

श्रीमाधोपुर । कस्बे में आज तीन घंटे बिजली बंद रहेगी सहायिका अभियंता भावेश गुप्ता जालपाली ने बताया कि 24 जनवरी को दोपहर 12 बजे से दोपहर 03 बजे तक 132 जालपाली श्रीमाधोपुर मे निर्माण, रखरखाव व मरम्मत कार्य करने के लिए विधुत आपूर्ति बंद रहेगी तथा इनके अधीन आने वाले तीजावाला जोहड़ा, श्रीमाधोपुर, डेरारामसागर, हांसपुर, बस्सी, जोरावरनगर, कंचनपुर, तिवाड़ी कि ढाणी, निमड़ावाली, खेड़ी, मऊ, बागरियावास, नांगल, होल्याकाबास व इनके आस पास के गांव व ढाणीयो कि विधुत आपूर्ति बंद रहेगी ।

एसीबीईओ ने किया निरीक्षण

निवाई। अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेशचन्द विजय ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय नटवाड़ा, बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय नटवाड़ा एवं गोपालपुरा विद्यालय में मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान के तहत आयोजित आकलन प्रथम का सघन निरीक्षण करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए। एसीबीईओ विजय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान बच्चों के शैक्षिक स्तर की जांच कर विद्यालयों में आकलन संबंधी सभी रिकॉर्ड का अवलोकन किया एवं आवश्यक निर्देश प्रदान किये साथ ही जिला कलेक्टर के मिशन 2025 के तहत पढ़ाई विद ए आई का भी अवलोकन कर संस्था प्रधान को आवश्यक निर्देश प्रदान किए। इस अवसर पर कार्यालय केआरपी रामकिशन बैरवा सहित कई शिक्षक मौजूद थे।

जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

निवाई। गांव बिचपड़ी के ग्रामीणों ने पूर्व सरपंच श्योजीराम थूणी के नेतृत्व में गांव बिचपड़ी को ग्राम पंचायत बनाने या यथावत रखने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर सौम्या झा को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि ग्राम बिचपड़ी की आबादी करीब 2 हजार है। गांव में पटवार मण्डल, आंगनबाडी केन्द्र, उच्च प्राथमिक विद्यालय संचालित है। ज्ञापन में पंचायत पूर्नगठन के अनुसार ग्राम बिचपड़ी को ग्राम पंचायत मुख्यालय बनवाने या यथावत रखने के लिए प्रस्ताव बनवाकर राजस्थान सरकार को भिजवाने मांग की है। ज्ञापन देने वालों में नारायण, प्रभुलाल, महिपाल, रामकरण, परसुराम, श्योराज, भरतलाल, प्रेमसिंह, सुल्तानसिंह, कन्हैयालाल, जगपाल, हजारीलाल प्रजापत, रतनलाल लोधा व मांगीलाल सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

श्रद्धालुओं में खुशी की लहर

निवाई। अद्वैत आश्रम हरभांवता के संत बालिकानंदगिरि महाराज कुंभ मेले में महामण्डलेश्वर पद पर पंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर के पद पर नियुक्त हुए है। संत बालकानंदगिरी महाराज के महामंडलेश्वर बनने के पर संत समाज सहित जिलेभर के श्रद्धालुओं में खुशी की लहर दौड़ गई। अद्वैत आश्रम हरभांवता हीरानन्दगिरी महाराज व सेवानन्दगिरी महाराज की तपोस्थली रही है, बालकानंदगिरी महाराज बचपन से ही आध्यात्मिक रहे है तथा बाल बह्मचारी संत है जो सेवानन्द गिरी महाराज के शिष्य है, बालकानंद गिरि की आरंभिक शिक्षा दीक्षा सवाईमाधोपुर जिले के बौंली उपखंड क्षेत्र के गुगड़ोद गाँव में ही संपन्न हुई थी।

युवक का शव मिला सड़क किनारे

टोंक। सदर थाना क्षेत्र के ग्राम तारण के मुख्य मार्ग पर सडक किनारे गुरुवार को एक युवक का शव पडे होने की सूचना थाने को मिली, जिस पर थानाधिकारी जयमल सिंह मय पुलिस जाप्ता पंहुचे। शव को कब्जे में लेकर सआदत अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरो ने उसे मृत घोषित किया।

किसानों को केंद्र वं राज्य सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करवाया जाए : कलेक्टर

अलवर। जिला कलेक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला की अध्यक्षता में कलक्ट्रेट सभागार में कृषक उत्पादक संगठनों की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में एफपीओ के माध्यम से प्याज प्रसंस्करण इकाई लगाकर 10 हजार किसानों को जोडने का लक्ष्य दिया गया। जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला ने विभिन्न एफपीओ की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि एफपीओ को कृषि प्रसंस्करण इकाई के रूप में सुगमता से कार्य करने के लिए आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि अलवर जिले में प्याज की फसल का उत्पादन प्रचुर मात्रा में होता है और इससे 25 हजार से अधिक किसान जुडे हुए हैं। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले में प्याज प्रसंस्करण इकाई लगाने पर एफपीओ को संबंधित विभागीय अधिकारी पूर्ण सहयोग प्रदान करें। उन्होंने निर्देश दिये कि प्रथम चरण में इस उक्त कार्य से जिले में 10 हजार किसानों को एफपीओ से जोडे। उन्होंने निर्देश दिये कि जिले के किसानों को केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं से पात्रतानुसार लाभांवित करवाया जाए। बैठक में नाबार्ड के डीडीएम ने एफपीओ से संबंधित सभी पहलुओं पर विस्तार से जानकारी प्रदान की। साथ ही उन्होंने जिले में संचालित एफपीओ को जिले के प्याज किसानों को जोडते हुए प्याज प्रसंस्करण इकाई लगाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि इसके लिए नाबार्ड द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

अलवर कलेक्ट्रेट सभागार में अधिकारियों की बैठक लेती जिला कलेक्टर डॉ अर्तिका शुक्ला।

- कृषक उत्पादक संगठनों की जिला स्तरीय मॉनिटरिंग कमेटी की बैठक हुई आयोजित
- जिले में एफपीओ के माध्यम से प्याज प्रसंस्करण इकाई लगाकर 10 हजार किसानों को जोडने का दिया लक्ष्य

कृषक उत्पादक संगठन के नोडल अधिकारी एवं डीडीएम नाबार्ड प्रदीप चौधरी, लीड बैंक मैनेजर बाबूलाल पलरिया, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक पीसी मीणा, उपनिदेशक बागवानी के.एल मीना, कृषि विज्ञान केंद्र से डॉ. सुभाष यादव, कृषि उपज मंडी के उपनिदेशक नरेश यादव, लुपिन फाउंडेशन के स्टेट हैड वेद प्रकाश शर्मा एवं जिले के एफपीओ के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बाईक सवार बुजुर्ग व्यक्ति के मारी टक्कर

निवाई। अवैध बजरी भरे टैक्ट्रर ने बुर्जग व्यक्ति के टक्कर मार दी जिससे ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। कांटोली आश्रम के संत श्रीराम महाराज सहित कई ग्रामीणों ने बताया कि अवैध बजरी भरे टैक्ट्रर ने बाईक सवार गोविन्दनारायण मीणा निवासी कांटोली के टक्कर मार दी। ग्रामीणों ने बजरी माफियाओ को रूकवाने का प्रयास किया तो उसके अन्य साथियों ने धक्का मुक्की कर उसे छुड़ाकर ले गए। उन्होंने बताया कि उपखंड क्षेत्र में लगातार धड़ल्ले से अवैध बजरी परिवहन हो रहा है। जिसकी सूचना के बाद भी घंटों तक पुलिस नहीं पहुंचती है। ग्रामीणों ने बताया कि न्यायालय सहित शासन व प्रशासन के सख्त निर्देशों के बाद भी प्रशासन बजरी खनन व परिवहन पर रोक लगाने में नाकाम नजर आ रहा है। अवैध खनन व परिवहन में शामिल लोग गांवों मे ट्रैक्टर ट्रॉली को सरपट दौड़ाते हुए लेकर जाते हैं। जिससे गांवों मे दुर्घटना का अंदेशा बना रहता है। इन बजरी माफियाओं के दलाल ट्रैक्टर ट्रॉली के आगे आगे मोटर साइकिल पर चलते हुए रास्तों पर पुलिस का ध्यान रखते हुए ट्रैक्टर चालकों को रास्तों की पल पल की जानकारी उपलब्ध करवाते हैं।

पशुपालन बीमा के लिए आवेदन 31 जनवरी तक

कोटपूतली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार द्वारा प्रदेश के पशुपालकों के अमूल्य पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना की शुरुआत की गई है। इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य पशुपालकों को वित्तीय सुरक्षा प्रदान करना और उनके पशुधन की मृत्यु की स्थिति में आर्थिक नुकसान से बचाना है। योजना के तहत लाभ लेने के लिए प्रदेश के सभी जनाधार कार्ड धारक पशुपालक पात्र होंगे। पशुपालकों को बीमा विभाग के एपध्सॉफ्टवेयर पर आवेदन करना होगा। मोबाईल ऐपध्वेबपोर्टल पर आवेदन की दिनांक बढ़ा कर अब 31 जनवरी कर दी गई है।

बीमा के लिए लॉटरी द्वारा पशुपालकों का चयन किया जाएगा। प्रदेश के गोपाल क्रेडिट कार्ड धारक पशुपालक और लखपति दीदी पशुपालकों को चयन में प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही अनुसूचित जाति और जनजाति के लिए क्रमशः 16 और 12 प्रतिशत आरक्षण का भी प्रावधान किया गया है। बीमा के लिए पशुओं की टैगिंग अनिवार्य है। चयनित पशुपालक के अधिकतम 2 दुधारू पशु (गाय, भैंस अथवा दोनो)10 बकरी ,10 भेड़ ,1 उष्ट्र वंश पशु का निःशुल्क बीमा किया जाएगा। यह बीमा उन्हीं पशुओं का होगा जो किसी अन्य योजना के तहत बीमित नहीं हो। यह बीमा एक वर्ष के लिए किया जाएगा और पशुपालक को इसके लिए कोई प्रीमियम नहीं देना होगा। बीमा राशि का निर्धारण पशु की नस्ल, उम्र व दुग्ध उत्पादन क्षमता के आधार किया जायेगा लेकिन किसी भी स्थिति में बीमा की अधिकतम राशि 40 हजार रुपये से अधिक नहीं होगी। पशुओं के बीमा के लिए निर्धारित उम्र अनुसार गाय की उम्र 3 से 12 वर्ष और भैंस की 4 से 12 वर्ष होनी चाहिए।

इसी प्रकार बकरी और भेड़ की उम्र 1 से 6 वर्ष जबकि ऊंट की उम्र 2 से 15 वर्ष होनी चाहिए। योजना का क्रियान्वयन ट्रस्ट मोड पर राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग द्वारा किया जाएगा जबकि पशुपालन विभाग नोडल विभाग होगा। राज्य बीमा एवं प्रावधायी निधि विभाग (साधारण बीमा) विभाग चयनित पशुपालकों के पशुओं का बीमा कराने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत ध राजस्व ग्राम हेतु तिथिवार कार्यक्रम निर्धारित करेगा जिसकी सूचना पशुपालकों को एसएमएस या अन्य माध्यम से दी जायेगी। समस्त बीमा प्रक्रिया उपरान्त पशुपालक को मोबाईल पर एसएमएस के माध्यम से बीमा पॉलिसी का लिंक प्राप्त होगा। यदि बीमित पशु का टैग किसी कारणवश गुम हो जाता है तो उस स्थिति में पशुपालक को बीमा विभाग को सूचना देनी होगी। सूचना प्राप्त होने के 1 दिन के भीतर बीमा विभाग पशु का री-टैगिंग करवाकर पॉलिसी एवं सॉफ्टवेयर में नये टैग की प्रविष्टि करेगा। पशुपालक द्वारा पशु की बिक्री ध उपहार दिये जाने की स्थिति में बीमा पॉलिसी समाप्त मानी जायेगी। बीमित पशु की मृत्यु होने पर पशुपालक द्वारा शीघ्र ही इसकी सूचना बीमा विभाग को देनी होगी।बीमा प्रतिनिधि द्वारा सर्वे तथा पशु चिकित्सक द्वारा मृत पशु का पोस्टमॉर्टम परीक्षण कर समस्त प्रक्रिया को निर्धारित सॉफ्टवेयर ऐप में इन्द्राज किया जायेगा।

भगवान श्रीकृष्ण की सजाई झांकी

निवाई। ग्राम खेडी गोकुलपुरा में विष्णुशरणदास महाराज के सानिध्य में आयोजित सप्त दिवसीय भागवत कथा ज्ञान गंगा में कथा प्रसंग में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव को धूमधाम से मनाया गया जिसमें बाल कृष्ण लीलाओं का भव्य चित्रण हुआ। इस दौरान नन्द बाबा व भगवान श्रीकृष्ण की सजीव झांकी सजाकर जमकर भक्ति नृत्य किया। विष्णुशरणदास महाराज ने कहा कि कथा सुनने से घर में सुख-शान्ति व लक्ष्मी का निवास होता है। इस अवसर पर भजन सम्राट गौ ऋषि प्रकाशदास महाराज, रोटी वाले बाबा, आचार्य नीरज शर्मा, भूतेश्वर महादेव मंदिर के युवराज महेश महाराज सहित कई साधु संत मौजूद थे। कथा में नवाबसिंह राठौड़, अजीतसिंह राठौड़, रुद्र बन्ना, जुली राठौड़, हितांशप्रताप सिंह, कमला तोमर, मालती राजपूत, दयासागर राजपूत, हरकिशनसिंह राजपूत, हर्ष कुमारी, ताराचंद महर, प्रतापसिंह राजपूत, रीना भदौरिया, मुनेंद्र भदौरिया, विनीता भदौरिया, कौशलेंद्र भदौरिया, दीपक राठौड़, करण तोमर, विश्वजीतसिंह चंदेल, साहिल राजपूत व प्रिंस राजपूत सहित कई श्रद्धालु मौजूद रहे।

लाखों की चोरी का अभी तक नहीं हुआ खुलासा, आठ दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली

पावटा। प्रागपुरा थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं, जिसके कारण प्रागपुरा थाना पुलिस की कार्यप्रणाली भी सवालों के घेरे में है।

मामला पावटा कस्बे की राठी कॉलोनी के में हुई चोरी से जुड़ा है । मकर संक्रांति पर्व 14 जनवरी की रात को पावटा कस्बे की राठी कॉलोन में हुई चोरी में चोर लाखों के सोने-चांदी के जेवरात व 10 लाख नकदी पर हाथ साफ कर चंपत हो गये थे। घटना के आठ दिन बीत जाने के बाद भी अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं। पावटा कस्बे की राठी कॉलोनी निवासी मातादीन गुप्ता और उनका परिवार मकर संक्रांति पर्व पर खाटूश्याम दर्शन के लिए घर से बाहर गए हुए थे।

उन्होंने घर पर ताला लगाया हुआ था। इसके बाद जब वो रात को घर पहुंचे तो उन्हें घर का ताला टूटा मिला। जब वो घर के अंदर गए तो अलमारियों के ताले भी टूटे हुए थे। गहनों के डब्बे खाली थे। चारों ओर सामान बिखरा हुआ था। पीड़ित मातादीन गुप्ता ने बताया उनके घर में बेटियों की शादी के लिए पाई पाई जोड़ कर खरीदे सोने-चांदी के गहने व 10 लाख रुपए नकदी रखे हुए थे। सोने-चांदी के गहनो की कीमत लाखों रुपये के आस पास थी।

चोर सब ले उड़े। इस संबंध में उन्होंने प्रागपुरा थाना पुलिस में चोरी की एफआईआर भी लिखाई है। आठ दिन बीत जाने के बाद भी चोरों को पकड़ने में पुलिस अब तक असफल रही है। क्षेत्र में सक्रिय चोरों तक पुलिस के हाथ नहीं पहुंच पा रहे हैं। चोरों का सुराग लगा पाना तो दूर, पुलिस वारदातों को अंजाम दे रहे गिरोह को ट्रेस करने में भी नाकाम साबित हुई है। पांच दिन बाद भी पुलिस के हाथ खाली हैं।

क्षेत्र में सक्रिय चोरों ने एक के बाद एक चोरियों को अंजाम देकर पुलिस को खुली चुनौती दी है। अपराध पर अंकुश लगाने के नाम पर पुलिस अधिकारी आए दिन बैठकें कर नई-नई रणनीति बनाने का दावा करते रहते हैं, लेकिन धरातल पर पुलिस के दावे खोखले साबित हो रहे हैं।

मजबूरी में ही सही, पुलिस चोरियों के खुलासे को हाथ पैर तो मार रही है, लेकिन कामयाबी उससे कोसों दूर है। चोरियों से जुड़ा एक भी ठोस सुराग जुटाने में पुलिस विफल साबित हुई है। किसी गिरोह को भी ट्रेस नहीं किया जा सका है। वहीं वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया पुलिस पूछताछ में जुटी है। आस पास के के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। पुलिस टीम गठित कर दी गई है। घटना के दौरान घर के आसपास किन-किन लोगों की गतिविधियां थी, इसकी भी जानकारी जुटाई जा रही है। उन्होंने कहा जल्द चोरी के मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

सामुदायिक गतिशीलता आमुखीकरण का आयोजन

निवाई। राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भगत सिंह कॉलोनी निवाई में सामुदायिक गतिशीलता के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय एक दिवसीय आमुखीकरण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा अर्चना करके किया गया। इस अवसर पर मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मंजू मीणा, अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी रमेशकुमार विजय, लेखाधिकारी रेनू शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी ओमप्रकाश गौतम एवं रामकिशन बैरवा सहित 25 ग्राम पंचायत के संस्था प्रधान व 17 जन प्रतिनिधि मौजूद थे। कार्यक्रम में दक्ष प्रशिक्षक डॉ. कुसुम कौशिक ने बताया कि विद्यालय विकास एवं प्रबंधन समिति की सीख, सुविधा, सुप्रबंधन, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा पांच प्रकार की जिम्मेदारी है। किस प्रकार समुदाय, शिक्षक, अभिभावक व बच्चों की सहभागिता करें जिससे समाज व विद्यालय का ताना-बाना ढीला ना हो सके। इस अवसर पर चतुर्भुजपुरा सरपंच अनीता मीणा, नटवाड़ा सरपंच कैलाशी देवी, सिरोही उप सरपंच जगदीश सोनी, राहोली से जन प्रतिनिधि शंकरलाल अटल, बड़ागांव उप सरपंच हंसराज गुर्जर, जिला जनप्रतिनिधि जितेंद्रकुमार रैगर, मूंडिया जनप्रतिनिधि ममता देवी मीणा व जुगलपुरा से गजानन सैनी ने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि ग्रिाम पंचायत, एमसी व एसडीएमसी के सदस्यों के साथ सुदढीकरण करके कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर संस्था प्रधान सुमन शर्मा, विनोद तिवारी, नरेंद्र कुमार गुप्ता व अनुराधा वर्मा ने भी संभागियों की भागीदारी सुनिश्चित करने में सहायक भूमिका निभाई। एक दिवसीय आमुखीकरण में मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी मीणा ने बताया कि एकदिवसीय आमुखीकरण से समिति के सभी सदस्यों का क्षमता संवर्धन व विद्यालय के विकास में भागीदार होगी।

'आपका विधायक आपके द्वारा' कार्यक्रम के तहत विधायक धनकड़ ने सुनी जनता की समस्या,

पावटा । विराटनगर विधानसभा क्षेत्रीय विधायक कुलदीप धनकड़ द्वारा पावटा प्रागपुरा नगरपालिका क्षेत्र में पावटा कस्बे की जनता से वार्डो में जाकर नियमित संवाद कर, जनसमस्याओं को सुन उसके निस्तारण के लिए गुरुवार को पावटा कस्बे के रामलीला मैदान चौक, पटेलो का मोहल्ला, नई सब्जी मंडी सार्वजनिक चौक, प्रजापति मोहल्ला माता की गाडी मस्जिद चौक, गंगा मंदिर प्रांगण, मोटाका मोहल्ला, राठी कॉलोनी सार्वजनिक चौक, कुनेड सार्वजनिक चौपाल,कुनेड पुराला की ढाणी तेजाजी मंदिर, बोहरा मोहल्ला शिव मंदिर कुनेड, ढाणी बीरमाला कुनेड, हीरनंदाला की ढाणी कुनेड, ढाणी भोमदास वाली कुनेड, केरली की ढाणी कुनेड में आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया गया। पावटा बालाजी मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र राठी ने बताया कि जहां वार्डो से आए फरियादियों ने अपनी अपनी समस्याओं को विधायक धनखड के समक्ष रखा। विधायक धनखड ने क्रमवार तरीके से सभी की शिकायतों को सुन अश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों की जल्द से जल्द जाँच कराते हुए शिकायतों का समाधान किया जाएगा। वहीं संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्यवाही करने बारे निर्देश दिये। वहीं उन्होंने वार्डो में सीसी रोड, इंटर लॉकिंग सड़क, हाइ मास्क लाइट, नालियों का निर्माण, रामलीला मैदान परिसर को सीसी करने, शटर लगाने सहित विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की। उन्होंने कहा कि अपने क्षेत्र का विकास करवाना उनका कर्तव्य है और उनका प्रयास है कि विराटनगर विधानसभा क्षेत्र विकास कार्यों में अग्रणी बने।

केरली की ढाणी कुनेड में आपका विधायक आपके द्वार जनसुनवाई शिविर का आयोजन किया ।

- विधायक ने तत्काल कार्यवाही को लेकर अधिकारियों को निर्देशित कर समस्याओं के समाधान का दिया आश्वाशन

सार-समाचार

यातायात नियमों की पालना करने के लिए किया प्रेरित

निवाई। पुलिस थाना के बाहर थानाधिकारी सूरजमल चौधरी के नेतृत्व में यातायात जागरूकता अभियान को लेकर वाहन चालकों को माला पहनाकर व पुष्प भेंट कर यातायात नियमों की पालना करने के लिए प्रेरित किया। यातायात प्रभारी सांवरमल जाट, कानि भागचन्द, जय प्रकाश व उगन्ता ने वाहन चालकों को यातायात नियमों की पालना करने के लिए प्रेरित करते हुए वाहन चालकों को यातायात के नियमों की जानकारी दी। उन्होंने वाहन चालकों को हेलमेट पहनने, क्षमता से ज्यादा सवारी नहीं बैठाने, सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से व नशे में वाहन नहीं चलाने, वाहन चलाते समय मोबाईल पर बात नहीं करने, वाहनों को रोंग साईड में नहीं चलाने एवं लाइसेंस सहित वाहन के अन्य दस्तावेज साथ रखने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभियान को लेकर वाहन चालकों को यातायात के नियमों की जानकारी देते हुए यातायात के नियमों की पालना करने के लिए चालकों को माला पहनाकर व पुष्प भेंट कर प्रेरित किया। यातायात प्रभारी सांवरमल जाट ने बताया कि यातायात नियमों का उलंघन करने पर 15 वाहनों पर कार्रवाई की गई।

चंद्र बोस जयंती पर पथ संचलन निकाला

बौंली-बामनवास । आदर्श विद्या मंदिर रामशाला चौक एवं बालिका आदर्श विद्या मंदिर छोटा बाजार बौंली के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार 23 जनवरी को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पथ संचलन निकाला। पथ संचलन से पूर्व आदर्श विद्या मंदिर प्रांगण में नेताजी सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर भारतीय शिक्षा समिति गंगापुर सिटी के सचिव जगदीश प्रसाद शर्मा, प्रधानाचार्य प्रेमराज सिंह, हनुमान प्रसाद शर्मा, बालिका विद्यालय के प्रधानाचार्य तुलसी नारायण सैनी एवं गोविंद नारायण भदोरिया ने सुभाष चंद्र बोस के चित्र पर दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। पथ संचलन में विद्यालय के एक भैया को सुभाष चंद्र बोस बनाकर घोड़ी पर बैठाया गया। पथ संचलन को(विद्यालय के पूर्व छात्र) लखनऊ के नर्सिंग ऑफिसर मोहित सोनी एवं विद्यालय समिति की अध्यक्ष मंजू लता सिंघल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पथ संचलन आदर्श विद्या मंदिर रामशाला चौक से प्रारंभ होकर मुख्य बस स्टैंड, सदर बाजार होता हुआ जगत शिरोमणि जी मंदिर मार्ग से छोटा बाजार होते हुए वापस विद्या मंदिर पर जाकर समापन हो गया। पथ संचलन के दौरान नागरिकों ने जगह-जगह रंगोलिया सजाकर पुष्प वर्षा की।

बस चलाने से रोडवेज का इनकार

सांभरझील, (निसं)। सांभर से अजमेर व अजमेर से सांभर रोडवेज की बसों का पुनः संचालन के लिए अजमेर रोडवेज आगार ने पूरी तरह से हाथ खड़े कर दिए हैं। राष्ट्रदूत की ओर से कोरोना काल की आड़ में बंद की गई इन बसों का संचालन करवाने के लिए विधायक, पूर्व विधायक, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों का ध्यान आकर्षित करवाया लेकिन इनमें से किसी एक को भी इसीलिए सफलता नहीं मिली क्योंकि उनकी ओर से शुद्ध इच्छा से कोई प्रयास ही नहीं किया गया, जब प्रयास ही नहीं किया गया तो बसें रुकती भी कैसे? यानी कुल मिलाकर क्षेत्र की जनता विगत 5 वर्षों से परेशान है और जिस हिसाब से यहां के नेता दोनों दलों के अपनी भूमिका अदा कर रहे हैं उस हिसाब से कल्पना करना बेकार है कि शीघ्र कोई बस रुकवाने के लिए रास्ता निकलेगा। सांभर निवासी टीकम सैनी ने सरकार के पोर्टल पर जब इसकी जानकारी मांगी तो अजमेर आगार की तरफ से जवाब आया की "सांभर से अजमेर रोडवेज की बसों का संचालन संसाधन के अभाव में संभव नहीं है।" यानी रोडवेज ने एक लाइन का उत्तर देकर अपना पिंड छुड़ा लिया, लेकिन इसके समुचित कारण नहीं बताएं कि इसकी मुख्य वजह क्या है।

दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

पावटा। प्रागपुरा थाना पुलिस ने पावटा कस्बे के सार्वजनिक स्थानों पर हथियार लहराकर दहशत फैलाने और धमकियां देने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार किए हैं। जिला कोटपूतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया कि अवैध गतिविधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा समझ से आसूचना संकलन कर सुरेंद्र यादव पुत्र मालाराम निवासी श्याम कॉलोनी पावटा, तिलक शर्मा पुत्र उमेश शर्मा निवासी लाडाकाबास को गिरफ्तार करने में सफलता अर्जित की है। वहीं अन्य सह अभियुक्तों की तलाश जारी है। वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत ने बताया कि देवेंद्र यादव निवासी ककराना ने प्रागपुरा थाना पुलिस में मामला दर्ज करवाया था कि मेरी लाइब्रेरी पर तिलक शर्मा वगैरा ने छात्रों को हथियार दिखाकर मारने पीटने की धमकी दी है। जिस पर आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया।

कबड्डी प्रतियोगिता टीम का चयन

मालपुरा । राज्य सरकार एवं शिक्षा विभाग के आदेशो की पालना मे गुरूवार को राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय अम्बापुरा मे वार्षिक उत्सव समारोह पूर्वक आयोजित कर भामाशाहाओं का किया गया सम्मान। गुरूवार को आयोजित वार्षिक उत्सव समारोह मे टोरडी पीईईओ मो. जाहिद,वार्ड पंच सुरेश सैनी,समाजसेवी रामपाल शर्मा,माजिद अली, प्रधानाचार्य निर्मला बोहरा,सुर्यकांत दायमा ने सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवल्लित कर समारोह का शुभारम्भ किया। विद्यालय की बालिकाओं ने अनेक प्रस्तुतियो से अतिथियो व अभिभावको की तालियां बटोरी। अध्यापक अरूण काबरा ने बताया कि समारोह मे गतवर्ष विद्यालय मे टॉपर रहै बच्चो व भामाशाहाओं का सम्मान किया गया। प्रधानाध्यापक अ. मारूफ ने अतिथियो का सम्मान कर विद्यालयो की गतिविधियो पर प्रकाश डाला। संचालन अरूण काबरा ने किया। वही टोंक जिला कबड्डी संघ द्वारा सादात क्लब खेल मैदान पर जिला स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदेश स्तरीय टीम का चयन किया। जो कि जोधपुर मे आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मे भाग लेगी।

आरोपी को किया गिरफ्तार

पावटा। प्रागपुरा थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन व परिवहन में बजरी से भरा एक डंपर जप्त कर एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। जिला कोटपूतली बहरोड़ पुलिस अधीक्षक राजन दुष्यंत ने जानकारी देते हुए बताया की संपूर्ण जिले में अवैध बजरी खनन के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई हेतु अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कोटपूतली वैभव शर्मा के सुपरविजन व वृत्ताधिकारी वृत्त विराटनगर शिप्रा राजावत के निर्देशन एवं प्रागपुरा थाना प्रभारी अंकित सामरिया के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा अवैध बजरी परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अभियुक्त सुभाष पुत्र रामचंद्र निवासी बनाडी तन भूरी भड़ाज को गिरफ्तार करते हुए बजरी से भरा डंपर जप्त कर एमएमडीआर एक्ट में मामला पंजीबद्ध किया गया है।

चंद्र बोस की 127 वी जयंती मनाई

श्रीमाधोपुर। महात्मा गाँधी पी.जी. कॉलेज में एनसीसी व राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के संयुक्त तत्वाधान में क्रांतिकारी सुभाष चंद्र बोस की प्रतिमा के समक्ष पुष्प अर्पित कर पुष्पांजली अर्पित की गई। कार्यक्रम संयोजक मांगीलाल कुमावत ने बताया कि महाविद्यालय प्रांगण में सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर निदेशक मोहर सिंह खर्रा व प्राचार्य डॉ. वी.के .सैनी, उपप्राचार्य विजेंद्र कुमार पूनिया, एनएसएस प्रभारी सुशीला देवी, विज्ञानं संकाय प्रभारी वीरेंद्र यादव के द्वारा पुष्प अर्पित कर 127 वी जयंती मनाई। हिंदी व्याख्याता दयाराम के सानिध्य में सुभाष चंद्र बोस की जयंती पर पर्यावरण संरक्षण संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

एक वांछित आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशन में चलाये जा रहे अभियान के तहत वृताधिकारी निवाई मृत्युजय मिश्रा एवं दत्तवास थानाधिकारी हीरालाल के नेतृत्व में गठित टीम ने अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट प्रकरण में वांछित आरोपी कालूराम उर्फ हीरालाल उर्फ राजेश पुत्र सुरज्ञान माली उम्र 35 साल निवासी दतुली थाना मित्रपुरा जिला सवाईमाधोपुर को गिरफ्तार किया हैं।

सुभाष चंद्र बोस 128वी जयंती मनाई

मनोहरपुर । कस्बे के टोल के पास स्थित ऑक्सफोर्ड सनशाइन विद्यालय प्रांगण में गुरुवार को नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 128 वी जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा मां सरस्वती एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर को रंगोली बनाकर सजाया गया तथा विद्यालय के नन्हे मुन्ने बालकों द्वारा मार्च पास्ट किया गया ॥

ऑलराउंडर बनने के लिए व्यक्ति को जीवन के शुरुआती सीखने के चरण में सर्वांगीण रूप से विकसित होने की आवश्यकता होती है।

- कपिल देव

पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान, स्कूल में खेल और आउटडोर गतिविधियों पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

डी गुकेश

वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश का टाटा स्टील चेस टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन जारी है। उन्होंने पांचवें राउंड के मुकाबले में बुधवार को विजक आन जी को मात दी। इस जीत से गुकेश को डबल फायदा हुआ। इस दौरान वह न सिर्फ भारत के नंबर वन खिलाड़ी बने बल्कि उन्होंने वर्ल्ड रैंकिंग में भी चौथा स्थान हासिल किया। गुकेश वर्ल्ड चैंपियन बनने के बाद पहली बार कोई टूर्नामेंट खेल रहे हैं।गुकेश ने कहा कि, एक बार जब मैं बोर्ड पर पहुंच जाता हूं तो आमतौर पर मुझे प्रतिद्वंद्वी की परवाह नहीं होती, चाहे वह एक अच्छा दोस्त हो या कोई और। ये हमेशा की तरह व्यवसाय होगा।

क्या आप जानते हैं ?... वनडे क्रिकेट में सबसे ज़्यादा शतक लगाने वालों की सूची में सबसे आगेविराट कोहलीहैं, जिन्होंने 295 मैचों में 50 शतक लगाए हैं।

एडम जम्पा आईएल टी-20 के तीसरे सत्र में शारजाह वॉरियर्स से जुड़े

शारजाह, 23 जनवरी। ऑस्ट्रेलिया के लेग स्पिनर और दाएं हाथ के बल्लेबाज एडम जम्पा डीपी वर्ल्ड आईएल टी-20 के तीसरे सत्र के शेष भाग में शारजाह वॉरियर्स के लिए खेलेंगे। उन्हें श्रीलंकाई विकेटकीपर बल्लेबाज कुसल मेंडिस की जगह टीम में शामिल किया गया है। एडम जम्पा ने शारजाह वॉरियर्स के साथ जुड़ने को लेकर कहा, मैं यूएई लौटकर और डीपी वर्ल्ड आईएलटी20 के तीसरे सत्र के लिए शारजाह वॉरियर्स में शामिल होकर बहुत खुश हूं।

वेंकटेश अय्यर रणजी ट्रॉफी मुकाबले के दौरान हुए चोटिल

तिरुवनंतपुरम, 23 जनवरी। केकेआर टीम को आईपीएल 2025 से पहले बड़ा झटका लगा है। दरअसल, रणजी ट्रॉफी 2024-25 का छठा राउंड शुरू हो चुका है। मध्य प्रदेश और केरल के बीच तिरुवनंतपुरम के ग्रीन फील्ड स्टेडियम में खेले जा रहे मैच में स्टार भारतीय ऑलराउंडर वेंकटेश अय्यर बुरी तरह से चोटिल हो गए हैं। जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर ले जाया गया है। अय्यर की चोट इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी केकेआर के लिए चिंता का विषय हो सकती है। मैच में एमपी की टीम पहले बल्लेबाजी करने के लिए मैदान पर उतरी और उनकी शुरुआत अच्छी नहीं रही। मध्य प्रदेश ने 49 रनों पर 4 विकेट गंवा दिए थे और उसके बाद अय्यर बल्लेबाजी के लिए मैदान पर उतरे लेकिन वे चोटिल हो गए और मैदान छोड़कर बाहर चले गए। अय्यर का बल्लेबाजी के दौरान टखना मुड़ गया। जिसके बाद वे मैदान पर लेट गए और दर्द से कराहने लगे। उन्हें मैदान पर तुरंत फिजियो ने ट्रीटमेंट दिया, जिसके बाद उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा। आईपीएल ऑक्शन में अय्यर को केकेआर ने 23.75 करोड़ रुपये की भारी बोली लगाकर खरीदा है। वहीं फ्रेंचाइजी उन्हें कप्तान बनाने के बारे में भी सोच रही थी। ऐसे में अय्यर की चोट टीम की सरदर्द न बन जाए। आईपीएल की शुरुआत 23 मार्च से होनी है। अगर एड़ी की चोट पर नजर डालें तो इसे ठीक होने में आमतौर पर 6-7 सप्ताह का समय लगात है। ऐसे में अब 6 सप्ताह का समय वेंकटेश को मिल सकता है लेकिन कई बार मामला गंभीर होने पर इसे ठीक होने में 5 से 6 महीने का भी समय लग जाता है और मोहम्मद शमी का उदाहरण भी हमारे सामने है।

राजस्थान-विदर्भ रणजी मैच

राजस्थान के खलील की घातक गेंदबाजी

जयपुर, 23 जनवरी। राजस्थान क्रिकेट संघ की मेजबानी में जयपुर में खेली जा रही बीसीसीआई की राष्ट्रिय सीनियर रणजी ट्रॉफी के आज से जयपुर में के एल सैनी स्टेडयम पर शुरु हुए राजस्थान - विदर्भ रणजी मैच के पहले दिन राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद की घातक गेंदबाजी व मानव सुथार, अजय कुकना के शानदार सहयोग से राजस्थान ने विदर्भ को पहली पारी में सस्ते में सिमेटा। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए विदर्भ टीम राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद , मानव सुथार व अन्य अजय कुकना की शानदार गेंदबाजी की सामने मात्र 165 रनो के स्कोर पर आल आउट हो गयी। टीम के लिए करुण नायर 39 , ऐ वाडकर 34 व हुते 34 रनो का योगदान दिया। राजस्थान के गेंदबाज खलील अहमद अहमद ने घातक गेंदबाजी करते हुए विदर्भ की आधी टीम को पवेलियन लौटाया। खलील ने 37/5 , मानव सुथार 40/3 व अजय कुकना 24/2 विकेट प्राप्त किये। पहले दिन का खेल समाप्त होने तक राजस्थान ने अपनी पहली पारी में 5 विकेट के नुकसान पर 101 रन बना लिए थे। कप्तान महिपाल लोमरोर नाबाद 44 रन बनाकर खेल रहे हैं। टीम के लिए महिपाल लोमरोर नाबाद 44 , शुभम गढ़वाल 22 , कार्तिक शर्मा 16 रनो का योगदान दिया। विधर्भ के गेंदबाज एस कापसे 17/2 , हर्ष दुबे , ऐ ठाकरे व हुते प्रत्येक 1-1 विकेट प्राप्त किये।

ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने इंग्लैंड को छह रन से हराया

कैनबरा 23 जनवरी। कप्तान तालिया मैक्ग्रा (नाबाद 48), बेथ मूनी (44) की शानदार बल्लेबाजी के बाद कसी हुई गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने गुरुवार को वर्षा बाधित मैच में इंग्लैंड को दूसरे टी-20 में छह रन से हरा दिया। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से अजेय बढ़त बना ली हैं। ऑस्ट्रेलिया के 185 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड के लिए मैया बाउचियर और डेनियल वायट की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के दौरान सुरक्षा के इंतजाम

15000 जवानों की होगी तैनाती, सड़कों पर होगी आर्मी

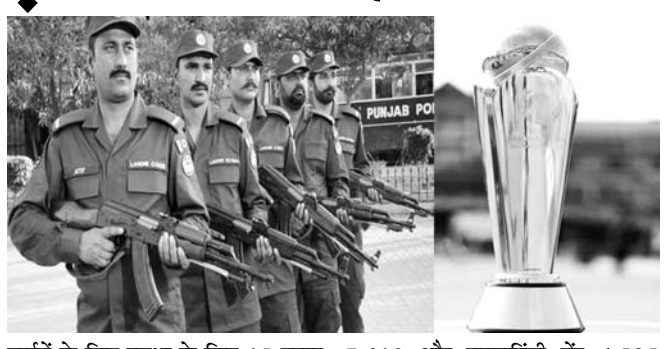

नई दिल्ली, 23 जनवरी। 19 फरवरी से पाकिस्तान में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी का आगाज होना है। सुरक्षा के कारण टीम इंडिया इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल के तहत दुबई में खेलेगी। जबकि अन्य 7 टीमें अपने सभी मैच पाकिस्तान में ही खेलेगी। वहीं अब इस टूर्नामेंट में सुरक्षा तैयारियों को लेकर कई खबरें सामने आ रही हैं। पिछले दिनों पाकिस्तान इस टूर्नामेंट की तैयारियां पूरी ना होने के कारण आलोचनाओं में घिरा रहा है। ऐसी कई तस्वीरें और वीडियो सामने आती रही हैं जिनमें कराची, लाहौर और रावलपिंडी के मैदानों में दर्शकों के बैठने की व्यवस्था तक दुरुस्त नहीं हुई है। वहीं अब पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड सुरक्षा व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा हुआ है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार कहा जा रहा है कि, पाकिस्तान इस टूर्नामें के लिए सुरक्षा के लिए 15 हजार सुरक्षा कर्मियों को तैनात करने वाला है। एक पाकिस्तानी चैनल के मुताबिक पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की पुलिस ने लाहौर और रावलपिंडी मैदानों की सुरक्षा के लिए 12,564 पुलिस कर्मियों की तैनाती का प्लान बनाया है। लाहौर में कुल 7,618 और रावलपिंडी में 4,535 पुलिस कर्मियों को तैनात किया जाएगा। इसके अलावा स्पेशल ब्रांच के 411 अधिकारी सारे सिक्योरिटी ऑपरेशन संभालेंगे। सुरक्षा व्यवस्था केवल मैदानी इलाकों के लिए नहीं बल्कि आसमान में भी आर्मी सुरक्षा व्यवस्था का खास ख्याल रखेगी। पुलिस कर्मी होटल से लेकर मैदान के रास्तों पर कैमरा फिट कर रही है। हर तरह से खिलाड़ियों की सुरक्षा का इंतजाम किया जा रहा है।

पाकिस्तान 29 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी करने जा रहा है। साल 2009 में श्रीलंकाई टीम पर हुए आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान पर सुरक्षा कारणों से लगातार सवाल उठते रहे हैं। लाहौर और रावलपिंडी के लिए सुरक्षा कर्मियों की संख्या सामने आ चुकी है लेकिन कराची को लेकर अभी तक अपडेट सामने नहीं आया है। बता दें कि, इतनी कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बावजूद भारतीय क्रिकेट टीम चैंपियंस ट्रॉफी खेलने पाकिस्तान नहीं आएगी। बीसीसीआई ने हाइब्रिड मॉडल की मांग की थी, जिसके तहत टीम इंडिया के सारे मैच दुबई में खेले जाएंगे।

रणजी ट्रॉफी: रोहित शर्मा से लेकर शुभमन गिल तक हुए फेल

बेंगलुरु, 23 जनवरी। खराब फॉर्म से जूझ रहे भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा और शुभमन गिल गुरुवार को रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के अपने-अपने मुकाबलों में विफल रहे, और सस्ते में आउट होकर पवेलियन लौट गये। आज यहां एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कर्नाटक के खिलाफ पंजाब के लिए खेल रहे। रणजी ट्रॉफी 2024-25 के इस सीजन में जम्मू-कश्मीर के सामने मुंबई ढेर हो गई। लेकिन शार्दुल ठाकुर ने अर्धशतकीय पारी खेलकर मुंबई का स्कोर 100 के पार पहुंचाने का काम किया। अगर शार्दुल ये पारी नहीं खेलते तो मुंबई का हाल और भी बुरा हो सकता है।इस मैच में मुंबई ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाज करने का फैसला किया था, लेकिन मुंबई के बल्लेबाजों ने जम्मू कश्मीर के गेंदबाजों के सामने घुटने टेक दिए। मुंबई की टीम महज 120 रन पर ही सिमट गई। मुंबई को इतने कम स्कोर पर समटने में जम्मू-कश्मीर के गेंदबाज उमर नजीर और युद्धवीर सिंह की बड़ी भूमिका रही।जम्मू-कश्मीर के खिलाफ इस मैच की पहली पारी में मुंबई के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 57 गेंदों पर 2 छक्के और 5 चौकों की मदद से 51 रन की पारी खेली और वो इस टीम के बेस्ट स्कोरर भी रहे। इसके अलावा तनुष कोटियान ने आखिरी समय पर 26 रन की अहम पारी खेली और इनकी बल्लेबाजी के दम पर मुंबई का स्कोर 120 रन तक पहुंच पाया। इस दौरान मैच में रोहित शर्मा 3 तो यशस्वी जायसवाल 4 रन पर आउट हो गए।दूसरी तरफ रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल के अलावा टीम इंडिया के अन्य स्टार खिलाड़ी शुभमन गिल, ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ी भी घरेलू मैचों में फेल साबित हुए। पंजाब की कप्तानी करने वाले शुभमन गिल का तो हाल ही बुरा रहा। उनकी पूरी टीम कर्नाटक के खिलाफ महज 55 रनों पर ही सिमट गई। तो दिल्ली की ओर से खेलते हुए ऋषभ पंत का बल्ला भी नहीं चला। सौराष्ट्र के खिलाफ मैच में वह महज एक रन ही बना पाए। धर्मेंद्र जडेजा ने उनको अपना शिकार बनाया। वहीं जम्मू-कश्मीर के खिलाफ यशस्वी जायसवाल, रोहित शर्मा और अजिंक्य रहाणे के बाद भारत के दो इंटरनेशनल खिलाड़ी श्रेयस अय्यर और शिवम दुबे भी कुछ खास नहीं कर सके। अय्यर 11 तो शिवम दुबे बिना खाता खोले ही पवेलियन लौटे।

सबालेंका लगातार तीसरी बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में

मैडिसन कीज ने इगा स्वातेक को सेमीफाइनल हराया; 25 जनवरी को खिताबी मुकाबला

मेलबर्न, 23 जनवरी। डिफेंडिंग चैंपियन एरिना सबालेंका ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 के फाइनल में पहुंच गई हैं। सबालेंका ने लगातार तीसरी बार ग्रैंड स्लैम के फाइनल में जगह बनाई। 25 जनवरी को खिताबी मुकाबले में उनका सामना अमेरिका की मैडिसन कीज से होगा।

मेलबर्न के रॉड लेवर एरिना में बेलारूस की सबालेंका ने स्पेन की पाउला बडोसा को हराया। उन्होंने 6-4, 6-2 के अंतर से जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियन ओपन में यह उनकी लगातार 20वीं जीत रही, वे 2023 और 2024 में भी टाइटल जीत चुकी हैं।

अमेरिका की मैडिसन कीज ने विश्व की दूसरे नंबर की खिलाड़ी पोलैंड की इगा स्वियाटेक को हराकर ऑस्ट्रेलियाई ओपन के फाइनल में जगह बना ली है जहाँ उनका मुकाबला दो बार की गत विजेता आर्यना सबालेंका से होगा।

आज यहां दो घंटे 35 मिनट तक चले मुकाबले में कीज ने पाँच बार की ग्रैंड स्लैम विजेता स्वियाटेक पर 5-7, 6-1, 7-6 (10-8) से चौंका देने वाली जीत दर्ज करते हुए अपने करियर के दूसरे बड़े फाइनल मुकाबले में जगह बनाई। पहले सेट में स्वियातेक ने अपने अनुभव और शानदार बैकहैंड के दम पर बढ़त बनाई। लेकिन कीज ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए यह सेट 7-5 से जीत लिया। इसके बाद दूसरे सेट में कीज ने आत्मविश्वास के साथ खेलते हुए स्वियातेक को 6-1 से हराया। तीसरा सेट संघर्ष पूर्ण रहा। टाईब्रेक में स्वियाटेक ने मैच पॉइंट हासिल किया, लेकिन कीज ने ध्यान और धैर्य से खेलते हुए बाजी पलट दी।

मैच के बाद मैडिसन कीज ने कहा, मैं यहां तक पहुँचने के लिए बहुत मेहनत की है और फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगी। एक अन्य मुकाबले में बेलारूस की शीर्ष वरीयता प्राप्त सबालेंका ने करीबी मित्र पाउला बडोसा पर 6-4, 6-2 की शानदार जीत के साथ 26 वर्षों में लगातार तीन ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाली पहली महिला बनने का मौका हासिल किया।

मैच के बाद सबालेंका ने कहा, मेरे रोंगटे खड़े हो गए हैं। मुझे खुद पर और अपनी टीम पर बहुत गर्व है कि हम स्वयं को ऐसी स्थिति में लाने में सक्षम थे। उन्होंने कहा, अगर मैं अपना नाम इतिहास में दर्ज कराती हूं तो यह मेरे लिए बहुत बड़ी बात होगी। मैं इसके बारे में सपने में भी नहीं सोच सकती थी।

मोदी और मांडविया ने शीतकालीन खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी

लेह, 23 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केन्द्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने गुरुवार को पांचवें खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी और संदेश के जरिए उनका उत्साहवर्धन किया। केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख के एनडीएस स्टेडियम में आज पांचवें खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों की शुरुआत हुई। मोदी ने शीतकालीन खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को सम्बोधित करते हुए संदेश में कहा, हमारी सरकार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में खेल विकास को पहली प्राथमिकता देती है। जम्मू-कश्मीर में 100 खेलो इंडिया केंद्रों और लद्दाख में तीन केंद्रों से हमारे प्रयास इस क्षेत्र को खेल उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आकार दे रहे हैं। खेलो इंडिया शीतकालीन खेल 2025 हमारी खेल उत्कृष्टता को अगले स्तर तक ले जाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा, हमारी सरकार लद्दाख और जम्मू-कश्मीर में खेल विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। जम्मू और कश्मीर में 100 खेलो इंडिया केंद्रों और लद्दाख में तीन है। इनमें एथलेटिक्स, तीरंदाजी और मुक्केबाजी के लिए लेह में एक राज्य उत्कृष्टता केंद्र भी शामिल है। इनके जरिए हमारा प्रयास इस क्षेत्र को खेल उत्कृष्टता के केंद्र के रूप में आकार दे रहा हैं।

रवींद्र जडेजा और हार्विक देसाई ने सौराष्ट्र को संकट से उबारा

राजकोट 23 जनवरी। रवींद्र जडेजा (पांच विकेट/38 रन) और हार्विक देसाई (93) रन के शानदार प्रदर्शन के दम पर गुरुवार को रणजी ट्रॉफी ग्रुप डी मुकाबले में सौराष्ट्र ने दिल्ली को 188 रन पर समेटने के बाद पांच विकेट पर 163 रन बनाकर मैच पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली हैं।

दिल्ली को 188 रन पर समेटने के बाद बल्लेबाजी करने उतरी सौराष्ट्र की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और उसने 73 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। हालांकि इस दौरान हार्विक देसाई एक छोर थामे खड़े रहे। रवींद्र जडेजा (38)रन बनाकर आउट हुये। दिन का आखिरी विकेट शतक की ओर बढ़ रहे हार्विक देसाई का गिरा। उन्होंने 120 गेंदों में आठ चौकों की मदद से 93 रनों की पारी खेली। दिन का खेल समाप्त होने के समय सौराष्ट्र ने पांच विकेट पर 163 रन बना लिये थे और वह अभी दिल्ली के स्कोर से 25 रन पीछे है। अर्पित वसावड़ा (नाबाद तीन) क्रीज पर मौजूद थे। दिल्ली की ओर से शिवम शर्मा को दो विकेट मिले। हर्ष त्योगी , आयुष बढ़ोनी और अमित राणा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली को सौराष्ट्र के रवींद्र जडेजा (पांच विकेट) और धर्मेन्द्र सिंह जडेजा (तीन विकेट) के कहर का सामना करना पड़ा। इन दोनों गेंदबाजों ने दिल्ली के आठ बल्लेबाजों को आउट किया। कप्तान आयुष बदोनी (60), यश ढुल (44), मयंक गुसैन (नाबाद 38), जोंटी सिद्धू (16) और सनत सांगवान (12) रन बनाकर आउट हुये। सौराष्ट्र के गेंदबाजों ने दिल्ली को 49.4 ओवर में 188 के स्कोर पर समेट दिया।

भारतीय महिला टीम ने श्रीलंका को 60 रनों से हराया

क्वालालंपुर 23 जनवरी। जी तृषा (49) रनों की पारी के बाद शबनम, जोशिता और परुनिका की धारदार गेंदबाजी के दम पर भारतीय महिला टीम ने गुरुवार को अंडर-19 टी-20 विश्वकप मुकाबलें में श्रीलंका को 60 रनों से हराया। भारत के 118 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका के बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे तू चल मैं आया की तर्ज पर अंतराल पर अपने विकेट गवांते रहे।भारतीय गेंदबाजों ने श्रीलंकाई बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया और श्रीलंका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नौ विकेट पर 58 रन ही बना सकी तथा 60 रनों से मुकाबला हार गई। श्रीलंका की ओर से केवल रश्मिका सेवांडी (15) ही दहाई आंकड़े तक पहुंच सकी। भारत के लिए शबनम, जोशिता और परुनिका सिसोदिया ने दो-दो विकेट लिए। आयुषी शुक्ला और वैष्णवी शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां श्रीलंका की टीम ने टॉस जीत कर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने जी तृषा (49), कप्तान निक्की प्रसाद (11), मिथिला विनोद (16) और वीजे जोशिता (14) रनों के योगदान से निर्धारित 20 ओवरो में नौ विकेटपर 118 का स्कोर खड़ा किया। श्रीलंकाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे तृषा को छोड़कर कोई भी भारतीय बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। श्रीलंका की ओर से असेनी थलागुने, लिमांसा थिलाकरत्ना और प्रमुदी मेथसारा ने दो-दो विकेट लिये।

मलेशिया को हराकर वेस्टइंडीज महिला अंडर-19 विश्वकप के सुपर सिक्स में : असाबी कॉलेंडर (30) रन के बाद समारा रामनाथ (चार विकेट) की शानदार प्रदर्शन के दम पर वेस्टइंडीज ने गुरुवार को मेजबान मलेशिया को 53 रनों से हराकर महिला अंडर-19 टी-20 विश्वकप के सुपर सिक्स चरण में जगह बना ली हैं। वेस्टइंडीज के 112 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मलेशिया की पूरी टीम वेस्टइंडीज के गेंदबाजी आक्रमण के आगे 18 ओवर में 59 रन पर ढ़ेर हो गई। नूर दानिया स्यूहादा ने (12) रन बनाये। शेष बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। वेस्टइंडीज के लिए समारा रामनाथ को चार विकेट मिले। नाइजैनी कम्बरबैच और एरिन डीन ने दो-दो बल्लेबाजों को आउट किया। जी क्लैक्सटन को एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां मलेशिया की महिला टीम ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

// जयपुर पोलो सीजन 2025 //

जयपुर टीम के हिम्मत और वाटसन के चौके, पदमनाभ सिंह के पंजे से वी पोलो ढेर

जयपुर, 23 जनवरी। जयपुर पोलो सीजन 2025, राजमाता गायत्री देवी मेमोरियल कप (06 गोल) गुरुवार को तीन मैच खेले गए। पहला मैच वी पोलो बनाम जयपुर के बीच खेला गया जिसमें जयपुर ने वी पोलो को साढ़े आठ के मुकाबले तेरह गोल से हराया। जयपुर की ओर से हिम्मत सिंह और लांस वाटसन ने 4-4, महाराज पदमनाभ सिंह ने 5 गोल किये। वी पोलो जबकि टीम को डेढ़ गोल का एडवांटेज मिला हुआ था।

डेल्टा पोलो ने चांदना मेफेयर को छह गोल के मुकाबले सात गोल से हराया : दूसरा मैच डेल्टा पोलो बनाम चांदना मेफेयर के बीच खेला गया। डेल्टा पोलो ने चांदना मेफेयर को छह गोल के मुकाबले सात गोल से हराया। चांदना मेफेयर की ओर से सिद्धान्त शर्मा ने 5, ओर सिमरन शेरगिल ने 1 गोल किये।

वहीं डेल्टा पोलो की ओर से विश्वरूप बजाज ओर अभिमन्यु पाठक ने 2-2, जुअन्क्ले ने 3 गोल किये।

अरावली पोलो ने रामबाग पोलो को 4 के मुकाबले 5 गोल से हराया : तीसरा मैच अरावली पोलो बनाम रामबाग पोलो टीम के बीच खेला गया, जिसमे अरावली पोलो ने रामबाग पोलो को 4 के मुकाबले 5 गोल से हराया। अरावली की ओर से डिनो धनखड़ और जयवीर सिंह ने 1-1 और मैनुअल एफ लोरंटे ने 3 गोल किये। रामबाग पोलो की ओर से सलीम आज़मी ने 1, ध्रुवपाल गोदारा ने 2 ओर शमशीर अली ने 1 गोल किया।

इनविटेशन गोल्फ कप 25 को

पुरुष, महिला, वेटरन (60), और मेम्बर आदि श्रेणियों में प्रतिभागी होंगे शामिल

दिल्ली से प्रसिद्ध महिला गोल्फर श्वेता मान सिंह भी रहेंगी उपस्थित

जयपुर, 23 जनवरी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)-वेदांता हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड इनविटेशन गोल्फ कप का 5वां संस्करण 25 जनवरी, शनिवार को रामबाग गोल्फ क्लब में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट में गोल्फर्स सहित ब्यूरोक्रेट्स, इंडस्ट्री मेंबर्स, जज, आर्मी, रेलवे ऑफिसर्स आदि जैसी विभिन्न पृष्ठभूमियों से लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा लेने जा रहे हैं, इनमें महिला गोल्फर्स भी शामिल होंगी। इस वर्ष टूर्नामेंट में प्रसिद्ध महिला गोल्फर श्वेता मान सिंह भी उपस्थित रहेंगी। यह आयोजन खेल और कॉरपोरेट्स को एक साथ लाने और एक स्वस्थ व फिट जीवन शैली अपनाने के लिए बढ़ावा देने की एक पहल है। यह जानकारी आज रामबाग गोल्फ क्लब (आरजीसी) में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन, गौरव रूंगटा ने दी गई। इस अवसर पर रामबाग गोल्फ क्लब के कैप्टन, योगेन्द्र सिंह ने कहा कि सीआईआई द्वारा यह आयोजन न केवल गोल्फर्स और इंडस्ट्री के मेम्बर्स को साथ लाने का प्रयास है बल्कि गोल्फ खेल को प्रमोट करने के लिए भी अच्छी पहल है। वहीं रामबाग गोल्फ क्लब के सचिव, समृद्ध शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास है कि इस खेल को हम नई ऊंचाइयों तक ले जाएं। हमारे खिलाड़ी सिर्फ राजस्थान ही नहीं बल्कि देश में भी अपनी पहचान बनाएं।

सीआईआई राजस्थान के पूर्व चेयरमैन, विशाल बैद ने टूर्नामेंट के बारे में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि टूर्नामेंट में पुरुष, महिला, वेटरन (60), और मेम्बर आदि श्रेणियों में खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। यह स्टैबलफोर्ड सिंगल पियरियो फॉर्मेट में खेला जाएगा। टूर्नामेंट के विजेताओं और उप विजेताओं के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इसमें 0-12, 13-17, और 18-24 वर्ग में पुरुषों के लिए अलग-अलग श्रेणियां होंगी। वहीं बेस्ट वेटरन गोल्फर, बेस्ट लेडी गोल्फर, बेस्ट सीआईआई गोल्फर, और बीट द प्रो श्रेणियों में भी विजेताओं की घोषणा की जाएगी। इसके अतिरिक्त, लॉन्गेस्ट ड्राइव, क्लोज़ेस्ट टू द पिन, और स्ट्रेटेस्ट ड्राइव श्रेणी में ट्रॉफियां प्रदान की जाएंगी। सीआईआई की सीएसआर गतिविधि के बारे में बताते हुए वरिष्ठ निदेशक एवं प्रमुख सीआईआई राजस्थान, नितिन गुप्ता ने कहा कि इस पहल के तहत करीब 140 कैडीज को जैकेट्स वितरित किए गए हैं। इस दौरान टूर्नामेंट की ट्रॉफी का भी अनावरण किया गया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की "सशक्त नींव-उज्ज्वल भविष्य" की थीम पर आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके लिये स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है।

"सशक्त नींव-उज्जवल भविष्य" की थीम पर आयोजित हुई एक दिवसीय कार्यशाला

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आईसीडीएस फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण के लिये धौलपुर में स्किल लैब का वर्चुअल उद्घाटन किया

- **मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में 43 लाख बच्चों और महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है।**

जयपुर, 23 जनवरी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाएं हमारी आधी आबादी हैं और बच्चे हमारे भविष्य की नींव हैं। उनके विकास और सशक्तिकरण से ही हमारा देश-प्रदेश मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि महिलाओं और बच्चों के जीवन को बेहतर बनाने, उनके लिये स्वास्थ्य एवं गुणवत्तापूर्ण पोषण सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। साथ ही, राज्य सरकार महिला सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा गुरूवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में महिला एवं बाल विकास विभाग की 'सशक्त नींव-उज्ज्वल भविष्य' की थीम पर आयोजित आमुखीकरण कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए विभागीय योजनाओं का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के लगभग 43 लाख बच्चों और महिलाओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से पोषाहार उपलब्ध कराया जा रहा है। पोषाहार की गुणवत्ता के लिए ओ.टी.पी. आधारित प्राप्ति तथा चेहरे से पहचान जैसे नवाचार किए गए हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अमृत आहार योजना के माध्यम से बच्चों को अतिरिक्त पोषण के रूप में गर्म दूध उपलब्ध कराया जा रहा है। शर्मा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा लाड़ो प्रोत्साहन योजना लागू की गई है। इसमें बालिका के जन्म से उसके स्नातक तक की शिक्षा पूरी करने तक एक लाख रु. की राशि की सहायता का प्रावधान किया गया है।

उपमुख्यमंत्री और महिला एवं बाल विकास मंत्री दिया कुमारी ने मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर यह आमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें विभाग की सबसे छोटी इकाई से लेकर विभागीय अधिकारियों तक के लिए एक मंच पर संवाद हुआ है। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने आईसीडीएस फील्ड कार्मिक प्रशिक्षण के लिए धौलपुर में स्किल लैब का वर्चुअल उद्घाटन किया। नवीनतम तकनीक से लैस इस स्किल लैब के शुभारंभ से आईसीडीएस कार्मिकों के प्रशिक्षण में सुविधा मिलेगी। इससे संबंधित लघु फिल्म का प्रदर्शन भी इस दौरान किया गया। साथ ही, सखी, वन स्टॉप सेंटर 181 के पोस्टर, डीबीटी के साथ व्यवहार परिवर्तन की रणनीति के पोस्टर तथा कालीबाई भील उड़ान योजना की पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

मुख्यमंत्री ने सैल्फी बूथ पर फोटो भी खिंचवाई। कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के संचालन में उत्कृष्ट कार्मिकों का सम्मान भी किया गया। मुख्यमंत्री ने बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ तथा बाल विवाह को रोकने के लिए उपस्थित जनसमूह को शपथ भी दिलवाई।

इस दौरान, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास महेन्द्र सोनी, निदेशक आईसीडीएस ओ पी बुनकर सहित वरिष्ठ अधिकारीगण, विभागीय कार्मिक एवं बड़ी संख्या में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, पर्यवेक्षक, साथिन उपस्थित रहे।

सचिन पायलट ने गुर्जर समाज से एकजुट होकर आगे बढ़ने का आव्हान किया

गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के भवन के भूमि पूजन में पायलट के साथ केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर भी शामिल हुए

जयपुर, 23 जनवरी। गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद (जीकेप) के भवन का भूमि पूजन एवं भामाशाह सम्मान समारोह मेट्रो एन्क्लेव मानसरोवर बी-2 बाईपास में सम्पन्न हुआ। प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह तंवर ने बताया की भूमि पूजन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व उपमुख्यमंत्री एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री सचिन पायलट रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता कृष्णपाल गुर्जर केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री ने की।

विशिष्ट अतिथि के रूप में गोरधन भाई झड़पिया पूर्व गृह राज्य मंत्री गुजरात, अनंतराम तंवर, सतीश पटेल रहे।

इस मौके पर, पायलट ने समाज को एकजुट होकर आगे बढ़ने का आ ान किया, जीकेप भवन के कार्य में पारदर्शिता की तारीफ की ओर इस तरह के कार्यों में हर सम्भव सहयोग के लिए आस्वस्त किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे केन्द्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने 21 लाख रुपये का योगदान दिया।

गोरधन भाई झड़पिया ने सरदार धाम गुजरात से हरसंभव सहयोग की बात की। राष्ट्रीय गुर्जर समिति के अध्यक्ष अनंतराम तंवर ने जीकेप की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए भवन निर्माण हेतु 1 लाख रु का सहयोग किया।

इस मौके पर समाजसेवी सीताराम पोसवाल द्वारा 31 लाख के सहयोग की घोषणा की।

पूर्व जिलाप्रमुख अजीत सिंह महवा ने 10 गांवों से जीकेप भवन में 10 कमरे निर्माण की प्रतिबद्धता जाहिर की व उनकी माँ द्वारा एक कमरा निर्माण की राशि भेंट की गई।

पाली निवासी महाराष्ट्र से पधारे उद्योगपति नानाजी भाई द्वारा भी 4 लाख 61 की राशि प्रदान की। कोषाध्यक्ष जगदीश चेची ने बताया इस प्रकार इस समारोह में जीकेप सांस्थानिक भवन के लिए कुल 2 करोड़ 30 लाख रुपये की सहयोग राशि जुटाई।

इस सांस्थानिक भवन में गुर्जर समाज के बच्चों को रहने की व्यवस्था के साथ, लाइब्रेरी, डिजिटल लाइब्रेरी, कॉन्फ्रेंस हॉल, कोचिंग हॉल, ऑनलाइन क्लासेज हेतु स्टूडियो, गुर्जर संस्कृति केन्द्र, एक्सपर्ट के माध्यम से उच्च प्रशासनिक जैसे यूपीएससी, आरएएस, सेना, न्यायिक सेवा के पदों हेतु कोचिंग एवं इंटरव्यू, संस्था का प्रशासनिक खंड आदि की व्यवस्था रहेगी।

पूर्व मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह, हेमसिंह भड़ाना, आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला, विधायक सुरेश गुर्जर, पूर्व विधायक इंद्राज गुर्जर, धीरज गुर्जर, नगर निगम जयपुर ग्रेटर की महापौर डॉ सौम्या गुर्जर, पूर्व सभापति राजाराम गुर्जर, सभापति धनराज गुर्जर सहित दर्जनों अतिथियों ने सभा को संबोधित किया।

संस्था की कार्यकारिणी, भामाशाहों एवं समाज बंधुओं ने हजारों की संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाया। स्वागत भाषण संस्थापक रामफूल गुर्जर ने दिया व मंच का संचालन डॉ. रूपसिंह, महासचिव हंसराज गुर्जर व अतरसिंह छावड़ी ने किया।

संस्था के मार्गदर्शक प्रो पी एस वर्मा ने पधारे हुए महानुभावों का आभार व्यक्त करते हुए समापन की घोषणा की। यह जानकारी प्रवक्ता रामेश्वर गुर्जर ने दी।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने गुर्जर कर्मचारी अधिकारी कल्याण परिषद के भवन का भूमि पूजन किया। उन्होंने भवन के काम में पारदर्शिता की तारीफ की और इस तरह के कार्यों में हर सम्भव सहयोग के लिए आश्वस्त किया।

- **कार्यक्रम में अनेक नेताओं और समाजसेवियों ने भवन निर्माण के लिये योगदान देने की घोषणा की। परिषद के कोषाध्यक्ष जगदीश चेची ने बताया कि इस समारोह में भवन के लिये कुल 2 करोड़ 30 लाख रूपये की सहयोग राशि जुटाई गई।**

आप अपने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

तथा कांग्रेस बढ़कर 21 प्रतिशत पर पहुँच गई। भाजपा का वोट शेयर केवल 4% ज्यादा था, लेकिन उसकी इकतरफा जीत हुई।" आप, जो अपना अब तक का सबसे मुश्किल चुनाव लड़ रही है, का मानना है कि अगर वह 70 में से 50 से अधिक सीटें जीत जाती है, तो उसकी स्थिति सुविधाजनक रहेगी। इससे कम सीटों की स्थिति में, आप का शीर्ष नेतृत्व असुविधाजनक स्थिति में रहेगा।

चुनाव आयोग ने केजरीवाल की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरोप लगाया है कि दिल्ली पुलिस के कहने पर ज़बरदस्ती केजरीवाल की सुरक्षा कम की गई है।

पंजाब पुलिस के महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि समय-समय पर हमें पंजाब के सीएम भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को धमकियों की रिपोर्ट मिलती रहती है और हम संबंधित एजेंसियों से इसे शेयर भी करते रहते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस और चुनाव आयोग के निर्देशों का पालन करते हुए हमने अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में लगे पंजाब पुलिस के जवानों को वापस बुला लिया है। उन्होंने कहा कि हम दिल्ली पुलिस के साथ अपने इनपुट्स शेयर करते रहेंगे।

अरविंद केजरीवाल की सुरक्षा में लगे पंजाब पुलिस के जवानों को हटाने पर आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने कहा कि आज दिल्ली पुलिस ने जबरन अरविंद केजरीवाल की पंजाब पुलिस की सुरक्षा हटवा दी। अरविंद केजरीवाल की जे ब्लॉक काली बाड़ी मार्ग पर सभा है और वहां लाठी डंडे लेकर गुंडे पहले से मौजूद हैं।

नीमकाथाना व...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सृजन किया था। उसके बाद यहां सरकारी कार्यालय और बस स्टैंड आदि के लिए जमीन आवंटित हो चुकी है। इसके साथ ही, जिला कलेक्टर सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारियों को भी जिले में नियुक्त किया गया। वहीं, कानून व्यवस्था पर भी प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया गया और इससे क्षेत्र में अपराध दर में भी कमी आई। इसी बीच, सरकार बदलने के बाद गत 29 दिसंबर को अधिसूचना जारी कर नीमका थाना से जिले का दर्जा छीन लिया गया। याचिका में कहा गया कि समान स्थिति के कुछ अन्य जिलों को राजनीतिक कारणों से बरकरार रखा गया है, जबकि करीब तीन दशक से नीमकाथाना को जिला बनाने की मांग की जा रही थी। ऐसे में जिला रद्द करने की अधिसूचना को निरस्त किया जाए।

फर्जी दस्तावेज वाले दो आरोपियों ने गुनाह कबूल लिया

पटना, 23 जनवरी। बिहार में आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) की पटना स्थित विशेष अदालत के पहले मुकदमे में फर्जी दस्तावेजों के साथ पकड़े गए दो विदेशी नागरिकों ने आज अपना गुनाह कबूल कर लिया। एटीएस की विशेष अदालत के न्यायाधीश अभिजीत कुमार की अदालत में एक आवेदन दाखिल कर इस मामले के आरोपी खैरुल मंडल और अबू सुल्तान ने अपना गुनाह स्वेच्छा से कबूल किए जाने की बात कही थी।

- **बिहार के आंतकवाद निरोधक दस्ते को पहले मुकदमे में सफलता मिली।**

अदालत ने दोनों का बयान लेने के बाद, उनका कबूलनामा स्वीकार करते हुए उन्हें आज भारतीय दंड विधान की धारा 465, 471, 120 और विधि विरुद्ध क्रियाकलाप अधिनियम की धारा 18 तथा 18 बी एवं फॉरेन एक्ट की धारा 14 सी के तहत दोषी करार दिया।

'चुनावी प्रक्रिया में विश्वास खत्म करने वाली फर्जी बातों से बचें'

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने चुनावों में काम करने वाले वैश्विक संगठनों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया

- **दो दिन के सम्मेलन में भूटान, जॉर्जिया, नामीबिया, उज़्बेकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कज़ाकिस्तान, आयरलैंड, मॉरिशस, फिलीपींस, रूसी संघ, ट्यूनीशिया व नेपाल के 30 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।**

नयी दिल्ली, 23 जनवरी। भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) राजीव कुमार ने लोकतांत्रिक देशों में चुनाव का प्रबंधन करने वाले निकायों को चुनावी प्रक्रियाओं में विश्वास को खत्म करने वाले फर्जी बातों के प्रति सावधानी बरतने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि ऐसी बातें चुनाव-की महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं को ही आहत करने के लिए फैलायी जाती हैं।

कुमार ने कहा कि ऐसी फर्जी बातों का मुख्य उद्देश्य चुनाव के मर्मस्थल को बेधना होता है। कुमार गुरुवार को राजधानी में चुनाव प्रबंधन करने वाले राष्ट्रीय निकायों और लांकतांत्रिक चुनाव पद्धतियों के क्षेत्र में काम करने वाले वैश्विक संगठनों के एक अंतराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन कर रहे थे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ने कहा, इस तरह के मनगढ़ंत आख्यान सामान्यत: ऐसे समय फैलाए जाते हैं जब चुनाव प्रक्रिया किसी महत्वपूर्ण मोड़ पर होती है।

दो दिन का यह सम्मेलन चुनाव प्रबंधन के प्रमुख समकालीन मुद्दों पर चर्चा के लिए आयोजित किया गया है जिसमें भूटान, जॉर्जिया, नामीबिया, उज़्बेकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, कजाकिस्तान, आयरलैंड, मॉरीशस, फिलीपींस, रूसी संघ, ट्यूनीशिया और नेपाल सहित 13 देशों के चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) के लगभग 30 प्रतिनिधि इसमें भाग ले रहे हैं।

'वैश्विक चुनाव वर्ष 2024: लोकतांत्रिक स्थानों की पुनरावृत्ति, ईएमबी के लिए सीख' विषय पर यह सम्मेलन आयोजित किया गया है।

सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में अपने मुख्य भाषण में कुमार ने दक्षता, पारदर्शिता और मतदाता विश्वास बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और डिजिटल नवाचारों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रौद्योगिकी महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करती है, लेकिन यह साइबर सुरक्षा खतरों और गलत सूचना जैसी चुनौतियां भी लाती है।

उन्होंने चुनाव प्रबंध करने वाले निकायों से इन तकनीकी चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतियों को कारगर बनाने का आग्रह किया, ताकि जोखिमों को प्रभावी ढंग से कम किया जा सके। उन्होंने कहा कि 2024 चुनौतियों और जटिलताओं के बीच लोकतांत्रिक मूल्यों की पुष्टि के लिए ईएमबी के लिए एक निर्णायक वर्ष था।

सम्मेलन के पहले दिन उज़्बेकिस्तान, श्रीलंका, मॉरीशस, इंडोनेशिया, कज़ाकिस्तान के चुनाव प्रबंधन निकायों ने 2024 में अपने चुनावी अनुभव पर प्रस्तुतियाँ दीं और सोशल मीडिया पर गलत सूचना, गलत सूचना और फर्जी आख्यानों के बारे में अपनी चिंताएँ रखीं, जो लाइव चुनावों में चुनाव की निष्पक्षता को प्रभावित करते हैं। मॉरीशस के सी.ई.सी. अब्दुल रहमान ने ई.एम.बी. में मतदाताओं के विश्वास को कम करने के लिए फर्जी खबरों के खतरे पर भी जोर दिया। चुनाव कर्मचारियों की भर्ती के लिए फर्जी ऑनलाइन आवेदनों के एक विशेष मामले पर प्रकाश डालते हुए, रहमान ने चुनावों के दौरान गलत सूचना और भ्रामक सूचनाओं के खतरे को बढ़ाने में प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के उपयोग पर चिंता व्यक्त की।

राज्य के 5897 ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इन निर्णय के अनुसार, प्रदेश के बून्दी जिले के 486, नागौर जिले के 67, धौलपुर जिले के 58, झालावाड़ जिले के 61, सवाई माधोपुर के 2, बारां के 1, अजमेर के 592, भरतपुर के 418, कोटा के 345, टोंक के 865, बीकानेर के 45, बांसवाड़ा के 817, बालोतरा के 10, फलौदी के 207, पाली के 155, हनुमानगढ़ के 49, डीग के 258, जोधपुर के 262, ब्यावर के 626, भीलवाड़ा के 564 एवं हनुमानगढ़ जिले के 9 गांवों को अभावग्रस्त घोषित किया गया है। इन गांवों में खराबे से प्रभावित किसानों को एसडीआरएफ नॉर्म्स के अनुसार कृषि आदान अनुदान वितरण किया जाएगा।

महाकुंभ में 10 करोड़ श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई

महाकुम्भ नगर, 23 जनवरी। महाकुंभ के अवसर पर मोक्ष की अभिलाषा के साथ देश दुनिया के विभिन्न अंचलों से आकर तीर्थराज प्रयागराज में त्रिवेणी में पवित्र डुबकी लगाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या गुरुवार दोपहर तक दस करोड़ के आंकड़े को पार कर चुकी थी। मां गंगा, मां यमुना और अदृश्य मां सरस्वती के पवित्र संगम में स्नान का यह नया रिकॉर्ड है। महाकुम्भ में प्रतिदिन लाखों की श्रद्धालु पुण्य स्नान का फल प्राप्त कर रहे हैं। सरकार पहले ही 45 दिन तक चलने वाले महापर्व के दौरान 45 करोड़ श्रद्धालुओं के यहां आने का अनुमान व्यक्त कर चुकी है। जिसमें अकेले मौनी अमावस्या स्नान पर्व पर ही दस करोड़ श्रद्धालुओं के प्रयागराज आगमन के आसार हैं। गंगा की रेती पर हजारों कदम चलने के बाद त्रिवेणी के पावन जल में डुबकी लगाने वालों के जोश और उत्साह में कोई कमी नहीं दिख रही है। गुरुवार दोपहर 12 बजे तक 30 लाख लोगों ने त्रिवेणी संगम में स्नान कर लिया। इसमें 10 लाख कल्पवासियों के साथ-साथ देश विदेश से आए श्रद्धालु एवं साधु-संत शामिल रहे।

20 फरवरी को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है, तथा न्यूरोलॉजिकल तकलीफें भी हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि "मैं दम्पतियों को यह बताने का प्रयास कर रहा हूं कि समय पूर्व प्रसव में मां और शिशु दोनों के लिए भारी खतरा है। गत दो दिनों में मैं इस बारे में 15-20 दम्पतियों से बात कर चुका हूँ।" जन्म के आधार पर नागरिकता का अधिकार कई भावी माता-पिता के लिए सेफ्टी नैट है, खासकर अमेरिका में काम कर रहे भारतीयों के लिए। एक 28 वर्षीय फाइनैंस प्रोफेशनल ने कहा कि अगर उसकी पत्नी ने डैडलाइन के बाद बच्चे को जन्म दिया तो उसके सारे प्लान्स खराब हो जाएंगे। एक अन्य एच-वन बी वीसा धारक, जिसके पिता बनने में कुछ माह बाकी हैं, ने कहा, यहां आने के लिए बहुत कुछ छोड़ा है, अब लगता है हमारे लिए दरवाजे बंद हो रहे हैं।

अमेरिका की डब्ल्यु.एच.ओ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हैल्थ संगठनों के साथ अपने सहयोग को बढ़ाना पड़े या फिर खाली स्थान को भरने के लिए देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने पड़ें।

डब्ल्यु.एच.ओ. कमज़ोर हुआ तो वैश्विक स्तर पर महामारी की तैयारी के प्रयासों को नुकसान होगा, जिससे देशों को भविष्य में होने वाले प्रकोपों से निपटने में कठिनाई हो सकती है। उदाहरण के लिए, कोविड-19 के लिए भारत डब्ल्यु.एच.ओ. के दिशा-निर्देशों, अनुसंधान और आपूर्ति श्रृंखला नेटवर्क पर निर्भर था, जिससे इस बात की पुष्टि होती है कि एक मजबूत वैश्विक स्वास्थ्य निकाय कितना महत्वपूर्ण है।

भारत दवा उत्पादन और वैक्सीन निर्माण में एक ग्लोबल लीडर है। एक कमज़ोर डब्ल्यु.एच.ओ. वैश्विक नियामक समन्वय (ग्लोबल रैगुलेटरी हार्मनाइज़ेशन) को प्रभावित कर सकता है, जिससे भारतीय निर्यातों के लिए अप्रूवल और सर्टिफिकेशन मिलने में देरी हो सकती है। हालांकि, यह भारत के लिए एक अवसर भी हो सकता है, जिससे वह एक स्वतंत्र सर्टिफाइंग बॉडी के रूप में अपनी स्थिति स्थापित कर सके और ग्लोबल हैल्थ गवर्नैंस में अपनी प्रभावशीलता को बढ़ा सके।

अमेरिका की निकासी से भारत को डब्ल्यु.एच.ओ. या हैल्थ डिप्लॉमसी में नेतृत्व की भूमिका निभाने का अवसर मिल सकता है। अपनी वित्तीय क्षमता और दक्षता के योगदान को बढ़ाकर भारत खुद को वैश्विक स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर सकता है, जिससे उसकी सॉफ्ट पावर में वृद्धि हो सकती है।

ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री गॉर्डन ब्राउन, जो वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों के प्रबल समर्थक हैं और डब्ल्यु.एच.ओ. के समर्थन में आवाज उठाते रहे हैं, का कहना है कि यह ग्लोबल हैल्थ बॉडी संक्रामक बीमारियों, महामारी और अन्य स्वास्थ्य आपात स्थितियों का समाधान करने के लिए बहुत अधिक जरूरी है।

ब्राउन ने यूके के गार्जियन अखबार में, डब्ल्यु.एच.ओ. से अमेरिका की निकासी के ट्रम्प के निर्णय की आलोचना की है और कहा है कि वित्तीय असमानताओं और कथित चीनी प्रभाव के बारे में गलत तर्क दिए गए।

ब्राउन के अनुसार, पोलियो, एचआईवी और तपेदिक जैसी बीमारियों से लड़ने, महामारी की तैयारी को समन्वित करने और संघर्ष क्षेत्र और जलवायु प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने में डब्ल्यु.एच.ओ. महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

ब्राउन यह भी कहते हैं कि डब्ल्यु.एच.ओ. को दिया जाने वाला अमेरिका का वित्तीय योगदान उसके आर्थिक आकार के अनुपात में है, अत्यधिक नहीं है। वे यह भी बताते हैं कि डब्ल्यु.एच.ओ. का अधिकांश वित्तीय योगदान स्वैच्छिक योगदानों से आता है, जिसमें गेट्स फाउंडेशन जैसे निजी संगठन भी शामिल हैं।

संक्रामक बीमारियां सीमाओं का सम्मान नहीं करतीं और डब्ल्यु.एच.ओ. जैसी एक वैश्विक समन्वित संस्था अनिवार्य है। वे कहते हैं कि वर्तमान चुनौतियां, जैसे कई महामहारियाँ, बिना सामूहिक अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों के हल नहीं हो सकतीं। वे सुझाव देते हैं कि समृद्ध देशों को डब्ल्यु.एच.ओ. को स्थिर रूप से वित्तपोषित करने के लिए अपना योगदान बढ़ाना चाहिए और निम्न-आय वाले देशों के निरंतर समर्थन को प्रोत्साहित करना चाहिए।

ब्राउन का कहना है कि डब्ल्यु.एच.ओ. को छोड़ देना वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा को कमज़ोर करता है। उन्होंने देशों से आग्रह किया है कि वे इसके ढांचे को मजबूत करें, न कि उसे छोड़ दें।

'चाय बेचने वाले ने ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैलाई'

मुंबई, 23 जनवरी। महाराष्ट्र के जलगांव में बुधवार शाम हुए ट्रेन हादसे के बारे में नए खुलासे हो रहे हैं। असल में लखनऊ से मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह फैल गई जिससे ट्रेन में सफर कर रहे यात्री इतना डर गए कि वह चलती ट्रेन से ही कूदने लगे। इसके बाद यात्री दूसरे ट्रैक पर आ रही कर्नाटक एक्सप्रेस की चपेट में आ गए। इस घटना में 13 लोगों की जान चली गई। इस हादसे को लेकर महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने बड़ा खुलासा किया है।

अजित पवार ने गुरुवार को कहा कि जलगांव ट्रेन दुर्घटना, पुष्पक एक्सप्रेस के अंदर एक चाय बेचने वाले द्वारा ट्रेन में आग लगने की "अफवाह" का नतीजा थी। इस अफवाह के कारण लोग घबरा गए और कुछ यात्री ट्रेन से कूद गए। मुंबई जा रही पुष्पक एक्सप्रेस में आपातकालीन चेन खींचने की घटना के बाद कुछ यात्री ट्रेन से नीचे उतरे और विपरीत दिशा से आ रही दूसरी ट्रेन की चपेट में आ गए। अधिकारियों के अनुसार, दुर्घटना में 13 लोगों की मौत हो गई और 15 घायल हो गए।

- **महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने जलगांव ट्रेन हादसे का खुलासा किया।**

पवार ने पुणे में पत्रकारों से कहा, "पैंट्री से एक चायवाला चिल्लाकर बोला कि कोच में आग लग गई है।" उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश के श्रावस्ती से आए दो यात्रियों ने यह आवाज सुनी और अन्य लोगों को यह गलत सूचना दी, जिससे उनके सामान्य डिब्बे और बगल के कोच में लोगों में दहशत फैल गई।

'हम हमेशा, "बिना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर रहे हैं। इसके लिए खेत, घर व जेवर बेचकर बिचौलियों को पैसा दे रहे हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने अमेरिका के पत्रकारों से कहा कि एक सरकार के रुप में हम निश्चित रुप से कानूनी गतिशीलता में यकीन रखते हैं, क्योंकि हम वैश्विक कार्य स्थल में यकीन रखते हैं। हम चाहते हैं कि भारतीय प्रतिभा व कौशल को विश्व में अधिकतम अवसर मिलें। पर हम अवैध रुप से अन्य देशों में जाने और वहां रहने के खिलाफ भी हैं।"

उन्होंने कहा, क्योंकि आप भी जानते हैं कि जब गैरकानूनी काम होता है तो उसमें कई अन्य अवैध कार्य भी शामिल हो जाते हैं, जो वांछनीय नहीं हैं। इससे साख भी खराब होती है, इसलिए हरेक देश, अमेरिका ही अपवाद नहीं है, के साथ हमने हमेशा यही कहा है कि अगर हमारा कोई नागरिक अवैध रुप से वहां रह रहा है और हमें यकीन हो जाता है कि वह हमारा नागरिक है, तो हमारे दरवाजे उसकी वैध वापसी के लिए खुले हैं।

जयशंकर उन खबरों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे कि भारत अमेरिका में रह रहे ऐसे 1.80 लाख भारतीयों की वापसी पर काम कर रहा है, जिनके पास कागजात नहीं हैं या जो वीसा अवधि से भी ज्यादा समय से रुके हुए हैं।

उन्होंने कहा "यह स्थिति सिर्फ अमेरिका के लिए अनोखी नहीं है। मैं समझता हूं कि अभी एक बहस चल रही है, जिससे मामला संवेदनशील बन रहा है, पर हम स्थिर बने रहे।

इस मामले में हम बहुत सिद्धांतवादी हैं। मैंने यह बात अमेरिका के विदेश मंत्री को बताई है। हम मानते हैं कि हमें कानूनी प्रक्रिया की गति बढ़ानी चाहिए।"

उन्होंने कहा, "इसी में हमारा पारस्परिक हित है। अगर एक वीसा पाने के लिए 400 दिन इंतज़ार करना पड़ता है तो यह ठीक नहीं है। रुबियो ने इसे नोट किया है।"

"लेकिन मैंने कुछ आंकड़े देखे है। मैं इन पर आपको सावधान करता हूँ, क्योंकि एक संस्था तभी प्रासंगिक होती है, जब हम यह साबित कर पाएं कि वह व्यक्ति भारतीय मूल का है।"

चेक बाउन्स...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

रुपये का मुआवजा देने का भी निर्देश दिया है। अदालत ने कहा कि तीन माह के भीतर अगर जुर्माना नहीं भरा गया तो वर्मा को तीन महीने और जेल में बिताने होंगे। चेक अनादरण का मामला 2018 में रामगोपाल वर्मा की फर्म के खिलाफ दायर हुआ था। जून 2022 में वर्मा को निजी मुचलका और पांच हजार रुपये की नकद सुरक्षा जमा करने के बाद जमानत दे दी गई थी। मजिस्ट्रेट वाईपी पुजारी ने राम गोपाल वर्मा को सजा सुनाते हुए कहा, आपराधिक प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 428 के तहत सेट-ऑफ का कोई सवाल ही नहीं है क्योंकि आरोपी ने मुकदमे के दौरान हिरासत में कोई अवधि नहीं बिताई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908